मांड़ी

वार्षिक पत्रिका (संयुक्तांक)

सत्र 2016–17 एवं 2017–18

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, डौण्डी

जिला–बालोद (छ.ग.)

Email : kmcollege.doundi@yahoo.in ❖ Contact : 07748-299178

विषय–सूची

क्र.	विवरण	पेज नम्बर
01	संदेश	01–10
02	प्राचार्य की कलम से	11
03	सम्पादकीय	12
04	महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय	13–15
05	अनुभूति	16
06	वर्ष 2016–2017 छात्र संघ पदाधिकारियों की सूची	16
07	वर्ष 2017–2018 छात्र संघ पदाधिकारियों की सूची	17
08	छात्र संघ अध्यक्ष की अभिव्यक्ति	18
09	उद्‌गार	19
10	महान व्यक्तित्व : कंगला मांझी	20
11	मेरा हिन्दुस्तान	20
12	व्यक्तित्व के धनी क्रांतिवीर कंगला मांझी के प्रमुख सिंद्धात वाक्य	21
13	डौण्डी अंचल में पाये जाने वाले कुछ औषधीय पौधे	22–25
14	क्रांतिवीर कंगला मांझी रचित गीत	25
15	जीवन में खेलों की प्रांसगिकता	26
16	राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ	27–29
17	एन.एस.एस. में मेरा अनुभव	30
18	एन.एस.एस. परिवार की ओर से	31
19	फौजी हिन्दुस्तान की	32
20	महिमा दादा–दादी की	32
21	मेरा एक सपना	33
22	छत्तीसगढ़ी गीत	33
23	यादों का मौसम	34
24	मन	34
25	शिक्षा एवं बेरोजगारी	35
26	भाजी रे भाजी – छत्तीसगढ़िया भाजी	36–38
27	11 अनमोल विचार	38
28	सेना में भर्ती संबंधी जानकारी	39
29	सफलता का रहस्य	39
30	नारी शक्ति	40

31	प्रेरक बिन्दु	40
32	छ.ग. में फसल एवं त्यौहार	41
33	जीवन का संदेश	41
34	इंसान की सोच ही अच्छा/बुरा हो सकता है लेकिन इंसान नहीं	42
35	राजहरा माइन्स भौगोलिक भ्रमण 2016–2017	43
36	मानव एवं पर्यावरण	44
37	भारतीय अर्थव्यवस्था में विमुद्रीकरण का प्रभाव	45–46
38	THE RED DUST POISON	47
39	संस्था के छात्र–छात्राओं की उपलब्धियाँ	48
40	शिक्षा और समाज	48
41	वर्ष 2017–2018 के राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ	49–51
42	आहार संयम – स्वास्थ्य की कुंजी	52–53
43	मतदाता जागरुकता – एक अपील	54
44	वर्ष 2017–2018 में महाविद्यालय में संचालित गतिविधियाँ	55–56
45	19 वी. एवं 20 वी. शताब्दी में सामांजिक एवं राजनीतिक चेतना	56
46	प्रतिवेदन	57
47	साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ 2017–2018	58–59
48	मोर एन.एस.एस. – हे महान	59
49	मेरा "सपना" – बनना है मुझे प्रधानमंत्री	60
50	महाविद्यालय परिवार का अभिनंदन	60
51	खेल प्रतियोगिता वर्ष 2016–2017	61–64
52	खेल प्रतियोगिता वर्ष 2017–2018	64
53	सन् 2016–17 में महाविद्यायल में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी	65
54	सन् 2017–18 में महाविद्यायल में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी	66
55	महाविद्यालय में पदस्थ प्राचार्यो की सूची	67
56	महाविद्यालय में जनभागीदारी की सूची	67
57	महाविद्यालय के छात्रसंघ पदाधिकारियों की सूची	67
58	महाविद्यालय में होने वाली गतिविधियों से संबंधित समाचार पत्र कवरेज	68–74
59	महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की फोटो	75

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, डौण्डी
जिला–बालोद (छ.ग.)

वार्षिक पत्रिका

मांझी

संयुक्तांक
(सत्र 2016–17 एवं 2017–18)

प्रो. (डॉ.) उमाकान्त मिश्र
प्राध्यापक एवं प्रभारी प्राचार्य
संरक्षक, सम्पोषक

सम्पादक मण्डल
डॉ. श्रीमती गिरिजा पटैला (प्रधान सम्पादक)
(सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र)
श्री नरेन्द्र कुमार साकरे
(सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल)
श्री विनोद कुमार कोमा
(सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र)
श्री रमेशर प्रसाद निषाद
(सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी)

छात्र संघ	2016–2017	2017–2018
अध्यक्ष	कु. नंदिनी धनकर	कु. चन्द्रकान्ता गौर
उपाध्यक्ष	चन्द्रभान	कु. नाहिद खातुन अंसारी
सचिव	चुरेन्द्र कुमार	जयपाल
सहसचिव	अनिल कुमार	कु. हेमलता

पत्रिका में प्रस्तुत विचार प्रस्तोता के हैं इससे सम्पादक मंडल की सहमति आवश्यक नहीं है।

बलरामजी दास टंडन
राज्यपाल छत्तीसगढ़

सत्यमेव जयते

राजभवन
रायपुर - 492001
छत्तीसगढ़
भारत
फोन : +91-771-2331100
+91-771-2331105
फैक्स : +91-771-2331108

क्र. 152 / पीआरजी / रास / 16
रायपुर, दिनांक 06 दिसंबर 2016

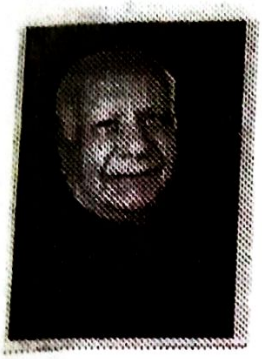

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि डौण्डी लोहारा, जिला–बालोद स्थित शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका 'मांझी' का प्रकाशन हो रहा है।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक सहित विविध विषयों पर समसामयिक लेखन का अवसर मिलेगा। साथ ही मैं उम्मीद करता हूं कि इस पत्रिका के द्वारा छात्र–छात्राओं को अभिव्यक्ति एवं कौशल निखारने का एक सार्थक मंच मिलेगा।

पत्रिका प्रकाशन पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(बलरामजी दास टंडन)

डॉ. रमन सिंह
मुख्यमंत्री

Dr. RAMAN SINGH
CHIEF MINISTER

DO. No. 416/VIP/2016
DATE 22-11-16

महानदी भवन, मंत्रालय
नया रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492002
Mahanadi Bhawan, Mantralaya
Naya Raipur, Chhattisgarh
Ph. : (O) - 0771-2221000-01
Fax : (O) - 0771-2221306
Ph. : (R) - 0771-2331000-01
Ph. : (R) - 0771-2443399
Ph. : (R) - 0771-2331088

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी, जिला बालोद द्वारा वार्षिक पत्रिका "मांझी" का प्रकाशन किया जा रहा है ।

ऐसी पत्र–पत्रिकाएं छात्र–छात्राओं में अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इस पत्रिका में रचनाशील शिक्षक–शिक्षिकाओं तथा छात्र–छात्राओं की मौलिक रचनाएं प्राथमिकता से प्रकाशित की जानी चाहिए । पत्रिका से महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और विशेषताओं की जानकारियां भी लोगों तक पहुंचती है ।

प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

(डॉ. रमन सिंह)

प्रेम प्रकाश पाण्डेय
मंत्री,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास,
उच्च शिक्षा, कौशल विकास,
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
छत्तीसगढ़ शासन

फोन : 0771-2510321,
(मंत्रालय) Telefax - 2221321
एम 5-13, 15
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर
निवास : बी-1, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
0771-2424749
Telefax - 2446440
भिलाई : सेक्टर-9, सड़क नं.-11, आवास नगर-1,
भिलाई, जिला-दुर्ग
: 0788-2242591

क्रमांक 182/4 मंत्री/रा.आ.प्र.पु.उ.शि.कौ.वि.त.शि.रो.वि.प्रौ.वि./201
रायपुर, दिनांक 15/08/2018

// संदेश //

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि **शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, डौण्डी, जिला–बालोद (छ.ग.)** महाविद्यालयीन संयुक्तांक वार्षिक पत्रिका **"मांझी"** का प्रकाशन करने जा रही है। महाविद्यालय का यह कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है।

महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों की बौद्धिक–रचनात्मक गतिविधियों तथा साहित्यिक अभिरुचि को संवर्धित करने का सशक्त माध्यम होती है। महाविद्यालय निरंतर छात्रों को कौशल विकास के माध्यम से अपनी आजीविका तैयार करने की दिशा में कार्यरत है। मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका के माध्यम से छात्र–छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास एवं भविष्य का सृजन होगा।

"मांझी" वार्षिक संयुक्तांक पत्रिका के गरिमामय प्रकाशन की कामना के साथ महाविद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(प्रेम प्रकाश पाण्डेय)

प्रति
डॉ. यू.के. मिश्र,
प्राचार्य,
शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, डौण्डी,
जिला–बालोद (छ.ग.)

Web Site-www.premprakashpandey.net
Email - ministerppp@gmail.com, premprakashpandeyji@gmail.com
Face Book - www.facebook.com/premprakashpandeyofficial

केदार कश्यप

मंत्री

छत्तीसगढ़ शासन

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग

अल्पसंख्यक कल्याण एवं स्कूल शिक्षा विभाग

अर्ध शासकीय पत्र क्र. V18/M/352

निवास : सी-3, [illegible] कॉलोनी, [illegible]
रायपुर (छ.ग.)

दूरभाष : (निवास) 0771-2331032, 2331033 (F)
(कार्यालय) 0771-2510906, 2221106

रायपुर, दिनांक 22.11.2016

शुभकामनाएँ...

महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका ''मांझी'' के प्रथम अंक प्रकाशन की सूचना से हर्षित हुआ। बधाई!

युवा शक्ति को ''सृजन'' एवं 'अभिव्यक्ति' हेतु अवसर प्रदान करना अभिनंदनीय है। मेरी कामना है कि यह सद्प्रयास निरन्तर जारी रहे।

समन्वित ज्ञानार्जन जो सृजनात्मकता से अर्जित हो, प्रासंगिक है। विद्यार्थी की शिक्षा एवं जीवन लक्ष्यों में तालमेल आवश्यक है। आधुनिक प्रतिस्पर्धी युग में ज्ञान के समस्त स्रोतों का समन्वित उपयोग, शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने का सुगम मार्ग होगा।

युवा शक्ति पर भारतीय समृद्ध संस्कृति के संरक्षण का महती दायित्व भी है, भारतीय संस्कृति में अंतर्निहित जीवन मूल्य एवं संस्कार प्रखर व्यक्तित्व के स्थायी आभूषण हैं। इनका मूल्यांकन उत्तर पुस्तिकाओं में नहीं वरन् जीवन आचरण से होगा। युवा साथी ही हमारे वास्तविक परिवर्तन वाहक (Change Agent) हो सकते हैं। अपनी स्पर्धात्मक श्रेष्ठता को छात्रजीवन में प्रमाणित करने की आवश्यकता है।

शुभअवसर पर महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, आचार्यगण, महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सम्मानीय सदस्यगणों को बधाई प्रेषित करते हुए पत्रिका ''मांझी'' के सफल प्रकाशन हेतु अग्रिम मंगलकामनाएँ...

(केदार कश्यप)

प्रति

प्राचार्य
शास. कंगला मांझी महाविद्यालय
डौण्डी, जिला बालोद
छ०ग०

—: शुभकामना संदेश :—

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी जिला बालोद (छ.ग.) द्वारा प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र के प्रयास से पहली बार ''मांझी'' पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन सभी महाविद्यालय परिवार के लिए शुभ संकेत है। मैं महाविद्यालय में जाकर देखी हूँ कि यहाँ के छात्र–छात्रा प्रतिभावान है। उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी भरपूर सहयोग करते रहते है। जनप्रतिनिधि होने के नाते मैं भी सहयोग देने में कभी कमी नहीं करती । आशा है महाविद्यालय के सभी छात्र – छात्रा परिश्रम और प्रतिभा द्वारा इस क्षेत्र का नाम रौशन करते रहेंगें।
बहुत सारी शुभकामनाएँ ——

श्रीमती अनिला भेडिया
विधायक डौण्डी लोहारा

दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
रायपुर नाका दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष–0788–2213300
ई–मेल:vicechancellor@durguniversity.ac.in

प्रति,
प्राचार्य,
शास. कंगला मांझी महाविद्यालय
डौण्डी
जिला–बालोद (छ.ग.)

संदेश

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि आपकी संस्था द्वारा "मांझी" पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है. मुझे विश्वास है कि प्रथम बार प्रकाशित होने वाली यह पत्रिका उत्प्रेरक के रूप में सभी विद्यार्थियों के लिये प्रेरणास्पद सिद्ध होगी. मेरी शुभकामनाएँ स्वीकार करें.

(प्रो. एन. पी. दीक्षित)
पूर्व कुलपति
दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

डॉ. शैलेन्द्र सराफ
कुलपति
Dr. Shailendra Saraf
Vice-Chancellor

दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) भारत
Durg University, Durg (C.G.) 491001 INDIA
Office : 0788 - 2213300
E mail : vicechancellor@durguniversity.ac.in
Website : www.durguniversity.ac.in

क्र० 34 / कुलपति कार्या. / 2018 दुर्ग दिनांक 19.06.2018

यह बड़े हर्ष का विषय है कि शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, वार्षिक पत्रिका 'मांझी' का प्रकाशन कर रहा है। छात्र–जीवन में पत्रकारिता का ज्ञान होना छात्र–छात्राओं के लिए सुखदायी पक्ष है। इसके माध्यम से साहित्यिक प्रतिभा का विकास एवं प्रेरणास्पद व्यक्तित्व का निर्माण सम्भव है। आशा ही नही अपितु पूर्ण विश्वास है कि क्रांतिवीर स्वतंत्रता सेनानी कंगला मांझी जी के नाम पर प्रकाशित पत्रिका मील का पत्थर साबित होगी। महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, पत्रिका प्रकाशन हेतु बधाईयाँ एवं छात्र–छात्राओं के उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ।

डॉ. शैलेन्द्र शराफ
(कुलपति)
दुर्ग विश्वविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.)

संदेश

मुझे यह जान कर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय द्वारा "मांझी" अंक पत्रिका प्रकाशित की जा रही है। मैं आभारी हूँ, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र जी का जिन्होंने कंगला मांझी जी पर विभिन्न शोधपरक लेखों को एकत्र करके "मांझी" शीर्षक से वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करने के सराहनीय कार्य का शुभारंभ किया है, आशा है कि यह सिलसिला ऐसे ही चलता रहेगा। मैं स्वयं की ओर से तथा अपने संगठन की ओर से समस्त महाविद्यालय प्रशासन को हार्दिक धन्यवाद देती हूँ।

"मांझी" अंक की सफलता के लिये मेरी हार्दिक शुभ कामनायें।

भवदीय

फुलमत देवी

अध्यक्ष

श्री मांझी अन्तर्राष्ट्रीय समाजवाद
आदिवासी किसान सैनिक संस्था
नई दिल्ली – 110002

डॉ. समरेन्द्र सिंह
ाज्य सम्पर्क अधिकारी
वं उपसचिव (प्रवेन)
ाष्ट्रीय सेवा योजना

उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन
महानदी भवन, मंत्रालय, नया रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-2262822
मो. : 94255-12969

मांक 375

दिनांक : 09/4/2016

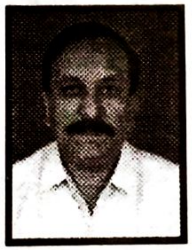

संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, डौण्डी, जिला बालोद द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका "मांझी" का प्रथम प्रकाशन किया जा रहा है। शासकीय महाविद्यालय कंगला मांझी डौण्डी द्वारा प्रकाशित उपरोक्त पत्रिका छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरक होने के साथ उनकी व्यक्तित्व के विकास में सहायक होगी।

"मांझी" पत्रिका के प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(डॉ. समरेन्द्र सिंह)

प्रति,
प्रभारी प्राचार्य,
शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, डौण्डी,
जिला-बालोद, (छ.ग.)।

-: शुभकामना संदेश :-

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी जिला – बालोद (छ.ग.) में पहली बार "मांझी" पत्रिका प्रकाशन की सूचना जनभागीदारी अध्यक्ष होने के नाते अनेक बार महाविद्यालय में जाने का मौका मिलते रहता है। इस क्षेत्र के साथ परिश्रमी और सरल स्वभाव के है। किताबी ज्ञान के साथ–साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा पत्रिका के माध्यम से जन–जन तक पहुँचेगी । महाविद्यालय में छात्रों के साथ छात्राओं की संख्या कही अधिक है यहाँ एम. ए. स्तर की पढ़ाई की सुविधा नहीं है। महाविद्यालय के विकास में जितना सम्भव होगा, मैं प्रयास करुँगा ।

पत्रिका प्रकाशन के लिए महाविद्यालय के सभी सदस्यों को हृदय से बधाई देता हूँ ।

3-2-2017

प्राचार्य की कलम से ———

प्राध्यापक पद पर पदोन्नति के उपरान्त अग्रणी महाविद्यालय शासकीय दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार (शोध केन्द्र) से शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी जिला–बालोद (छ.ग.) में 01 सितम्बर 2016 को पदभार ग्रहण किया। सन् 2006 से संचालित इस महाविद्यालय के हिन्दी विभाग को प्रथम बार अतिथि व्याख्याता द्वारा अध्यापन से मुक्ति मिली। शासकीय महाविद्यालय बलौदा बाजार में सन् 2007 से शोध निर्देशक के रुप में 10 शोध छात्रों को मेरे निर्देशन में उपाधि भी प्राप्त हुई। वर्तमान में महाविद्यालय के बी.ए. स्तर पर हिन्दी साहित्य नहीं होने के कारण आ.पा. हिन्दी भाषा का अध्यापन करने के क्रम में मैंने आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में अध्यनशील छात्र–छात्राओं की साहित्यिक एवं सृजनात्मक प्रतिभा को मुखरित करने हेतु महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका "मांझी" के प्रकाशन का निर्णय लिया। स्टॉफ कौंसिल और जनभागीदारी की बैठक में विमर्शोपरान्त संयुक्तांक पत्रिका संबंधी प्रस्ताव को कार्यरुप प्रदान किया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व से अद्यतन पत्रकारिता सत्ता और जनमानस के मध्य संबंध स्थापित करने का सशक्त माध्यम रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् इसके मानदण्डों में अनेक परिवर्तन के बावजूद पत्रकारिता लोकतंत्र की महत्वपूर्ण स्थापित कड़ी है।

महाविद्यालय की गतिविधियों के साथ–साथ छात्र–छात्राओं की बहुआयामी प्रतिभा को मुखरित करने में महाविद्यालयीन पत्रिका की विशिष्ट उपादेयता आकलित की गयी है। पत्रिका प्रकाशन की सूचना प्राप्त कर छात्रों में प्रसन्नता एव जागरुकता समन्वित रुप में दृष्टिगत हुई। क्रांतिवीर और समर्पित अमर स्वतंत्रता सेनानी कंगला मांझी के नाम पर स्थापित इस महाविद्यालय के छात्र–छात्रा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के शिविर में सहभागिता दे चुके हैं। महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में राजमाता श्रीमती फुलवा देवी, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा के आगमन से महाविद्यालय का गौरव बढ़ा है। गणतंत्र दिवस आदि के आयोजनों में सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय और इस क्षेत्र की गरिमा बढ़ाने वाले छात्र–छात्राओं को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। इस क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक, पत्रकार एवं लोकप्रिय जनप्रतिनिधियों के साथ–साथ महाविद्यालय परिवार के प्रत्येक स्टॉफ का सहयोग निरंतर मिलते रहता है। इसे मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ। प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रुप से सहयोग प्रदान करने वाले समस्त सत्पात्रों का अभिनन्दन करते हुए बधाई देना अपना कर्तव्य समझता हूँ।

पत्रिका प्रकाशन की सफलता आपके मूल्यांकन पर निर्भर है।

प्रो. (डॉ.) उमाकांत मिश्र "प्रभारी प्राचार्य"
शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय
डौण्डी, जिला – बालोद (छत्तीसगढ़)

महाविद्यालय की गतिविधियों को रेखांकित करने तथा छात्र–छात्राओं की प्रतिभाओं को मुखरित करने हेतु पत्रिका एक सशक्त माध्यम है। सन् 2006 से स्थापित इस महाविद्यालय में प्रथम बार प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र की पदस्थापना के बाद इस दिशा में प्रयास किया गया है। क्रांतिवीर कंगलामांझी के नाम पर इस शासकीय महाविद्यालय का नामकरण हुआ है तथा पत्रिका का नाम भी "मांझी" रखा गया है। जिस प्रकार मांझी अपने कौशल और परिश्रम से अथाह जल से भी नौका के सहारे यात्री को गंतव्य तक पहुँचने में सहायता करता है उसी प्रकार यह "मांझी" पत्रिका भी महाविद्यालयीन परिवार एवं छात्र–छात्राओं को लक्ष्य तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगी।

पुस्तकीय ज्ञान को रटकर और गिने–चुने प्रश्नों का उत्तर लिखकर परीक्षा में सफलता प्राप्त कर लेना और बात है परन्तु जीवन की परीक्षा में परिवार, समाज, प्रदेश और राष्ट्र के साथ कदम से कदम मिलाकर, सामंजस्य बैठाकर गतिमान होना दूसरी बात है। आजकल की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली छात्रों में नैतिकता, सकारात्मकता और मानवतावादी चिंतन भरने में कितनी सफल है – इस पर पुन: विचार करने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद के खिलाफ, सकारात्मक और समर्पित नेतृत्व की दिशा में छात्रों के मार्गदर्शन में पत्रिका अपना योगदान सुनिश्चित कर सकती है। इस प्रकार की अनेक भावनाओं को ध्यान में रखकर पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका में गणमान्यजनों द्वारा शुभकामना संदेश देकर हमें उत्साहित किया गया है, हम उन सबके आभारी हैं। प्राचार्य प्रो. मिश्र के प्रति सम्पादक मण्डल कृतज्ञ है। प्राचार्य की सक्रियता तथा मार्गदर्शन से इसका प्रकाशन सम्भव हो पा रहा है। आप सबके सकारात्मक सुझावों की अपेक्षा निरंतर बनी रहेगी।

डॉ. (श्रीमती) गिरिजा पटैला सहा. प्राध्यापक
प्रधान सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल

–: महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय :–

शासकीय नवीन महाविद्यालय डौण्डी के नाम से यह महाविद्यालय 18 जुलाई 2006 को शासन के निर्देशानुसार शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डौण्डी के 02 कमरे मे सचालित हुआ। इसके सचालन का दायित्व शासकीय एन. सी. जे. महाविद्यालय दल्लीराजहरा के प्रभारी प्राचार्य श्री एम. के. सोनछत्रा को दिया गया. महाविद्यालय मे कला, वाणिज्य एव विज्ञान सकाय की कक्षाएँ शुरुआत से ही सचालित हो रही है। लगभग 02 वर्षो तक महाविद्यालय का सचालन दल्लीराजहरा महाविद्यालय से हुआ।

डॉ. पी. के. सिह सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र दिनॉक 28 जुलाई 2008 से 15 अक्टूबर 2008 तक महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के दायित्व का निर्वहन किये। श्री पी. एस. चुरेन्द्र सहायक प्राध्यापक भूगोल स्थानान्तरण होकर महाविद्यालय आने के बाद दिनॉक 16 अक्टूबर 2008 से महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के दायित्व का निर्वहन किये। इस तरह अब महाविद्यालय का सचालन दल्लीराजहरा से न होकर डौण्डी से होने लगा। इसी बीच शासन द्वारा राज्य के 48 महाविद्यालयों का नामकरण करने का निर्णय दिनॉक 13 जून 2008 को लिया गया। इन 48 महाविद्यालयों मे एक नाम शासकीय नवीन महाविद्यालय डौण्डी का भी था। जिनका नाम डौण्डी क्षेत्र के क्रान्तिकारी श्री हीरा सिह देव कागे उर्फ कगला माझी के नाम पर रखा गया। तब से महाविद्यालय का नाम शासकीय कगला माझी महाविद्यालय डौण्डी पड़ा।

सहायक प्राध्यापक श्री पी. एस. चुरेन्द्र के स्थानान्तरण के बाद डॉ. आर. के. ठाकुर सहायक प्राध्यापक भूगोल के पदस्थापना के बाद प्रभारी प्राचार्य का दायित्व दिनॉक 16 जुलाई 2014 से 28 जुलाई 2016 तक निर्वहन किये तथा प्रभारी प्राचार्य पद पर रहते हुए महाविद्यालय के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिये। डॉ. यू. के. मिश्र सहायक प्राध्यापक से प्राध्यापक पद पर पदोन्नत होकर डौण्डी महाविद्यालय में दिनॉक 01 सितम्बर 2016 को पदभार ग्रहण किये साथ ही साथ प्रभारी प्राचार्य के दायित्वों का भी निर्वहन कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं के हित मे सबधित अतिथि व्याख्यान के साथ–साथ अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई जा रही है। और महाविद्यालय विकास की ओर गतिमान है। प्रो. मिश्र के प्रयास से महाविद्यालय को दुर्ग विश्वविद्यालय दुर्ग से स्थायी सम्बद्धता 2017 में मिली तथा भौतिक, गणित, इतिहास जैसे नये विषय स्नातक स्तर पर खुले।

महाविद्यालय के लिए भूमि का चयन शासन द्वारा दल्लीराजहरा से भानुप्रतापपुर मार्ग पर डौण्डी नगर से दो किलोमीटर पूर्व शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डौण्डी के पास ग्राम पंचायत कामता के अधीनस्थ भूमि 3.50 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ है। यह महाविद्यालय बालोद जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दिनॉक 13 अगस्त 2008 को महाविद्यालय के नये भवन का उद्घाटन तत्कालीन सांसद माननीय सोहन पोटाई जी कांकेर लोकसभा क्षेत्र के करकमलों से हुआ।

बालोद जिले के एक मात्र आदिवासी क्षेत्र मे सचालित महाविद्यालय डौण्डी आरम्भ मे ही कई समस्याओं से जुझता रहा। जिसमें प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की कमी प्रमुख है। इन समस्याओं के बावजूद भी छात्र–छात्राओं के लिए बहुत कुछ सुविधाएँ इस महाविद्यालय मे है तथा सत्र 2016–2017 में 416 एवं 2017–2018 में 520 छात्र–छात्राएँ उत्साह के साथ महाविद्यालय में अध्ययनरत है।

सत्र 2016–2017 में महाविद्यालय के छात्र संघ पदाधिकारी अध्यक्ष–कु. नदिनी धनकर (बी.एस–सी. अंतिम), उपाध्यक्ष–चन्द्रभान (बी.ए. भाग दो), सचिव–चुरेन्द्र कुमार (बी.एस–सी. अतिम) एवं सहसचिव–अनिल कुमार (बी.ए. अंतिम), वर्ष 2017–2018 में अध्यक्ष कु. चन्द्रकान्ता, उपाध्यक्ष कु. नाहिद खातुन अंसारी, सचिव

जयपाल, सहसचिव कु. हेमलता एवं कक्षा प्रतिनिधियों एवं प्राचार्य के साथ महाविद्यालय के विकास के लिए समन्वय बनाकर निरंतर प्रयासरत हैं और छात्र–छात्राओं की समस्याओं को यथासंभव निराकरण करने का प्रयास कर रहे हैं।

1. **ग्रन्थालय** – महाविद्यालय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान स्नातक की पुस्तकें पर्याप्त संख्या में छात्र–छात्राओं के अध्ययन के लिए ग्रन्थालय में उपलब्ध हैं। वर्तमान में ग्रन्थालय में कुल पुस्तकों की संख्या 6443 है। साथ ही महाविद्यालय मे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं बी.पी.एल. छात्र–छात्राओं के लिए भी बुक बैंक की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त ग्रन्थालय में पी.एम.टी., साहित्य, कम्प्युटर से संबंधित पुस्तकें, महापुरुषों की जीवनी से संबंधित पुस्तकें भी उपलब्ध है। महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिए प्रतियोगिता दर्पण, रोजगार समाचार, रोजगार नियोजन जैसे रोजगार पत्रिका की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही दैनिक समाचार पत्र (नवभारत, दैनिक भास्कर, पत्रिका, हितवाद, नई दुनिया) आदि भी ग्रन्थालय में उपलब्ध है।

2. **कम्प्यूटर कक्ष** – महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को ध्यान में रखते हुए एक कम्प्यूटर कक्ष बनाया गया है जिसमें 06 कम्प्यूटर से छात्र–छात्राओं को प्रतिदिन कक्षाओं के बाद कम्प्यूटर की कक्षाएँ, कक्षावार संचालित की जाती है। कम्प्यूटर का संचालन श्री एन. के. साकरे सहायक प्राध्यापक भूगोल एवं राहुल देव कुमार देवाँगन प्रयोगशाला परिचारक द्वारा किया जाता है। कम्प्यूटर कक्षा में छात्र–छात्राओं को कम्प्यूटर चलाना, विडोंज, आपरेटिंग सिस्टम, एम.एस.वर्ड, एम.एस.एक्सल, एम.एस. पावरपाइन्ट, फाक्सप्रो, टैली आदि की जानकारी देकर उन्हें सिखाया जाता है।

3. **प्रयोगशाला** – महाविद्यालय में रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान विषय पर अलग–अलग प्रयोगशाला की व्यवस्था है, जहाँ पर विज्ञान संकाय के छात्र–छात्राएँ संबंधित प्राध्यापक, तकनीशियन एवं परिचारक के देखरेख में प्रायोगिक कार्य करते है, साथ ही कला संकाय में भूगोल विषय का प्रयोगशाला है जहाँ छात्र–छात्राएँ संबंधित प्राध्यापक की उपस्थिति में प्रायोगिक कार्य करते हैं।

4. **खेलकूद** – महाविद्यालय में खेल विभाग सचालित है जिसके प्रभारी सहायक प्राध्यापक श्री एन. के. साकरे हैं। इनके नेतृत्व में सत्र 2016–2017 में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न महाविद्यालयों में जाकर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किये। शासकीय पंडित जवाहर लाल नेहरु कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा में महाविद्यालय की छात्रा खो–खो टीम ने प्रतिनिधित्व की। इसी प्रकार मनसा शिक्षा महाविद्यालय भिलाई में महाविद्यालय से छात्र कबड्डी की टीम ने प्रतिनिधित्व किया। सेक्टर स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में महाविद्यालय से छात्र–छात्रा दोनों स्तर के प्रतिभागी भाग लिये, जिसमें 400 मीटर दौड़ में कु. सीमा नुरेटी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय की गौरव बढ़ाई है। इसके अतिरिक्त वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न खेलों (दौड़, बैडमिंटन, खो–खो, व्हालीवॉल, शतरंज, कैरम, कुर्सीदौड़, स्लो सायकल प्रतियोगिता) में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिये हैं। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को वार्षिक स्नेह सम्मेलन में मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

5. **राष्ट्रीय सेवा योजना** – महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई, जुलाई 2013 से नियमित रुप से श्री व्ही. के. कोमा कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में सचालित हो रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना में छात्र–छात्राओं की पंजीकृत संख्या 100 है, अब तक 60 छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से बी प्रमाण पत्र एवं 03 छात्रों को सी प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। सत्र 2016–2017 में कुल 108 छात्र–छात्राऐं पंजीकृत है जिसमें 25 छात्र–छात्राऐं बी प्रमाण पत्र एवं 01 छात्र व 01 छात्रा सी प्रमाण पत्र के लिए पंजीकृत है। राष्ट्रीय सेवा योजना में छात्र–छात्राओं द्वारा प्रति शनिवार एवं अवकाश के दिनों में नियमित गतिविधियों का कार्य किया जाता है जिसके अन्तर्गत छात्र–छात्राऐं महाविद्यालय परिसर की साफ–सफाई, वृक्षारोपण, रोपित पौधों की देखभाल, बौद्धिक परिचर्चा, अतिथि व्याख्यान, रैली एवं खेलकूद के माध्यम से छात्र–छात्राओं का बौद्धिक विकास किया जाता है तथा दूसरी ओर 01 दिवसीय शिविर एव 07 दिवसीय शिविर के माध्यम से छात्र–छात्राओं को ग्रामीण परिवेश से रुबरु होने का अवसर मिलता है। महाविद्यालय द्वारा चयनित गोदग्राम खैरवाही में 01 दिवसीय शिविर दिनॉक 05 नवम्बर 2016 को आयोजन किया जा चुका है।

सत्र 2016–2017 में 03 छात्रों हेमन्त कुमार (बी.एस–सी. अंतिम), राहुल कुमार (बी.ए. भाग दो) एवं ओमकार (बी.ए. भाग दो) ने स्वैच्छिक रक्त दान देकर महाविद्यालय का मान बढ़ाया है। छात्र हेमन्त कुमार (बी. एस–सी. अंतिम) ने राष्ट्रीय एकता शिविर एवं प्रवासी भारतीय दिवस (03 से 09 जनवरी 2017) बेंगलुरु में आयोजित शिविर में भाग लेकर एवं छात्रा कु. जैत्री (बी.ए. भाग दो) ने बाकुरा (पश्चिम बंगाल) में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर (07 से 13 फरवरी 2017) में भाग लेकर महाविद्यालय का नाम रौशन किया।

6. **रेड रिबन क्लब** – महाविद्यालय में हाल ही में रेड रिबन क्लब का प्रारम्भ किया गया है। रेड रिबन क्लब के अन्तर्गत 10 से 20 छात्र–छात्राओं का एक समूह बना है जो एड्स जागरुकता का प्रचार प्रसार महाविद्यालय स्तर पर एवं ग्रामीण स्तर पर करते हैं।

7. **अतिरिक्त भवन निर्माण** – महाविद्यालय में सत्र 2016–2017 में शासन द्वारा एक करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय में 06 कमरों का अतिरिक्त भवन का निर्माण हुआ है। जिसमें पुस्तकालय, वॉचनालय के साथ–साथ कला संकाय की कक्षाएँ संचालित हो रही है।

8. **रुसा** –रूसा के अंतर्गत दिनॉक–05.10.2016 को महाविद्यालय में माननीय कलेक्टर महोदय श्री राजेश सिंह राणा एंव डॉ. राघवेश पांडे (रूसा प्रभारी) शास. घनश्याम सिंह गुप्त स्ना. महा.वि. बालोद की गरिमामय उपस्थिति में तथा प्रभारी प्रचार्य डॉ. यू. के. मिश्र की अध्यक्षता में ''नई दिशायें'' कार्यक्रम का आयोजन हुआ इसके अन्तर्गत छात्र–छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हम कैसे करें, जिससे हमें सफलता मिले पर व्याख्यान हुआ। ''नई दिशायें'' के अंतर्गत महाविद्यालय में प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी संबंधी मार्गदर्शन मनीष कुमार साहू के द्वारा दिया गया।

9. इस वर्ष रुसा के अन्तर्गत महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 29 दिसम्बर 2016 को किया गया जिसमें विशेष आमंत्रित वक्ता –

डॉ. एस. व्ही. के. प्रसाद ''प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय पखान्जूर''

डॉ.आर.के.ठाकुर''प्रभारी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय एल.बी.नगर राजनांदगॉव''

डॉ. श्रीमती हेमा कुलकर्णी ''रुसा प्रभारी शासकीय महाविद्यालय दल्लीराजहरा''

10. **रुसा द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन** – जिसमें विशेष आमंत्रित वक्तागण –

डॉ. भूमिराज पटेल ''शास. महा. भानुप्रतापपुर'' 31 जनवरी 2017, स्वच्छता मिशन।

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ''शास.महा.दल्लीराजहरा''13 फरवरी 2017, वाणिज्य में सेवा के अवसर।

डॉ. जी. एस. ठाकुर ''शास. वि. या. ता. स्वसाशी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग''

07 फरवरी 2017, वंशानुक्रम के प्रभावी कारक।

प्रो. अरुण कुमार व्ही ''शास. महा. नारायणपुर'' 01 मार्च 2017, अंग्रेजी भाषा की तैयारी।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. उमाकान्त मिश्र, डॉ. श्रीमती गिरिजा पटैला ''सहा. प्राध्यापक रसायन शास्त्र'' रुसा प्रभारी, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राओं के सहयोग से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

11. **वार्षिक प्रतिभा सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम** – 06 जनवरी 2017 मुख्य अतिथि राजमाता श्रीमती फुलवा देवी, विशेष अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा (दुर्ग), अध्यक्षता डॉ. उमाकान्त मिश्र प्रभारी प्राचार्य, महाविद्यालय के स्टाफ एवं डौण्डी नगर के गणमान्य नागरिक, प्रतिनिधिगण तथा पत्रकार व छात्र–छात्राओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विनोद कुमार कोमा सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र
खोमेश्वर साहू प्रयोगशाला तकनीशियन

अनुभूति

शंकर पिपरे
सदस्य जनभागीदारी समिति

पीयुष सोनी
सदस्य जनभागीदारी समिति

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी के प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र जी के अथक प्रयास से महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं की शैक्षणिक व मानसिक विकास के लिए किये गये अनेक कार्यो में से एक कार्य महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करवाना। महाविद्यालय परिवार के लिए एक रोचक विषयवस्तु है। विगत 10 वर्षो के बाद में किया गया एक सफल एवं उद्देश्य पूरक कार्य है।

इस पत्रिका के माध्यम से हम मांझी जी के एवं महाविद्यालय के महत्वपूर्ण तथ्यों को ज्यादा से ज्यादा जान सकेंगे। महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं को हमारी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएँ।

–: छात्र संघ पदाधिकारियों की सूची सत्र 2016–2017 :–

अध्यक्ष
कु.नंदिनी धनकर
बी.एस–सी. 03

सचिव
चुरेन्द्र कुमार
बी.एस–सी. 03

उपाध्यक्ष
चन्द्रभान
बी.ए. 02

सहसचिव
अनिल कुमार
बी.ए. 03

कक्षा प्रतिनिधि
हेमन्त कुमार
बी.एस–सी.03

कक्षा प्रतिनिधि
अमित कुमार
बी.एस–सी.02

कक्षा प्रतिनिधि
अंकित कुमार
बी.एस–सी.01

कक्षा प्रतिनिधि
कु.प्रीति लाटिया
बी.कॉम–01

कक्षा प्रतिनिधि
कु.कविता
बी.ए. 03

कक्षा प्रतिनिधि
राहुल कुमार
बी.ए. 02

कक्षा प्रतिनिधि
भूपेन्द्र कुमार
बी.ए. 01 'अ'

कक्षा प्रतिनिधि
कु.मधुबाला
बी.ए. 01 'ब'

–: छात्र संघ पदाधिकारियों की सूची सत्र 2017–2018 :–

अध्यक्ष
कु.चन्द्रकांता गौर
बी.एस–सी. 03

सचिव
जयपाल
बी.ए. 02

उपाध्यक्ष
नाहिद खातून अंसारी
बी.एस.सी. 02

सहसचिव
हेमलता
बी.ए. 01

कक्षा प्रतिनिधि
राहुल कुमार
बी.ए. 03

कक्षा प्रतिनिधि
हेमलता
बी.ए. 02

कक्षा प्रतिनिधि
भूपेश्वरी
बी.ए. 01 'अ'

कक्षा प्रतिनिधि
प्रीति लाटिया
बी. कॉम–02

कक्षा प्रतिनिधि
हीना परवीन बी.एस–सी.03

कक्षा प्रतिनिधि
प्रभा साहू बी.एस–सी. 02

कक्षा प्रतिनिधि
हेमा धनकर बी.एस–सी.01

कक्षा प्रतिनिधि
झलेन्द्र कुमार बी.कॉम–01

कक्षा प्रतिनिधि
चन्द्रशेखर बी.ए. 01 'ब'

छात्रसंघ अध्यक्ष – प्रावीण्य सूची के आधार पर छात्रसंघ अध्यक्ष के रुप में सेवा का अवसर मिला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. उमाकान्त मिश्र के प्रयास से शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में क्षेत्र के अवकाश प्राप्त आई.जी. श्री रवीन्द्र भेड़िया एवं स्नेह सम्मेलन में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. आर.पी. अग्रवाल – दुर्ग विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रेरणास्पद उद्बोधन सुनने का अवसर सभी छात्र–छात्राओं को मिला – सबके प्रति बहुत–बहुत आभार।

कु. चन्द्रकान्ता गौर (बी.एस–सी. अंतिम)

छात्र संघ अध्यक्ष की अभिव्यक्ति....

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं एवं शुभचिन्तकों का मांझी पत्रिका के प्रकाशन पर मैं सबका स्वागत करती हूँ। मैं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र सर का हृदय से धन्यवाद देती हूँ जिनके मन में पत्रिका प्रकाशन करने का विचार आया और महाविद्यालय में पत्रिका का प्रकाशन होने जा रहा है। मैं समस्त गुरुजनों ,नागरिक गणों और मेरे महाविद्यालय के समस्त भाईयों एवं बहनों का हृदय से अभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने अपना पूर्ण सहयोग दिये हैं। मैं महाविद्यालय के छात्रसंघ के पदाधिकारियों, कक्षा प्रतिनिधि एवं मनोनित छात्र–छात्राओं के साथ समस्त छात्र–छात्राओं के प्रति हृदय से आभार प्रकट करती हूँ, जो मेरा हितैशी बनकर हर मोड़, हर मुकाम पर साथ देते हैं और महाविद्यालय के सम्पूर्ण कार्यक्रम में मेरा समर्थन करते हैं।

मैं समस्त अतिथियों आगंतुक नागरिकजनों को भी धन्यवाद देती हूँ। जो समय–समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हैं और हमें सेवा का अवसर प्रदान करते हैं। जिन छात्र–छात्राओं ने छात्र कल्याण के लिए मुझे छात्रसंघ अध्यक्ष के पद पर लाये और सेवा करने का अवसर प्रदान किये है उन्हें मैं धन्यवाद देती हूँ। महाविद्यालय के छात्र संघ के प्रयासों से महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

यह महाविद्यालय पिछले 10 वर्षों से संचालित है, लेकिन अभी तक यहाँ कम्प्यूटर की कक्षा नहीं होती थी। लेकिन इस वर्ष प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र के प्रयास द्वारा कम्प्यूटर की कक्षा प्रारम्भ की गई जिसमें श्री एन. के. साकरे सहायक प्राध्यापक भूगोल एवं श्री राहुल देव कुमार देवॉगन प्रयोगशाला परिचारक की सक्रियता से छात्र–छात्राओं को लाभ मिल रहा है। इस वर्ष पुस्तकालय में वाचनालय की व्यवस्था की गई है जिसमें महाविद्यालय के समय सारणी में विद्यार्थी अपना समय देकर विभिन्न पत्रिका, उपन्यास का अध्ययन करते हैं। जिससे छात्र–छात्राओं की साहित्यिक प्रतिभा उभर पाएगी ।

चूंकि हमारा महाविद्यालय खेल के क्षेत्र में काफी पिछड़ गया था। लेकिन इस वर्ष श्री एन. के. साकरे सहायक प्राध्यापक (भूगोल) की प्रेरणा से महाविद्यालय खेल क्षेत्र में सफल हो रहा है। हमारा महाविद्यालय एक संयुक्त परिवार की तरह है जहाँ किसी से भेद–भाव किये बिना मिल जुलकर एकता से रहते हैं। मैं बहुत खुशनसीब हूँ कि मुझे इस परिवार का सदस्य बनने का अवसर मिला क्योंकि मुझे अपने महाविद्यालय परिवार से बहुत ज्यादा लगाव है। यहाँ प्यार और ज्ञान का भण्डार है और हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मेरा इस महाविद्यालय में तीसरा वर्ष है और मुझे एक बार भी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि काश मैं दूसरे महाविद्यालय में पढ़ी रहती। इस परिवार ने मुझे बहुत प्यार दिया, मुझे इससे अलग होने का गम रहेगा।

आज के इस भौतिक वातावरण में ऐसा माहौल मिलना मुश्किल है। मैं महाविद्यालय के सभी भाईयों एवं बहनों से उम्मीद करती हूँ कि वे इस एकता को हमेशा बरकरार रखते हुए इस महाविद्यालय परिवार को अच्छा माहौल देंगे ।

इन्हीं आशाओं के साथ –जय हिन्द ! जय छत्तीसगढ़ ।

कु. नंदिनी धनकर, बी.एस–सी. भाग – 3

उद्‌गार

सर्वप्रथम मै महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने हमे महाविद्यालय के विकास एवं छात्रों की सेवा करने का अवसर छात्रसंघ सचिव के रुप मे प्रदान किया । हमने अपने प्रयासों से जितना हो सका इस महाविद्यालय के विकास के लिये कार्य करने का प्रयास किया है, परन्तु अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। इस महाविद्यालय में इस सत्र में कुछ ऐसे कार्य किये हैं जिन्हें हम कभी नही भुला पाएँगे और ये कार्य ऐसे हैं जिनमे सभी छात्र–छात्राएँ बहुत ही अच्छे एवं अनुशासित रहकर कार्य किये हैं। महाविद्यालय के विकास हेतु लिये गये फैसलों पर अमल करते तथा पढ़ाई के साथ–साथ विविध कार्यक्रम मे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

हमारे संस्था प्रमुख प्राचार्य प्रो. (डॉ.) यू. के. मिश्र सर का भी मैं आभार व्यक्त करना चाहूँगा, जिन्होंने कदम–कदम पर हमारा साथ दिये एवं हमेशा महाविद्यालय के विकास के बारे में सोचते हैं।

इस सत्र महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम व विकास के मार्ग में उठाए गए कदम निम्न हैं –

1. हमारे महाविद्यालय में आज तक कोई पत्रिका प्रकाशित नही हुई थी पर हमारे कर्मठ प्राचार्य एवं सभी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन से हमें अपनी बात रखने का इस मांझी पत्रिका के माध्यम से सौभाग्य मिला।
2. महाविद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण किया गया।
3. महाविद्यालय में पेयजल की समस्या के निदान हेतु सरकार द्वारा नये बोर खनन का घोषणा किया गया।
4. महाविद्यालय मे 1 करोड़ रूपये की लागत से अतिरिक्त भवन में छः कमरों का निर्माण कार्य हुआ।
5. छात्र–छात्राओं हेतु प्रतियोगी पत्रिका, सामान्य अध्ययन, रोजगार समाचार एवं कई रोचक पुस्तकों की व्यवस्था ग्रंथालय में किया गया है।
6. छात्र एवं छात्राओं को प्रयोगशाला में सरलतापूर्वक प्रयोग करने के लिये प्राणी शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में लैब अटेन्डेन्ट की भर्ती की गई।
7. महाविद्यालय में खेल क्षेत्र को बढ़वा देने हेतु सरकार द्वारा खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई।
8. महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं की माँगों को लेकर कैंटिन की सुविधा कराई गई।
9. महाविद्यालय परिसर में वाईफाई कनेक्शन उपलब्ध कराया गया जिसका लाभ बहुत जल्द छात्र–छात्राओं को मिलने वाला है।

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा हमें दिये गये अवसर पर हमने पूरे तन मन से महाविद्यालय की विकास में सहयोग किया। हमने तो बस शुरूआत की है। अभी और विकास के लिये बहुत कुछ करना बाकी है।

मुझे विश्वास है कि इस महाविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी महाविद्यालय के नाम को एक नये मुकाम तक पहुँचायेंगे। इन्हीं आशाओं के साथ.....

चुरेन्द्र कुमार, बी.एस–सी. भाग – 3
छात्र संघ सचिव

–: महान कंगला मांझी :–

मैं उस महापुरूष के बारे मे लिखना चाहता हूँ। जिनके नाम से हमारा महाविद्यालय संचालित है..... श्री कंगला मांझी जी.....

कंगला मांझी छत्तीसगढ़ के आदिवासी नेतृत्व के उदीयमान नक्षत्र थे। उनका नाम सम्माननीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के रूप मे लिया जाता है। कंगला मांझी एक मात्र ऐसे नेता थे जो तात्कालीन सी. पी. एण्ड बरार (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र) से अंग्रेजों के विरूद्ध खड़ा किया।

कंगला मांझी ने अपने युवावस्था में सन् 1913 से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े एवं एक वर्ष में ही जंगलों से अंग्रेजों द्वारा हो रहे दोहन के विरूद्ध आदिवासियों को खड़ा कर दिया। सन् 1914 में बस्तर में अंग्रेज विरोधी गतिविधियों से चिंतित होकर, अंग्रेज सरकार ने आदिवासियों के आंदोलन को दबाने का प्रयास किया, पर कंगला मांझी के अनुरोध पर कांकेर रियासत की तत्कालीन राजमाता ने आदिवासियों का साथ दिया और अंग्रेजों को पीछे हटना पड़ा। कंगला मांझी लगातार जंगलों व बीहड़ों में अपने लोगों के बीच आदिवासियों को संगठित करने में लगे रहें।

सन् 1914 में उन्हें अंग्रेजों के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। कंगला मांझी के लिए यह गिरफ्तारी वरदान सबित हुई, इस अवधि में उनकी मुलाकात गाँधी जी से हुई और वे गाँधी जी के अहिंसा नीति से प्रभावित हो गये। सन् 1920 में पुनः जेल में गाँधी जी से उनकी मुलाकात हुई और इसी समय बस्तर की रणनीति तय की गयी। महात्मा गाँधी से प्रेरणा लेकर कंगला मांझी ने अपने शांति, सेना के दम पर आंदोलन चलाया और बस्तर के जगलों मे अंग्रेजों को पाँव धरने नही दिया। वे मानते थे कि देश के असल शासक गोंड़ हैं। कंगला मांझी के सैनिक वर्दी में रहते हैं लेकिन रास्ता महात्मा गांधी का ही अपनाते हैं, उनका कहना था मानव का कार्य समाज के रक्षा के लिये मर मिटना है।

चुरेन्द्र कुमार, बी.एस–सी. भाग – 3

–: मेरा हिन्दुस्तान :–

जहाँ सदैव बहती है गंगा, जमुना, सरस्वती,
जहाँ पक्षी सुनाते हैं सदैव शहीदों की गाथा।
जहाँ लहराती है सदैव तिरंगा झण्डा, जो गौरव का है चिन्ह हमारा।
जहाँ हरी–भरी सी हरियाली है, जहाँ मातृत्व का पाठ पढ़ाती है।
जहाँ धर्म की गंगा बहती है, जहाँ एकता का वास है।
जहाँ अतिथि भगवान होता है, ऐसा हमारा हिन्दुस्तान है।

कु. डिकेश्वरी कोर्राम,
बी.ए. भाग – 2

व्यक्तित्व के धनी क्रांतिवीर कंगला मांझी के प्रमुख सिद्धांत वाक्य

आदिवासी समाज में शिक्षा के अभाव को दूर करने के लिए दूर दृष्टि का परिचय देते हुए कंगला मांझी जी ने कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांतों के रुप में मार्गदर्शन दिये हैं जिनमें कुछ प्रमुख सिद्धांत प्रस्तुत है –

1. एकता रखना और मिलकर रहना।
2. गोंडवाना पद्धति से विवाह करना और बालविवाह नहीं करना।
3. हिंसा रहित पूजा, देव पूजा करना, बली नहीं देना।
4. बच्चों के जन्म पर गाँव भर को भोजन नहीं देकर पाँच गरीब बच्चों को भोजन कराना।
5. विधवा विवाह में लेनदेन नहीं करना, एक घर में दो मौत होने पर एक ही मृत्यु भोज की व्यवस्था करना ।

मांझी जी के अनुसार नशा मुक्त रहकर अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए आदिवासियों को निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए। क्रांतिवीर कंगला मांझी ने आदिवासियों के हित में कर्तव्य पाठ पढ़ाते हुए एक पर्चा निकाला जिसमें मांझी जी की उदात्त कल्पना मूर्त हो उठी है –

1. अपने धर्म का आदर करें और उसका पालन करें।
2. सुख शांति फैलाने हेतु तत्पर रहें।
3. असहाय बूढ़े, बच्चों की सहायता करें।
4. पूज्यजनों का आदेश माने।
5. अपने देश व राज्य के लिए तन मन धन न्योछावर करें।
6. अपना चरित्र पवित्र रखें।

इस प्रकार स्पष्ट है कि कंगला मांझी अनुशासन, कर्तव्य पालन के साथ–साथ संगठन की अद्भुत क्षमता रखने वाले क्रांतिवीर ने तीरकमान का सहारा लेकर जंगली क्षेत्र में स्वतंत्रता आंदोलन के नये अध्याय की शुरुआत की। स्वार्थ से ऊपर उठकर बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के माध्यम से परमार्थ के लिए वे जीवन जीते रहे। आज भी उनका व्यक्तित्व और उनके संस्कार की छाप राजमाता श्रीमती फुलवा देवी और उनके पुत्र–पुत्रियों में देखा जाता है। दिल्ली के कार्यालय में रहकर भी ग्रामीण क्षेत्रों के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ है उनकी पुण्य तिथि पर 05 दिसम्बर को ग्राम बघमार में 03 दिनो तक आयोजित महासम्मेलन में दूर–दूर से आदिवासी सैनिक एवं भक्त आते हैं और कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

मुकेश कुमार डहरवाल "राजनीति शास्त्र"
अतिथि व्याख्याता

डौण्डी अँचल में पाये जाने वाले कुछ औषधीय पौधे

'हिता हितं सुखं दुःखं आयुष तस्य हिता हितम
मान च तच्य यत्रोक्तम आयुर्वेदः स उच्यते'

परिचय :– आयुर्वेद हमें हमारी सहज प्रकृति को संजोना सिखाता है – "हम जो हैं उससे प्रेम करना उसका सम्मान करना" वैसे नहीं जैसा लोग सोचते हैं या कहते हैं हमें क्या होना चाहिए। प्राचीन भारतीय संस्कृति की विरासत "आयुर्वेद" विश्व की प्राचीनतम् चिकित्सा प्रणाली में से एक है वर्तमान आधुनिक व उन्नत चिकित्सा प्रणाली की मौजूदगी ने भी आयुर्वेद के महत्व को कम नहीं किया है। डौण्डी के ग्रामीण अँचल व यहाँ के आस पास के ग्रामों में बहुत से ऐसे पौधे हैं जिनका औषधीय महत्व है यहाँ के ग्रामीण इन पौधों का उपयोग रोजमर्रा की जिंदगी में करते हैं इन पौधों के महत्व को समझते हुए हमारी टीम द्वारा डौण्डी क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में पाए जाने वाले कुछ औषधीय गुणों से युक्त पेड़.पौधे एंव उनके महत्व का वर्णन यहाँ किया गया है।

S.no	Photograph of plant	Botanical name	Medicinal use
1.		**Bryophyllum pinnatum (Family-Crassulaceae) COMMON NAME-** *पत्थरचट्टा*	आयुर्वेद में पत्थरचट्टा– प्रोस्टेट ग्रंथि और किडनी स्टोन (पथरी) से जुड़ी समस्याओं के इलाज की औषधि है।
2.		**Ricinus communis (Family-Euphorbiaceace) COMMON NAME-** *अरण्ड*	इनके तेल का उपयोग बालों से जुड़ी समस्याओं के लिए किया जाता है। स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या जैसे जोड़ों का दर्द,त्वचा रोग और कब्ज जैसी समस्याओं में भी इसका प्रयोग किया जाता है।
3.		**Ocimum sanctum (Family-Labiatae) COMMON NAME-** *तुलसी*	तुलसी के पत्तियों का उपयोग सर्दी, खाँसी आदि में किया जाता है।
4.		**Thevetia nerifolia (Family-Apocynaceae) COMMON NAME-** *कनेर*	कनेर के पत्ते से गंजेपन का सफल इलाज किया जाता है। इनकी जड़ों से एक औषधि तैयार की जाती है जिसका उपयोग मानसिक रोगों के उपचार के लिए किया जाता है।
5.	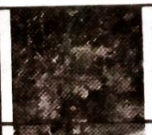	**Cassia tora (Family-Fabacae) COMMON NAME-** *चरोटा*	इनके बीजों का उपयोग रोगों के उपचार मे तथा सौन्दर्य प्रसाधन में किया जाता है।
6.		**Aloe vera (Family-Liliaceae) COMMON NAME-** *घीक्वार*	इसका उपयोग लैक्जेटीव बनाने में किया जाता है। यह बवासीर एंव भगन्दर के उपचार में उपयोगी होती है।

7.		**Cassia fistula (Family-Fabacae) COMMON NAME-** *अमलतास*	इस पादप का उपयोग कब्जियत की स्थिति में प्रयोग किया जाता है।
8.		**Citrus aurantifolia (Family-Rutaceae) COMMON NAME-** *नींबू*	इनके फल खाने योग्य तथा विटामिन 'सी' से भरपूर होते हैं।
9.		**Azadiracta indica (Family-Mediaceae) COMMON NAME-** *नीम*	नीम के वृक्ष की छाल का प्रयोग मलेरिया बुखार की रोकथाम के लिए किया जाता है। इसके छाल का रस निकालकर गठिया के उपचार के लिए टॉनिक के रूप में उपयोग किया जाता है। नीम के और भी कई औषधीय गुण हैं।
10.		**Curcuma longa (Family-Zingiberaceae) COMMON NAME-** *हल्दी*	हल्दी में अनेक प्रतिजैविक गुण होते हैं। हल्दी का चूर्ण वातहर कफोत्सारक होता है जो अनेक रोगों के लिए लाभदायक होता है।
11.		**Tagetes (Family-Asterceae) COMMON NAME-** *गेंदा*	गेंदे का पौधा प्रतिजैविक गुणों वाला पौधा है। इसके फूलो का रस चोट और दर्द मे राहत देता है। अल्सर, पेट दर्द, आँख के संकमण में भी राहत देता है।
12.		**Eucalyptus (Family-Myrtaceae) COMMON NAME-** *नीलगिरी*	पत्तियों से निकाले गए तेल बालों व त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। अस्थमा के दौरा पड़ने पर तेल सुंघाने व छाती पर मलने पर फायदा होता है।
13.		**Acacia nilotica (Family- Fabaceae) COMMON NAME-** *बबूल*	पत्तियों का उपयोग बुखार मधुमेह, डायरिया और आँखों से पानी आने पर किया जाता है।
14.		**Solanum xanthocarpum (Family-Solanacae) COMMON NAME-** *भटकटैली*	आँखो के दर्द एव सिरदर्द, दातो के दर्द मे कंटेरी को जलाकर धुआ लेने से आराम मिलता है।
15.		**Dhatura alba (Family-Solanacae) COMMON NAME-** *धतूरा*	धतुरा के बीजों का धुम्रपान, अस्थमा में लाभकारी है। इसके बीज का उपयोग दवा के रूप में पागल कुत्ते के काटने पर, कान बहने पर तथा गर्भपात के लिये करते हैं। जड सुघाने से मिर्गी शांत हो जाती है ।

16.		**Emblica officinalis** **Family- Euphorbiaceae** **COMMON NAME-*आँवला***	इसके फल का उपयोग त्रिफला बनाने मे किया जाता है। फलों का उपयोग आचार एव मुरब्बा बनाने मे किया जाता है।
17.		**Calotropis procera** **(Family- Asclepiadaceae)** **COMMON NAME-*मदार***	इसके लेटेक्स का औषधीय महत्व होता है। सभी भाग औषधि के रूप में उपयोगी होते हैं। जड़ का उपयोग कोढ़ एवं कफ के इलाज में प्रयुक्त होता है।
18.		**Andrographis paniculata** **(Family- Acanthaceae)** **COMMON NAME-*कालमेघ***	इसकी जड़ों से टॉनिक तैयार किया जाता है जिसका प्रयोग आमाशयिक रोगों के उपचार मे किया जाता है। पौधे का रस यकृत के रोगों तथा पीलिया के उपचाार के लिये काम आता है जड़ें तथा पत्तियां विशेष रूप से ज्वर में काम आती है।
		Eclipta prostrate **(Family- Asteraceae)** **COMMON NAME-*भृंगराज***	पेट खराब हों तो भृंगराज की पत्तियों का रस या चूर्ण 10 ग्राम लीजिए उसे एक कटोरी दही में मिलाकर खायें। यह मानसिक तनाव दूर करता है। आँखों को स्वास्थ्य बनाता है।
20.		**Argemone Mexicana** **(Family- Papavcraceae)** **COMMON NAME-*आर्जीमोन***	किडनी के दर्द में एवं मलेरिया में उपयोगी होता है।
21.		**Ziziphus mauritiana** **(Family-Rhamnaceae)** **COMMON NAME-*बेर***	तनाव से मुक्ति, नींद, खून साफ करता है एवं वजन बढाता है। जड अल्सर व पुराने घावों के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है।
22.		**Carissa carandas** **(Family- Apocyanaceae)** **COMMON NAME-*करोंदा***	प्रचुर मात्रा में आयरन है इसलिए एनीमिया के उपचार मे प्रयोग किया जाता है। ब्लडशुगर को नियंत्रित करता है।
23.		**Terminalia chebula** **(Family- Combretaceae)** **COMMON NAME-*हर्रा***	खाँसी, त्रिफला बालों के लिए और मुँह साफ करने के लिए तथा पेट दर्द के उपचार में किया जाता है।
24.		**Vinca rosea** **(Family-Apocynaceae)** **Common name- *सदाबहार***	इनकी 3–4 कोमल पत्तियों को चबाकर रस चुसने से मधुमेह रोग से राहत मिलती है। इसका उपयोग कैंसर के उपचाार में भी किया जाता है।

निष्कर्ष :– उपर्युक्त दिये गये पौधे औषधीय गुणों वाले पौधे हैं। जो हमारे डौण्डी अंचल के आसपास के क्षेत्रों में पाये जाते हैं। इन पेड़ पौधों का उपयोग कई प्रकार की बीमारियों के निदान हेतु उपयोग में लाया जाता है। हमारी सर्वेक्षण टीम के द्वारा 125 पौधों का फोटोग्राफ लिये गये थे। जिसमें से केवल 24 पौधे ही हैं। इन औषधीय पौधों के महत्व को देखते हुए इनके संरक्षण हेतु विशेष ध्यान दिया जावे। हमारे गाँव के बुजुर्गों द्वारा दी गयी जानकारी तथा किताबों के अनुसार इन पौधों का उपयोग रोगों के उपचार हेतु किया जाता है।

परियोजना निर्देशक – डॉ. श्रीमती चारूलता फिलिप
'वनस्पति विज्ञान विभाग''

इस परियोजना का कार्य शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी जिला बालोद छत्तीसगढ़, के बी.एस–सी (तृतीय वर्ष) के छात्र–छात्राओं द्वारा किया गया है। जिनके नाम अग्रलिखित है– भीकेश कुमार, भूपेन्द्र कुमार, कु. चित्ररेखा रावटे, हेमंत कुमार, कु. जमुना भुआर्य, कु. ललिता मसियारे, मुकेश कुमार, कु. नंदिनी धनकर, कु. पूनम भुआर्य, कु. रीना कोरेटी, कु. श्वेता ठाकुर, कु. तुकेश्वरी रावटे ।

बी.एस–सी. भाग – 03

–: क्रांतिवीर कंगला मांझी रचित गीत :–

देवगनों का देश हमारा, झंडा ऊँचा रहे हमारा ।।
पाँच देव मथ पैदा आवे, पाताल लोक से मिट्टी लावे ।।
पाँच देव मिल मथिन किये है, देव अंग से मौत निकाले हैं ।।
जागो प्यारे वीर गोंडवाना ।।
देव शला लेख सीमा पहाड़, बहती नदी और गिरता फूल ।।
मुख संग्रामपुर पड़की पहाड़, खण्डहरों में पैदा आये है ।।
यही है सुन्दर देश हमारा ।।
पुत्र बनाकर पैदा किये है, यही भूमि में कई वीर हुए है ।।
यही वीर संसार को तारन किये है, सारे भारत में गूंज किये है ।।
भारत वीरों का है यह नारा ।।
भगवान आयें बावन अंवतारा, भिल्ल आये देवगन अंवतारा ।।
आदि शक्ति ने वचन दिया है, आशीर्वाद हमें ही मिला है ।।
तभी पाये भारत देश हमारा ।।
आओ देवी वीरों आओ, आदि शक्ति का मान बढ़ाओ ।।
बड़ा देव में प्रेम लगाओ, विश्व विजय करके दिखलाओ ।।
झंडा ऊँचा रहे सारे संसारा ।।
देवगनों का देश हमारा, झंडा ऊँचा रहे हमारा ।

संकलनकर्ता – राहुल देवाँगन

जीवन में खेलों की प्रासंगिकता

वर्तमान में हमारे देश में खेल शिक्षा को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता है यहाँ तक कि अभिभावक की सोच भी खेलों के प्रति सदा अच्छी नहीं रही है। जिसमें एक कहावत का प्रचलन है "पढ़ोगे लिखोगे बनोगे साहब, खेलोगे कुदोगे होगे खराब"। खेल शिक्षा को प्रायः सही अर्थों में प्रतिपादित नहीं किया जाता है। अक्सर शिक्षा जगत में खेल शिक्षा को ज्ञानार्जन एवं शोध में लगी शीर्ष संस्थाओं की तुलना में इसकी प्रासंगिकता कम हो सकती है। शिक्षा का उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास कर उसके व्यक्तित्व में निखार लाना होता है व्यक्तित्व का निर्माण, शारीरिक मानसिक और संवेदनशीलता से जुड़ा होता है ।

यह देखने को मिलता है कि जीव–जन्तु बचपन से ही खेल–खेल में जीवन जीने की कला सीखते हैं जो वयस्क जीवन शैली में आने वाले खतरों के लिए तैयार करती है तथा अपना जीवन सुरक्षित रुप से जी सके। यहाँ यह जानना आवश्यक है कि प्रायः सभी प्रकार के खेलों को खेलने के लिए कुछ नियम बनाये जाते हैं। खेल में भाग लेने वाले हर खिलाड़ी इन नियमों से बंध कर इसलिए खेलता है क्योकि यही अनुशासन है। खेल ही जीवन में अनुशासन, संयम, आपसी प्रेम, भाईचारा जैसे सामाजिक भावनाओं को बढ़ाता है।

आज भौतिकता की दौड़ में हर व्यक्ति अपना ज्यादा समय आर्थिक सृजन कार्य में लगाता है जिससे इनकी दिनचर्या काफी बदल गई है। जिसका परिणाम यह होता है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से कमजोर हो जाता है जल्दी थक जाता है जिसके सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ज्यादा लोग शुगर, बी.पी. जैसे कई तरह के रोग से ग्रसित हो जाते हैं। जिसके कारण अपनी पूंजी का एक बड़ा हिस्सा उस पर खर्च करना पड़ता है। गाँव व शहरों में बच्चे बचपन से तरह–तरह के खेल खेला करते हैं। जिससे वे बचपन से शारीरिक रुप से हृष्ट–पुष्ट होते है जिससे उनका रोग निरोधक क्षमता ज्यादा मजबूत होती है। वर्तमान में अभिभावक अपने बच्चों के लिए बचपन से यह प्लानिंग करते है कि बड़ा होकर मेरा बेटा डॉक्टर बनेगा, इंजीनियर बनेगा आदि–आदि। इसके चलते जब बच्चा बोलना शुरु करता है तो अभिभावक उसे ए फार एप्पल, डी फार डॉग, वन टू बोलना सीखाते हैं और तीन वर्ष हुआ कि बस्ता के बोझ तले बचपन को दबा दिया जाता है। स्कूल में टीचर भी यही दुहराते हैं घर पर होम वर्क देकर। इस तरह बच्चों का बचपन ही छिन जाता है व खेलना भूल जाते हैं। जिसका सीधा प्रभाव उसके शारीरिक व मानसिक विकास पर पड़ता है।

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय अपने दायित्वों को अच्छी तरह से समझता है इसलिए यहाँ एक पीरियेड खेलकूद का रखा गया है। इसमें नियमित रुप से हर कक्षा के बच्चों को खेल हेतु प्रेरित किया जाता है। शासन द्वारा आयोजित होने वाले सेक्टर, स्टेट एवं अन्य स्तर के खेल गतिविधियों में छात्र–छात्राओं को भाग लेने हेतु प्रेरित किया जाता है। हमारा महाविद्यालय उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी क्रीड़ा प्रतियोगिता संबंधी निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए अपने दायित्वों को बखूबी निर्वहन करते हुए छात्रों में खेल के प्रति रुचि जागृत करने समय सारणी में खेलकूद के लिए प्रति दिन एक घंटा का समय दिया है। प्रत्येक संकाय के लिए दो–दो दिन का समय क्रीड़ा प्रभारी द्वारा निर्धारित किया गया है उक्त समयावधि में क्रीड़ा गतिविधियों को सेक्टर/राज्य स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित होनी है के संबंध में खिलाड़ियों को आवश्यक जानकारी के साथ ट्रेनिंग दी जाती है।

इस सत्र में महाविद्यालय के छात्र/छात्रा खिलाड़ियों ने सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स, कब्बड्डी एवं खो–खो प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें कु. सीमा कुरेटी बी.एस–सी. भाग–1 के छात्रा का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। इसी तरह सभी प्रतिभागी खिलाड़ियो ने अपनी क्षमता के अनुरुप अच्छा प्रदर्शन किया । इसी प्रकार महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों के अन्तर्गत दिनाँक 22 एवं 23 दिसम्बर 2016 को महाविद्यालय की वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के ज्यादातर छात्र/छात्रा ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । खिलाड़ियो के सम्मान हेतु महाविद्यालय अपने दायित्वों को सजगता के साथ निर्वहन करते हुए दिनाँक 06 जनवरी 2016 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कर प्रतिभागी खिलाड़ियो को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

एन. के. साकरे, सहायक प्राध्यापक भूगोल एवं क्रीड़ा प्रभारी

राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरुआत नियमित रुप से प्रतिवर्ष जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में छात्रों के पंजीयन के साथ होता है। जैसे–जैसे छात्रों का पंजीयन महाविद्यालय में होता जाता है वैसे ही राष्ट्रीय सेवा योजना में भी स्वयं सेवकों का पंजीयन होता है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई में 100 छात्र–छात्राओं का पंजीकृत इकाई है। जिसमे छात्र–छात्राएँ पंजीकृत होते हैं। सत्र 2015–2016 में पंजीकृत छात्रों की संख्या 108 है जिसमें छात्र 44 एवं छात्राएँ 64 हैं। 108 पंजीकृत छात्र–छात्राओं में 36 छात्र–छात्राएँ "बी" प्रमाण पत्र के लिए पंजीकृत है। जबकि 01 छात्र एवं 01 छात्रा "सी" प्रमाण पत्र के लिए पंजीकृत हुए हैं।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्रति शनिवार एवं अवकाश के दिनों में नियमित गतिविधियों का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री व्ही. के. कोमा एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के.मिश्र के मार्गदर्शन में किया जाता है। नियमित गतिविधियों के अन्तर्गत वृक्षारोपण, पौधों की कटाई–छटाई, पौधों में पानी सिंचाई, महाविद्यालय के परिसर की साफ–सफाई, खेल, बौद्धिक परिचर्चा, समीक्षा बैठक, अतिथि व्याख्यान आदि कार्य किया जाता है। जिससे स्वयं सेवकों को शारीरिक एवं बौद्धिक विकास हो सके ।

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनाँक 12/08/2016 को गोद ग्राम खैरवाही में 50 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया, जिसमें महाविद्यालय के शिक्षकगण व 50 छात्र–छात्राएँ के साथ–साथ हाईस्कूल खैरवाही के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएँ के साथ ग्रामवासी उपस्थित हुए।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनाँक 15/08/2016 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात् प्रभारी श्री एन. के. साकरे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. श्रीमती गिरिजा पटैला, कार्यक्रम अधिकारी श्री व्ही. के. कोमा, अन्य शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं की उपस्थिति में 50 फलदार एवं छायादार पौधा का रोपण किया गया।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनाँक 05/09/2016 को डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रुप में मनाया गया। छात्र–छात्राओं द्वारा डॉ. राधाकृष्णन की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर शिक्षकों की उपस्थिति में शिक्षकों द्वारा डॉ. राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला गया। शिक्षक की महत्ता पर छात्र–छात्राओं द्वारा विचार व्यक्त किये तथा समस्त शिक्षकों को श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

दिनाँक 19/09/2016 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य युवा नीति पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रुप में श्री आर.आर. ठाकुर, खण्ड शिक्षा अधिकारी डौण्डी, शिक्षक श्री जी. आर. रावटे, कानूनविद श्री अनिल खोब्रागढ़े एवं युवा नेता श्री राकेश द्विवेदी जी उपस्थित हुए। अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य युवा नीति कैसी होनी चाहिए इस पर अपना विचार रखे साथ ही छात्र–छात्राओं से भी विचार विमर्श किया गया।

दिनाँक 24/09/2016 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं द्वारा गीत, भाषण प्रस्तुत किया गया, वही प्राध्यापकगण भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ समाज निर्माण में योगदान होता है।

दिनाँक 01/10/2016 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और रेडक्रास के संयुक्त तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया गया । इस अवसर पर डॉ. गोपी चन्द्राकर ने कहा कि हमें जिंदगी में एक बार अवश्य रक्तदान करना चाहिए और रक्तदान करने से रक्त की कमी नहीं बल्कि हमारे शरीर में नये रक्त का निर्माण होता है।

दिनाँक 02/10/2016 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं महाविद्यालयीन परिवार के संयुक्त तत्वाधान में गाँधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पूजा अर्चना कर गाँधी जी के कार्यों पर प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों द्वारा अपने–अपने विचार व्यक्त किये गये और स्वच्छता के लिए शपथ लिये इसके बाद महाविद्यालय परिसर में साफ–सफाई का स्वच्छता का संदेश दिये ।

दिनाँक 17/10/2016 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वीप प्लान कार्यक्रम का आयोजन भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार महाविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें वाद–विवाद, परिचर्चा, निबंध, नारा लेखन एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें वाद–विवाद में प्रथम विनोद कुमार बी.ए. भाग– 2, परिचर्चा में प्रथम बलराम राजपूत बी.ए. भाग– 1, निबंध में प्रथम कु. नाहिद खातुन अंसारी बी.एस–सी भाग– 1, नारा लेखन में प्रथम आकाश दास बी.ए. भाग– 1 एवं नुक्कड नाटक में प्रथम सुनील कुमार एवं साथी थे। सभी प्रथम आये प्रतिभागी को 25–26 नवम्बर 2016 तक जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेने के लिए भेजा गया जिसमें निबंध प्रतियोगिता में कु. नाहिद खातुन अंसारी बी.एस–सी. भाग– 1 को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

दिनाँक 05/11/2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद ग्राम खैरवाही में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसका थीम "स्वच्छ भारत निर्मल भारत" था । राष्ट्रीय स्वयं सेवकों द्वारा गोद ग्राम में सबसे पहले स्वच्छता के नारे लगाकर गाँव के लोगों को जागरुक किया गया। उसके बाद गाँव के सड़कों, नालियों, हैण्ड पम्पों के आसपास साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिये। शिविर के अंत में छात्र–छात्राओं को खीर पुड़ी वितरित किया गया और ग्राम के सरपंच श्रीमती रुखमणी चुरेन्द्र और जनपद सदस्य डौण्डी श्री शिवगिरी चुरेन्द्र द्वारा शिविरार्थियों के कार्यों की सराहना करते हुए बधाई दिये ।

दिनाँक 17/11/2016 से 23/11/2016 तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम भर्रीटोला में किया गया। जिसका थीम "स्वच्छता के लिए युवा" पर आधारित था। शिविर का उद्घाटन कलेक्टर महोदय जिला बालोद माननीय राजेश सिंह राणा जी के कर कमलों द्वारा हुआ। शिविर में 50 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। शिविरार्थी प्रतिदिन परियोजना कार्य के अन्तर्गत गलियों की साफ–सफाई, सड़कों की साफ–सफाई, हैण्ड पम्पों के आसपास सोख्ता–गढ्ढे का निर्माण, तालाब की साफ–सफाई एवं एक बैठक मंच का निर्माण किया गया। दोपहर में प्रतिदिन बौद्धिक परिचर्चा के अन्तर्गत विभिन्न विभागों जैसे– कृषि विभाग, वनविभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं आयुर्वेद विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने विभाग से संबंधित जानकारी शिविरार्थियों एवं ग्रामवासियों को दिये। शाम को जनसम्पर्क के माध्यम से ग्रामवासियों से सम्पर्क कर मतदाता परिचय पत्र, स्वास्थ्य कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड से संबंधित जानकारी ग्रामवासी को देते थे। रात्रि में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया जाता था, जिसमें गीत, नृत्य, भाषण एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिये।

दिनाँक 01/12/2016 को महाविद्यालय में एड्स दिवस मनाया गया जिसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया सर्वप्रथम महाविद्यालय से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के छात्र–छात्राओं एवं महाविद्यालय परिवार के द्वारा एड्स जागरुकता की रैली महाविद्यालय से डौण्डी नगर में निकाला गया। इसके पश्चात् महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता का कार्यक्रम रखा गया साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी के डां. गोपी चन्द्राकर द्वारा एड्स के फैलने एवं रोकथाम के उपाय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया।

दिनाँक 28/12/2016 को महाविद्यालय में विधिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमती स्मिता रत्नावत, प्रथम श्रेणी जिला मजिस्ट्रेट बालोद व्याख्यान दी। न्यायधीश महोदय द्वारा महाविद्यालय के स्टाफ, रासेयो के स्वयं सेवकों तथा महाविद्यालय के समस्त

छात्र–छात्राओं को कानून की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई जिसमें प्रमुख रुप से निःशुल्क शिक्षा, बालश्रम, मतदाता परिचय पत्र, महिलाओं के ऊपर होने वाले घरेलू हिंसा तथा एफ.आई.आर. दर्ज कराने की विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा कानून के संबंध में कई प्रश्न न्यायधीश महोदय से पूछे गये जिनका उन्होंने बड़ी सरलता से जवाब दिया।

दिनाँक 12/01/2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस को युवा दिवस के रुप में मनाया गया। सर्वप्रथम विवेकानन्द जी के फोटो पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई। कार्यक्रम अधिकारी द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हमें विवेकानन्द जी के सिद्धातों को आत्मसात करने की जरुरत है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र जी ने कहा कि स्वामी जी वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे उन्होंने बहुत कम समय में देश को विश्व में पहचान दिलाया। वे हमेशा युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे और रहेंगे। छात्र–छात्राओं द्वारा भी रासेयो के प्रतीक पुरुष स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन एवं सिद्धातों पर प्रकाश डाला गया। युवा दिवस के शुभ अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण, वाद विवाद एवं प्रश्न मंच का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं द्वारा बढ़ चढकर हिस्सा लिया। रंगोली में प्रथम मिलन कुमार बी.एस–सी. भाग– 2, तात्कालिक भाषण में प्रथम विनोद कुमार बी. ए. भाग– 2, वादविवाद में प्रथम कु. रितु रावटे बी. ए. भाग– 2 एवं प्रश्न मंच में प्रथम ग्रुप जिसमें वन्दना, ओमकार, वामन, उमाशंकर सभी बी. ए. भाग– 2 के छात्र–छात्रा रहे हैं।

दिनाँक 14/01/2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम महाविद्यालय में मनाया गया इस अवसर पर थाना डौण्डी के थाना प्रभारी श्री डी. आर. पाण्डेय जी ने अपने उद्बोधन में यातायात नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने नाबालिगों को गाड़ी नही चलाने की बात कही। उपनिरीक्षक श्री धनेश्वर साहू ने यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर लगने वाली धारा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर बच्चों द्वारा यातायात के संबंध में प्रश्न पूछे गये जिनका उत्तर अतिथियों द्वारा सरलता के साथ दिया ।

दिनाँक 25/01/2017 को शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। सबसे पहले प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र द्वारा महाविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी तथा समस्त छात्र–छात्राओं को निर्भीक होकर मतदान करने के लिए शपथ दिलाये। इसके बाद एक वोट का महत्व बताते हुए कहा कि हम सभी अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। क्योंकि हार जीत का फैसला तो सिर्फ एक मत से होता है इसलिए हम सब की एक–एक मत बहुत कीमती है।

दिनाँक 09/02/2017 को महाविद्यालय के रासेयो इकाई के 30 छात्र–छात्राएँ कार्यक्रम अधिकारी श्री व्ही. के. कोमा के मार्गदर्शन में कंगला मांझी धाम बघमार में कंगला मांझी के नाम पर बनी पुस्तकालय के उदघाटन समारोह में सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से अतिथि के रुप में छत्तीसगढ़ अँचल के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रुप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. के मिश्र जी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता राजमाता श्रीमती फुलवा देवी कांगे ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. परदेशी राम वर्मा ने कहा कि इस आदिवासी अँचल क्षेत्र में पुस्तकालय के खुलने से छात्र–छात्राओं, युवाओं व ग्रामवासियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. के मिश्र जी ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है, इस क्षेत्र में पुस्तकालय खुलने से समाज को एक नई दिशा मिलेगी।

विनोद कुमार कोमा, एन.एस.एस. अधिकारी
शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय, डौण्डी

एन.एस.एस. में मेरा अनुभव

यह मेरे लिये गर्व की बात है कि हमारे महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई है और मैं खुशनसीब हूँ कि मुझे राष्ट्रीय सेवा योजना में जुड़कर अपने व्यक्तित्व विकास का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं अपने छात्र–जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना जैसी संस्थाओं के क्रिया–कलापों से अनभिज्ञ थी, जब मैं राष्ट्रीय सेवा योजना में अपना नाम दर्ज कराई और कुछ क्लास में शामिल हुई। तब मुझे राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों उनके कार्यक्षेत्र की जानकारी हुई। तब मैंने दृढ निश्चय कर लिया कि मैं राष्ट्रीय सेवा योजना के क्रिया–कलापों में शत–प्रतिशत मन लगाकर अपना कुछ समय राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों को दूगी। राष्ट्रीय सेवा योजना में मैं सन् 2014 से आज तक जुडी हुई हूँ।

हमारे महाविद्यालय और मेरे लिये बहुत गौरव की बात है कि राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक अधिकारी मेरे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र सर है तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री व्ही.के.कोमा सर हैं। जिन्होंने मुझे हर क्षेत्र में मार्गदर्शन दिये और अभी भी मुझे उनका सहयोग मिलता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना में जुडे हुए विद्यार्थियों को 02 साल के अन्तर्गत "बी" प्रमाण पत्र प्राप्त होता है जिसे मैं महाविद्यालय द्वारा प्राप्त की हूँ और राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रति मेरा कार्यक्षेत्र और लगाव को देखते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री व्ही. के. कोमा सर द्वारा मेरा नाम "सी" प्रमाण पत्र के लिए पंजीकृत किया गया है। उनका सहयोग बहुत ही सराहनीय है।

वास्तव में राष्ट्रीय सेवा योजना देश में अपना अलग पहचान बनाया हुआ है हमारे महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के अतिथि प्राध्यापक श्री एम. के. डहरवाल सर का राष्ट्रीय सेवा योजना में सहयोग इस बात को दर्शाता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना एक चुम्बक की भांति होता है जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है ।

वैसे तो राष्ट्रीय सेवा योजना से मुझे बहुत कुछ प्राप्त हुआ है जिनको मैं शत–प्रतिशत बयान तो नहीं कर सकती, लेकिन मेरा अनुभव मैं इस पत्रिका के माध्यम से बताना चाहती हूँ –

अनुशासन – अनुशासन एक व्यक्ति के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अनुशासित व्यक्ति अपने जीवन में कभी असफल नहीं होता। अनुशासन में समय का महत्वपूर्ण स्थान है। जिससे हम अपने जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना सीखते हैं यह मुझे राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से अनुभव हुआ है।

नेतृत्व क्षमता – राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा हमें एक दूसरे की भावनाओं को समझने का अवसर देता है। यह एक खुला मंच होता है जिससे हम अपनी भावनाओं को एक दूसरे के समक्ष रखकर सही–झूठ का फैसला करते हैं जो हमें किसी भी बड़े से बड़े कार्य को प्रतिनिधित्व करने योग्य बनाता है।

देशप्रेम – जिस देश में हमने जन्म लिया, जहाँ के अन्न, जल को ग्रहण कर पले–बढ़े, उस देश के प्रति हमारे कर्तव्यों का बोध राष्ट्रीय सेवा योजना कराती है। राष्ट्रीय सेवा योजना में स्वर्ग की भांति वातावरण मिलता है।

समाजसेवा– राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर मैंने यह अनुभव किया कि हमारा देश सामाजिक संगठन से जुड़ा हुआ है। उसी समाज में कुछ कमजोर वर्ग के लोग भी रहते हैं जिन्हें सहयोग की आवश्यकता है ऐसे लोगों की सेवा का अवसर मुझे राष्ट्रीय सेवा योजना कैम्प में सिखाया गया है। समाज में फैली अन्धविश्वास, रुढिवादी अनेक कुरीतियों को मैंने मेरे सहयोगी भाईयों एवं बहनों के साथ मिलकर इसे दूर करने का प्रयास किया है।

कु. नंदिनी धनकर, बी.एस–सी. भाग – 3

एन.एस.एस. परिवार की ओर से

हमारे शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय का प्रारम्भ सत्र 2006–2007 में हुआ। मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि हमारे महाविद्यालय में एन.एस.एस. इकाई है। मैं इस महाविद्यालय के बी.एस–सी. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया तो यहाँ एन.एस.एस. का फार्म भी वितरण हो रहा था। वह फार्म भरकर मैं भी जमा कर दिया। मगर मुझे ये नहीं पता था कि एन.एस.एस. होता क्या है ? जब मैं प्रत्येक सप्ताह चलने वाली नियमित गतिविधि में सम्मिलित होता गया, तब पता चला कि हमें स्वामी विवेकानन्द जी के कहे हुए तथ्यों पर चलना है क्योंकि वे हमारे प्रतीक पुरुष हैं। उन्होंने युवाओं पर जोर दिया है, युवा ही देश के भावी कर्णधार हैं वे ही इस देश को आगे बढ़ा सकते हैं।

हमारे महाविद्यालय में एन.एस.एस. की गतिविधि 04 घण्टे की होती थी, जिसमें हम लोग 02 घंटे महाविद्यालय प्रांगण की साफ–सफाई व एन.एस.एस. परिवार द्वारा रोपे गये पौधें के आस–पास की साफ–सफाई करते थे और 02 घण्टे बौद्धिक परिचर्चा, पी.टी., देशी खेल और एन.एस.एस. से जुडी सामान्य जानकारी पर चर्चा किया जाता है ।

सात दिवसीय शिविर में मेरा पहला अनुभव :– मैं महाविद्यालय के एन.एस.एस. परिवार में सत्र 2014–2015 से जुडा हूआ हूँ । महाविद्यालय में एन.एस.एस. परिवार द्वारा प्रत्येक वर्ष 07 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। सत्र 2014–2015 में हमारे महाविद्यालय परिसर से 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम कुंआगोंदी में लगाया गया था। मैं शिविर में जाने के बाद कुछ अलग–अलग प्रकार की क्रियाकलापों को सीखा। जिसे मैं कुछ बिन्दुओं में बताना चाहूँगा जैसे –

समय का सदुपयोग करना – मैंने इस 07 दिवसीय शिविर में जाने के बाद सीखा कि समय का सदुपयोग किस प्रकार करना है वहाँ दिनचर्या अर्थात 24 घण्टे को किस प्रकार गुजारें। वहाँ जाने के बाद मेरा पूरा दिनचर्या ही बदल गया, वहाँ का पूरा समय साफ–सफाई, समाज सेवा, जागरुक कार्य, इन सब कार्यों में समय बटा होता है।

आपसी प्रेम – हम शिविर में जाने से पहले एक–दूसरे को नहीं जानते थे, लेकिन शिविर में जाने के बाद हम सब स्वयं सेवक एक परिवार की तरह रहते हैं वहाँ हम सब आपसी प्रेम सहयोग के साथ मिलकर एक समूह में रहते थे।

नेतृत्व क्षमता – एन.एस.एस. परिवार हमें एक नया मंच देता है जिससे हमें आगे आने का मौका मिलता है। जिसमें हम अपनी भावनाओं को रख पाते हैं, जिससे हमारा व्यक्तित्व का विकास होता है। जिससे हम में मनोवृत्ति जागृत होती है और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

नकारात्मक सोच को सकारात्मक सोच में बदलना – मैं पहलें कभी–कभी नकारात्मक बातों को भी सोचता था, एन.एस.एस. में जाने के बाद मेरा सोच बदल गया, मैं अब हमेशा सकारात्मक सोच रखता हूँ। मैं अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ा और कभी भी पीछे मुडकर नहीं देखा।

मैं सर्वप्रथम हमारे एन.एस.एस. प्रभारी श्री व्ही. के. कोमा सर का आभार व्यक्त करना चाहूँगा, जिन्होंने मुझे लोगों के बीच आकर कैसे जीवन व्यतीत करना है उनके बारे में बताया। मैं पहले लोगों के सामने आने से डरता था, मगर अब वो झिझक दूर हो गया है अब मुझे लोगों के बीच जाने से कोई भय नहीं रहता। यह एन.एस.एस. परिवार में मेरा तीसरा वर्ष है और बडी सौभाग्य की बात है कि आज मुझे हमारे महाविद्यालय व एन.एस.एस. परिवार द्वारा "बी" प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। एक बार फिर धन्यवाद कहना चाहूँगा हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. के.मिश्र एवं एन.एस.एस. प्रभारी श्री व्ही. के. कोमा सर का जिन्होंने मेरे व्यक्ति विकास, कार्यक्षमता को देखते हुए "सी." प्रमाण पत्र के लिए पंजीकृत किया और इस वर्ष मुझे प्राचार्य सर के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के एन. एस. एस. शिविर बेंगलुरू में जाने का सौभाग्य मिला।

हेमन्त कुमार, बी.एस–सी. भाग – 3

फौजी हिन्दुस्तान के

किसी को कश्मीर चाहिए, किसी को पूरा हिन्दुस्तान मेरे भाई ।
हमें तो कुछ न चाहिए, बस इन द्रोहियों की जान भाई ।।
माँ भारती के अपनत्व के आगे, मैंने अपनी सिर है झुकाई ।
माँ भारती के रक्षा के खातिर, दुश्मनों से सर है टकराई ।।
लड़ना क्या मैंने तो, सर है कटाई ।
मरने से पहले दुश्मनों की, लाशें कई बिछाई ।।
ऐ मेरे देशवासियों ! ऐसी जगह करना मेरे कब्र की खुदाई ।
न द्रोहियों की पड़े पाव, न दुश्मनों की परछाई ।।
इस अंतिम घड़ी में, ना है कोई शिकवा ना कोई रुसवाई ।
अब बस ओढ़ा दो मुझे, माँ की आँचल तिरंगें मेरे भाई ।।
और कुछ न चाहिए मेरे भाई, बस अरमान थे दिल में ।
कि मेरी भी हो ऐसी ही, स्वर्णिम बिदाई, स्वर्णिम बिदाई ।।

प्रेरणा – पाक आतंकी हमलों से प्रेरित होकर –

कु. रीना कोरेटी, बी.एस–सी. भाग – 3

महिमा दादा–दादी की

दादा–दादी की महिमा, जग में सबसे न्यारी है ।
उनसे रहती हरी भरी, हर घर की फुलवारी है ।।
दादा–दादी के चरणों में रहकर, हमने शिक्षा पायी है ।
उंगली पकड़–पकड़ कर उसने, हमकों राह दिखाई है ।।
माता–पिता ने जन्म दिया पर, जीना उसने सिखलाया है ।
ज्ञान–चरित्र और संस्कार का, महत्व भी समझाया है ।।
जब भी करते गलत कार्य, हमकों फटकार लगायी है ।
सत्यमार्ग पर चले सदा हम, बात यही समझायी है ।।
किसी बात को लेकर पापा, चिंतित जब हो जाते हैं ।
सिर पर हाथ रखे दादा–दादी का, निकट खड़ा वो पाते हैं ।।
उनके आशीषों से ही घर में, खुशियाँ सारी आई है ।
परेशानियाँ कोई भी, पास टिक नहीं पाई है ।।
जिनको भी ना मिल पाया, दादा–दादी का प्यार है ।
समझों रहा अधूरा उनका, बचपन का संसार है ।।
मानूँगा सीखों को हरदम, मान रखूँगा उनका मैं ।
सीचूँगा तन–मन में बगियाँ, जो उसने लगायी है ।।
दादा–दादी की महिमा, जग में सबसे न्यारी है ।
उनसे रहती हरी–भरी, हर घर की फुलवारी है ।।

ओम प्रकाश, बी.ए. भाग – 2

मेरा एक सपना

"मेरा एक सपना" यह कविता एक छोटी सी बच्ची की है जो माँ के गर्भ में है, जो जन्म नहीं ली है, जिसके मन में बहुत सी कल्पनाएँ है, यह कल्पनाएँ उन बच्चियों की है जो जन्म लेने से पहले माँ के गर्भ में ही मार दी जाती है, जो इस कविता के माध्यम से प्रस्तुत है –

मेरी इच्छा आसमान को छूना है, मैं हर मुश्किलों को आसान कर लेती ।
हर दीन–दुखियों के दुख हर लेती, मेरा यह एक सपना है ।।
मै हर गमों में मुस्कुरा लेती, सभी से मन की बातें कर लेती ।
मैं सृष्टि के नियमों पर चलती, मेरा यह एक सपना है ।।
काश मेरे पास एक परिवार होता, जिसमें माँ पापा और मैं होती ।
कहानी, किस्से दादी से सुनती, मेरा यह एक सपना है ।।
माँ मेरी पहली गुरु होती, उनसे सभी सद्गुणों को सीखती ।
पापा मुझे मुसीबतों से लड़ना सीखाते, मेरा यह एक सपना है ।।
बाहर की दुनियाँ देखती हूँ, तो मेरा मन दहल उठता है ।
बेटियों पर हो रहे अत्याचारों से, मेरा यह हृदय रो उठता है ।।
क्या मैं बाहर आ पाऊँगी, क्या मैं यह दुनियाँ देख पाऊँगी ।
मेरा यह सपना सच हो पायेगा, या मेरा यह सपना–सपना ही रह जायेगा ।।

कु. ललिता मसियारे, बी.एस–सी. भाग – 3

छत्तीसगढ़ी गीत

पिंजरा ले बोले मैना, सुन ले छत्तीसगढ़िया के कहना,
जिन्गी के नइहे गा ठिकाना,
कहाँ ले आना, कहाँ ले जाना,
माटी के तोर चोला माटी, में मिल जाही रे,
पानी के बुलबुला ह पानी, में मिल जाही रे
परोपकारी बनो रे संगी, मिठबतरस बोलो रे संगी,
मानव जीवन के बढ़ मोल हे रे संगी,
माटी के कर्ज चुकाना रे संगी ।

कृतेश्वरी गोटा, बी.ए. भाग – 2

यादों का मौसम

मौसम की यादों का क्या कहना,
यादों में रुकना और यादों में बहना।
कभी गर्मी, कभी वर्षा और कभी शीत,
इनका आना जाना करते नहीं भयभीत।
मौसम की तरह जीवन को बहुरंगी बनाना है,
समाज, देश हित में फैली प्रकृति को अपनाना है।
देश के हित में जीना है, देश हित में मर जाना है,
धरती में स्वर्ग मौसम बनाती है हमें विदेश नहीं जाना है।

तिलोक कुमार, बी.ए. भाग – 2

मन

मन के जीते जीत है, मन के हारे हार हे ।
मन ला बांधव, मन ला साधव, ये संतन के विचार हे ।।
मन हे भागीरथ के तप, जे पहुँचिन हिमालय पार हे ।
जग के हितवा बन के संगी, जोतिन सरग दुआर हे ।
पाप धो लो पुन्न कमा लो, ये गंगा के धार हे ।।
मन के जीते जीत है, मन के हारे हार हे ।
मन ला बांधव, मन ला साधव, ये संतन के विचार हे ।।
मन के दीया, मन हे बाती, मन पूजन अऊ धियान हे ।
मन हे दरपन, मन हे अरपन, मन हा गुरु अऊ गियान हे ।
मन ला भज लो, मन ला गा लो, ये भक्ति हा महान हे ।
मन के जीते जीत हे, मन के हारे हार हे ।
मन ला बांधव, मन ला साधव, ये संतन के विचार हे ।।
दया मया ला, राखो मन में, राखो पर उपकार ला ।
पर पीरा ला जानों संगी, सुख सार संसार ला ।
सत के रद्दा रैंगव संगी, ये जिनगी के सार हे ।
मन के जीते जीत हे, मन के हारे हार हे ।
मन ला बांधव, मन ला साधव, ये संतन के विचार हे ।।

कु. नीता गावड़े, बी.कॉम. भाग – 1

शिक्षा और बेरोजगारी

मैं आज की शिक्षा प्रणाली के बारे में अपना विचार व्यक्त करना चाहती हूँ और साथ ही साथ जो बेरोजगार हैं उनको रोजगार की प्राप्ति हो इसके बारे में मैं अपना विचार लिख रही हूँ–

समस्या – आज जो शिक्षा प्रणाली चल रही है जिसमें विद्यार्थी अच्छी तरह से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। यह समस्या तो प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी के लिए होती हैं। यह घटना ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में देखा जाता है । जहाँ पाँच कक्षाएँ हैं वहाँ शिक्षको की कमी है और पाँच कक्षाओं में एक ही शिक्षक पढा रहे हैं। एक शिक्षक कैसे अपने विद्यालय मे पाँच कक्षाओ के विद्यार्थियों को पढ़ा सकते हैं, यह बहुत ही कठिन कार्य है। साथ ही साथ शासन के आदेशानुसार कई ऐसे सरकारी कार्य दे देते है, जिससे पढ़ाई में प्रभाव पड़ता है और विद्यार्थी अपना सही विकास नहीं कर पा रहे है और देखा जाता है कि विद्यार्थी आठवीं पास करने के बाद जैसे ही नवमीं कक्षा में प्रवश करते हैं और वह अनुर्तीर्ण हो जाते हैं। यही मुख्य कारण है कि अच्छी तरह से शिक्षा प्राप्त न होना और पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को परीक्षा में पास करने की अनिवार्यता के कारण हो रहा है और वे घरों में भी अपनी पढाई नहीं करते हैं। विद्यार्थी को पता होता है कि हम तो आठवीं तक बिना पढ़े पास हो जायेंगें। हमें तो फेल नहीं किया जायेगा।

बेरोजगार – बेरोजगारी भी बढ़ रही है कई ऐसे लोग जो शिक्षित होकर भी बेरोजगार घूम रहे हैं और रोजगार की प्राप्ति नहीं हो रही है। देश में बढ़ती बेरोजगारी से कई लोग अपना जीवन यापन अच्छी तरह से नहीं कर पा रहे हैं। अतः देखा जाये तो बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त होनी चाहिए। मेरा यह मानना है कि इस तरह से चली आ रही समस्याओं को ध्यान में रखकर कोई योजना होनी चाहिए।

उपाय – इस शिक्षा में सुधार करने के लिए मेरा मानना है कि विद्यालय में शिक्षकों की व्यवस्था करवायें और जो बेरोजगार घूम रहे हैं जो उसी गॉव के हैं जिस गॉव में ऐसी समस्या हो, उन्हें विद्यालय में पढ़ाने के लिए भेजें। ऐसी योजना चालू करें ताकि विद्यार्थियों का विकास भी होगा और साथ ही साथ बेरोजगारों को रोजगार का अवसर भी प्राप्त होगा और उन्हें प्रोत्साहित करें इससे शिक्षा में भी सुधार या वृद्धि होगी और बेरोजगारी भी कम होगी और कई ऐसे बेरोजगार हैं उनके लिए पचायत स्तर पर योजनाओं की व्यवस्था होनी चाहिए।

कु. रुखमणी, बी.ए. भाग – 2

भाजी रे भाजी - छत्तीसगढ़िया भाजी

प्रस्तावना :- "भाजी" हमारे छत्तीसगढ़ में मुख्य रुप से प्रचलित है। अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से जाना जाता है तथा कई किस्म की भाजी होती है। जिसे लोग सब्जी के रुप में प्रयोग करते हैं भाजी में अनेक प्रकार के पोषक तत्व पाये जाते हैं। छत्तीसगढ़ में भाजी की अपनी विशिष्ट पहचान है अन्य सब्जियों की अपेक्षा भाजी को अधिक मात्रा में यहाँ खायी जाती है तथा अधिकांश क्षेत्र में होने के कारण यह कई जगहों पर आसानी से उपलब्ध है। अधिकांश भाजी हर मौसम में उपलब्ध होते है जैसे – लाल भाजी, गोभी भाजी। लेकिन कई भाजी मौसमी होते है। जैसे – तिंवरा, सरसों, कुम्हड़ा और कोलियारी भाजी आदि। ये सब भाजी बालोद जिला के अन्तर्गत जैसे– डौण्डी, लिम्हाटोला, गुदुम, सुरडोंगर, पुसावड़, बम्हनी आदि छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं –

क्र.	सामान्य नाम	वनस्पतिक नाम	कुल	प्राप्ति स्थान
01	तिंवरा भाजी	Lathyrus sativa	Papilionaceae	खेत से
02	चेंच भाजी	Chorchorus olitorius	Tiliaceae	बाड़ी से
03	लाल भाजी	Amaranthus tricolour	Amaranthaceae	बाड़ी से
04	अमारी भाजी	Hibiscus sabdariffa	Malvaceae	बाड़ी से
05	तिनपनीया भाजी	Oxalis corniculata	Oxalidaceae	खेत से
06	कुम्हड़ा भाजी	Cucurbita maxima	Cucurbitaceae	बाड़ी से
07	मुरई भाजी	Raphanus sativus	Brassicaceae	बाड़ी से
08	चौलाई भाजी	Chenopodium album	Chenopodiaceae	बाड़ी से
09	करमत्ता भाजी	Ipomoea aqua		खेत से
10	कांदा भाजी	Ipomoea batatas	Convolulaceae	बाड़ी से
11	पालक भाजी	Spinacea olenacea		बाड़ी से
12	गोभी भाजी	Brassica oleracea	Brassicaceae	बाड़ी से
13	सरसों भाजी	Brassica campestris		खेत से
14	चरोटा भाजी	Cassia tora	Caesalpiniaceae	बाड़ी से
15	मुनगा भाजी	Moringa pterygo sperma	Moringaceae	बाड़ी से
16	आलू भाजी	Solanum tuberosum	Solanaceae	बाड़ी से
17	उरीद भाजी	Phaseolus radiates	Papilionaceae	भर्री से
18	बरबट्टी भाजी	Vigna unguiculata	Papilionaceae	बाड़ी से
19	पोई भाजी	Basella rubra	Basellaceae	बाड़ी से
20	जरी भाजी	Amaranthus gangaticus	Amaranthaceae	बाड़ी से
21	गोंदली भाजी	Allium sativum	Liliaceae	बाड़ी से
22	गुमी भाजी	Leucas cephalotes	Portulaeaceae	भर्री से
23	कोलियारी भाजी	Bauhinia purpurea	Caesalpiniaceae	पेड़ से
24	सेमी भाजी	Dolicus lablab	Papilionaceae	बाड़ी से
25	बोहार भाजी	Cordia myxa	Caesalpiniaceae	पेड़ से
26	मछेरिया भाजी	Corchorus acutangulus	Tiliaceae	खेत से
27	चना भाजी	Cicer artenium	Papilionaceae	खेत से
28	जिल्लो भाजी	Lathyrus sp.	Papilionaceae	खेत से
29	मेथी भाजी	Trigonella foenum	Papilionaceae	बाड़ी से

उपसंहार :- भाजी हमारे शरीर के लिए बहुत लाभदायक है जो हमारे शरीर में होने वाली खनिज विटामिन, आयरन और तत्वों की कमी की पूर्ति करती है। शरीर के तापमान को नियमित रखने के लिए गर्मी के दिनों में करमत्ता भाजी का उपयोग किया जाता है तथा टायफाइड के रोग हो जाने से इस भाजी का उपयोग पेट साफ करने में किया जाता है। लाल भाजी से हमारे शरीर में होने वाली रक्त की कमी की पूर्ति होती है। अतः हम कह सकते है कि भाजी हमारे शरीर में होने अधिकांश रोगों को दूर करने में सहायता करती है ।

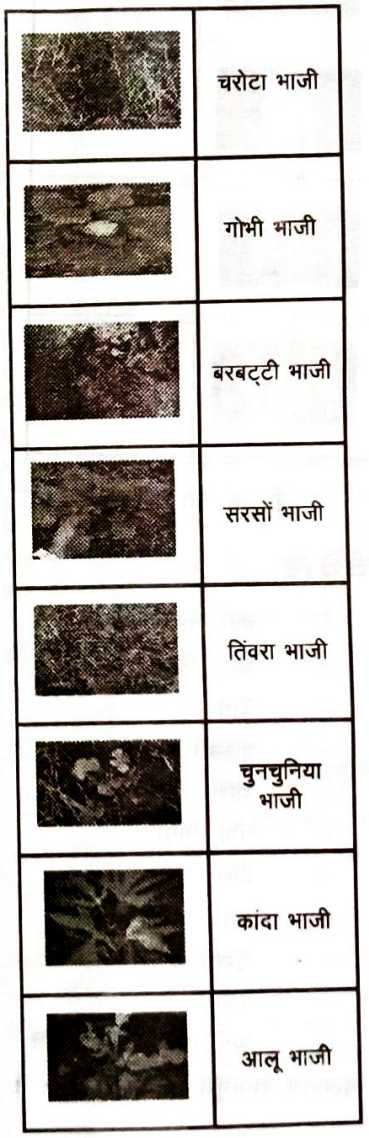

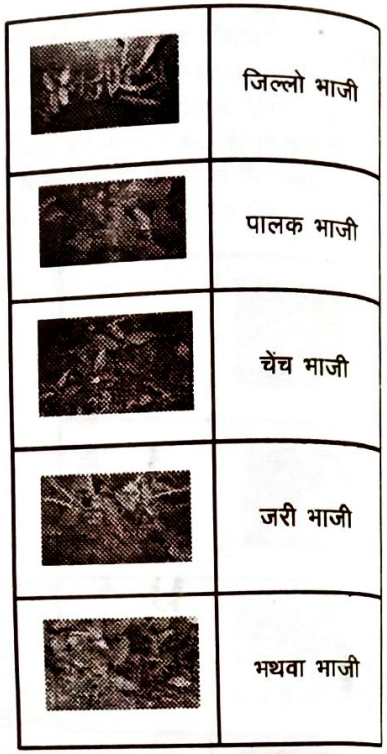

	चरोटा भाजी
	पोई भाजी
	उरीद भाजी
	बोहार भाजी
	लाल भाजी

	जिल्लो भाजी
	पालक भाजी
	चेंच भाजी
	जरी भाजी
	भथवा भाजी

बी.एस–सी. भाग – ।।

11 अनमोल विचार

1. करने के लिए कोई चीज है – कर्म, मेहनत
2. लेने के लिए कोई चीज है – ज्ञान, शिक्षा
3. देने के लिए कोई चीज है – दान
4. रखने के लिए कोई चीज है – इज्जत, आबरु
5. कहने के लिए कोई चीज है – सत्य
6. छोड़ने के लिए कोई चीज है – मोह, माया
7. फेंकने के लिए कोई चीज है – ईर्ष्या, घृणा
8. खाने के लिए कोई चीज है – गम
9. पीने के लिए कोई चीज है – गुस्सा, क्रोध
10. दिखाने के लिए कोई चीज है – दया
11. सफल होने व जीतने के लिए जरुरत है – कर्म, उत्साह, प्यार, प्रेम

बलराम राजपूत, बी.ए. भाग – 1

सेना मे भर्ती संबंधी जानकारी

सैनिक या फौजी के रुप में देश की सेवा करना किसी भी व्यक्ति के लिए गर्व की बात होती है। जान हथेली पर लेकर देश और देशवासियों की सेवा करना सैनिक का परम कर्तव्य माना जाता है। आतंकवादी या दुश्मनों से लोहा लेना उनका प्रमुख कार्य होता है।

सेना भर्ती की शर्तें – जब सेना में भर्ती के लिए फार्म डाला जाता है तो फार्म में स्पष्ट रुप से लिखा होता है कि भर्ती के दौरान किसी तरह की घटना की जिम्मेदारी स्वयं की होगी। भर्ती हेतु तैयारी करने के लिए सुबह–शाम दौड़ लगाना आवश्यक होता है।

सेना या फौजी भर्ती होने की प्रक्रिया – जब हमें सेना या फौजी होना है इसके लिए फार्म डालते हैं और उसके बाद शासन द्वारा भेजे गये प्रवेश पत्र को पोस्ट आफिस या कम्प्यूटर द्वारा निकालकर अभ्यार्थी उस निर्धारित भर्ती स्थान में जाते हैं और भर्ती होना प्रारम्भ होता है। सबसे पहले ऊँचाई नापी जाती है। ऊँचाई आरक्षक (जी.डी.) के लिए सामान्य जाति एवं पिछड़ा वर्ग के लिए 168 से.मी. ऊँचाई व सीना बिना फूलाये 81 से.मी. तथा फूलाने के बाद 86 से.मी. होना चाहिए। अनुसूचित जाति, मराठा इन जातियों के लिए 165 से.मी. ऊँचाई तथा सीना बिना फूलाये 79 से.मी. तथा फूलाने के बाद 84 से.मी. होना चाहिए। अनुसूचित जनजाति के लिए 158 से.मी. ऊँचाई तथा सीना बिना फूलाये 76 से.मी. तथा फूलाने के बाद 81 से.मी. होना चाहिए। इसके बाद वजन नापते हैं जिसमें 50 किलोग्राम वजन होना चाहिए और जब इस सभी प्रकार की प्रक्रिया में पास होते हैं तब अभ्यर्थी को मेडिकल के लिए जाना होता है और मेडिकल की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है। मेडिकल में कुछ लोग पास होते है तो कुछ लोग री–मेडिकल अर्थात फिर से मेडिकल करने का एक बार फिर से मौका मिलता है और जो अभ्यर्थी पास होते हैं उन सभी लोगों का कुछ महीनें के बाद परीक्षा प्रारम्भ होता है उसमें जो व्यक्ति पास होता है। उसे कुछ महीनें के बाद कॉल लेटर आता है। कॉल लेटर प्राप्त करने के बाद 15 दिन या एक महीनें के बाद ट्रेनिंग सेंटर में जाते हैं उसके बाद ट्रेनिंग प्रारम्भ होती है। ट्रेनिंग समाप्त होने के बाद सब लोग शपथ लेते हैं और शपथ के किसी शब्द को किसी दूसरे व्यक्ति को नहीं बताते हैं। उसके बाद सेना या फौजी बन जाते हैं। ट्रेनिंग 06 माह का लगभग होता है उसके बाद ड्यूटी प्रारम्भ हो जाती है। फौजी अपने देश या मातृभूमि की सेवा या देशवासियों की रक्षा करने में पूरा योगदान देते हैं।

समय–समय पर फौजी के कार्यों का मूल्यांकन कर पदोन्नति दी जाती हैं। सेना के रुप में देश की सेवा करना गौरव की बात होती है। सभी नौजवानों को इस दिशा मे आगे आने की जरुरत है।

चन्द्रभान, बी.ए. भाग – दो

सफलता का रहस्य

जीवन में सफलता प्राप्त करने का सरल उपाय है कि हम कोई लक्ष्य निर्धारित कर ले और उसे प्राप्त करने के लिए अपने आपको समर्पित कर दें, जिस व्यक्ति ने यह लक्ष्य पकड़ लिया, सफलता उसकी दासी बन जाती है।

किसी क्षेत्र में सफल होना है तो सच्चाई, परोपकार, सरल स्वभाव को स्वाबलंबन के साथ–साथ ईश्वर पर विश्वास करके आगे बढ़ना चाहिए। संसार में काम करने वाले तो बहुत है। काम का बोझ उठाने वाले और अधिक हैं। पर जो व्यक्ति लक्ष्य के लिए समर्पित होकर चलते हैं वे लोग तो बहुत कम हैं। उसमें से जो अपनी एकाग्रता लक्ष्य पर रखते हैं वही सफलता प्राप्त करते हैं। विद्यार्थी को अपने कार्य में निरंतर संलग्न रहकर अपने जीवन में प्रगति पथ पर अग्रसर होना चाहिए।

कु.लीना राणा, बी.ए. भाग – 2

नारी शक्ति

प्राचीन काल से नारियाँ देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आ रही है, नारियों के बहुत से रुप होते हैं। जिसमें विशेष रुप से नारी सबसे पहले माँ, बेटी, बहन, पत्नी आदि बनती है, इन चारों रुपों का एक विशेश महत्व है जिसमें "माँ" के रुप में अपने बच्चों को अच्छे से संस्कार देती है तथा उसे इस लायक बनाती है कि बड़ा होकर देश की सेवा कर सके। जैसे – जीजा बाई ने अपने बेटे शिवाजी को कम उम्र से ही देश के प्रति प्रेम भावना को बढावा दिया और शिवाजी ने अपनी माँ के बताये रास्ते पर चलकर अपने देश के दुश्मनों से लड़ाई करके विजय प्राप्त किया और अपने राज्य को अच्छे से चलाते रहे।

उसी तरह एक "बेटी" भी अपने माता–पिता का नाम रोशन करने के लिए देश के प्रति कुछ कर दिखाती है। रानी लक्ष्मी बाई उनके बचपन का नाम "मनु" था उनकी माता नहीं होने के बाद भी वह अपनी सूझबूझ से अच्छे से शिक्षा ग्रहण करती थी तथा मनु देश से बहुत प्रेम करती थी। मनु 13 वर्ष की उम्र में ही युद्ध कला में निपुण हो गई थी। उनकी शादी कम उम्र में हो गई थी। रानी लक्ष्मी बाई एक पत्नी तथा रानी बनकर अपने पति की जान बचाई तथा अंग्रजों से जंग करते हुए अपना जीवन देश को समर्पित कर दी। उसी तरह "रानी दुर्गावती" भी अपने पति की मृत्यु के बाद राजगद्दी पर बैठकर राज्य को अच्छे से संभाला, तथा देश के दुश्मनों को मार भगाई व देश के लिए अपना जीवन न्यौछावर की।

हमारे देश की अनेक बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर समाज और देश की सेवा के लिए प्रेरित करती रही है। भाई भी बहन की रक्षा करने का प्रण लेकर बहन की प्रेरणा से देश की रक्षा हेतु संकल्पित रहता है।

वर्तमान युग में भी नारियाँ देश के विकास में सभी क्षेत्रों में योगदान देती हैं जैसे – "प्रतिभा पाटिल" जो देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनी। "मदर टेरेसा" जो देश की पीड़ित महिलाओं की सहायता करती थी। इसी प्रकार नारियाँ– माँ, बेटी, बहन तथा पत्नी बनकर देश की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

इसी तरह हमें सबको जागरुक करना चाहिए कि आप सब नारी शक्ति को पहचाने और नारी पढ़ेगी तभी तो देश का विकास होगा।

बेटी बचाव, बेटी पढाव

कु. निर्मला सोरी, बी.ए. भाग – 2

प्रेरक बिन्दु

1. नर हो न निराश करो मन को, कुछ काम करो, कुछ काम करो।
   जग में रहकर कुछ नाम करो ।।
2. चरित्र ही जीवन का ताज हैं।
3. यदि तुम एक भी रोते हुए व्यक्ति को हंसा देते हो,
   तो मानव जन्म लेने का सारा फल तुम्हें मिल जाता है।
4. पर उपदेश कुशल बहु तेरे। जे आचरहि ते नर न घनेरें। (गोस्वामी तुलसीदास)
5. ईश्वर ने हमे दो आँख और दो कान दिये हैं,
   तथा एक मुख अर्थात हम देखें और सुने अधिक, परन्तु बोले कम।

अश्वनी प्रधान सहा.ग्रे. 03

छत्तीसगढ़ में फसल एवं त्यौहार

हमारे छत्तीसगढ़ के पावन अँचल में धान कटाई के बाद हर माह त्यौहार मनाया जाता है। कुछ प्रमुख त्यौहार का विवरण इस प्रकार है –

चैत्र – नवरात्र एवं हिन्दू नववर्ष का शुभारंभ ।

बैसाख – अक्ती इसी दिन से नई फसल वर्ष की शुरुआत होती है बीज की तैयारी की जाती है बीज निकालना और एक दूसरे को बीज आदान – प्रदान करना ।

जेठ – आ गया जेठ । इस महीनें में खेत की सफाई की जाती है उसके बाद धान बोवाई की जाती है।

आषाढ़ – इस त्यौहार को भी अन्त गर्भ पूजा के रुप में मनाते हैं। मिट्टी के बैलों को पूजा करते हैं।

सावन – शिव पार्वती की विशेष पूजा एवं कांवर से जल चढ़ाना एवं बेल पत्र से पूजन कार्य व रक्षाबन्धन।

भादों – तीजा, पोला, कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन।

कुवांर – नवा खाई इस महीनें में नई फसल की कटाई की जाती है। नए अन्न की पूजा की जाती है और उसके बाद ही उसे खाया जाता है इसीलिये इसे कहते हैं "नवा खाई", दुर्गा पूजा (दशहरा)

कार्तिक – गौरा –गौरी व दीपावली का त्यौहार ।

अग्हन – जेठौनी का त्यौहार इस माह में धान की मिंजाई करते हैं तथा गाँव के सभी लोग घर से धान की बाली लाते हैं और गाँव के देवता को चढ़ाते हैं इसके बाद ही मिंजाई आरम्भ करते हैं।

पौष एवं मांघ – माँ सरस्वती की पूजा अराधना की जाती है।

फाल्गुन – होली का त्यौहार।

इस प्रकार से साल भर का पूरा त्यौहार एवं फसल चक्र होता है।

सुनील कुमार ठाकुर, बी.एस–सी. भाग – 3

जीवन का संदेश

भोजन नहीं किया था कब से, पानी पीकर काम करें ।
यात्रा से कल रात ही लौटी, यू ही कहाँ विश्राम करें ।।
हाथ में अपने झाड़ू लेकर, यू ही श्रमदान करें ।
कहने से कोई सुनता नहीं, लोग जो देखें काम करें ।।
श्रेष्ठ पुरुष के आचरण को, अन्य लोग अपनाते हैं।
वह जो प्रमाण कर देता है, उसका लक्ष्य बन जाता हैं।
गीता का यह मंत्र सरल है, कई लोग दोहराते हैं ।
दुर्लभ है वे, जो निज जीवन में, करके इसे दिखाते हैं ।।
है जीवन की संदेश मेरा, गाँधी के वाक्य सुने हमने ।
राष्ट्रपिता के जन्म दिवस पर, पूर्ण करें उनके सपनें ।।
थूंके नही सड़क पर बिल्कुल, नाक न अपनी साफ करें ।
तम्बाकू व पान का सेवन न कर, जीवन का उपचार करें ।।
गढ्ढे भरें न जल का संचय, ना मच्छर उत्पात करें ।
कूड़े दान में कुड़ा डाले, आज से वह शुरुवात करें ।।
जो वस्तुएँ नहीं उपयोगी, ढेर न उनका घर में लगाएँ ।
धूल ढकी कीटों की जनक पे, मुक्ति उनसे शीघ्र ही पाए ।।
स्वच्छ वस्त्र पहने हम, अपना वातावरण भी स्वच्छ रखें ।
अस्वच्छ जलाशय स्वच्छ हो, मंदिर, घर, कार्यालय स्वच्छ रखें ।।

नीता गावड़े, बी.काम. भाग – 1

इंसान की सोच ही अच्छा–बुरा हो सकता है, लेकिन इंसान नहीं

मेरा अपना तर्क यह है कि मनुष्य की अपनी सोच से अर्थात् अपने विचार "चिंतन" के अनुरुप ही कार्य करता है या उसी तरह से बन जाता है। मनुष्य की अपनी सोच की पवित्रता, सकारात्मक सोच के द्वारा ही उसका सम्पूर्ण विकास संभव हो सकता है। मानव की प्रवृत्ति होती है कि वह जैसा देखता है उसी तरह का कार्य करता है। व्यक्ति को किसी क्षेत्र के अन्तर्गत जानने की प्रबल इच्छा ही उसे मार्गदर्शन देती है। इंसान का अपना स्वयं की अनुभव ही उसका सच्चा गुरु होता है क्योंकि यह अनुभव मनुष्य को अपने जीवन को बदलने के लिए इसे निरंतर प्रेरणा स्त्रोत के रुप में उसका पथ प्रदर्शक की तरह उसे जगाये रखता है ।

प्रत्येक व्यक्ति का अपने जीवन में बहुत कुछ बनने या हासिल करने की इच्छा (सोच) बनी रहती है कि लोग मेरा सम्मान करें और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करुँ । तो आपको यह विचार देना चाहूँगा कि केवल यह सोच रखने से आप कुछ कर नहीं सकते हैं आपने यह सोचा और उस कार्य को करने हेतु अपना तन, मन और धन सभी तरह से अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा से करेंगे तो निश्चित तौर से आपका लोग सम्मान करेंगे। उदाहरण स्वरुप "

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः,
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

इस श्लोक का भावार्थ यह है कि परिश्रम करने से ही कार्य सिद्ध होता है केवल इच्छा मात्र से नहीं। जिस प्रकार सोये हुए सिंह के मुख में हिरण स्वयं प्रवेश नहीं करता है आज के वर्तमान परिवेश को देखें तो व्यक्ति मेहनत नहीं करना चाहता है और ऊपर से यह कामना करता है कि उसे बहुत कुछ मिल जाए। आज हम पंगु होते जा रहे हैं। परिश्रमी व्यक्ति (कर्मयोगी) ही सफल होते हैं। एक और सूक्ति जैसा मुझे याद आ रहा है जो मेरे पिता श्री ने मुझे बताया है "पुरुषार्थ पुरुषों ने तोड़–तोड़ फल खाया है, मूर्ख, आलसी बैठे देखते फोकट मन ललचाया है।" जब मैं कभी काम करने के लिए मना करता था तब यह दोहे को मेरे पिताजी बड़े प्यार से बताते थे और तब मैं तुरन्त कार्य करने के लिए तत्पर हो जाता था।

इंसान की सोच (विचार) जितना अधिक शुद्ध, पवित्र और सकारात्मक होगा उसका जीवन उसी समय बदलेगा, मनुष्य के जीवन में निरन्तर परिवर्तन होने के कारण उसका सोच परिस्थिति के अनुरुप बदलती रहती है, तब भी उसे अपनी सोच की पवित्रता जीवन पर्यन्त बनाये रखना चाहिए। क्योंकि मनुष्य का सबसे बड़ा गुरु वह स्वयं ही होता है। जो उसे सदैव सही मार्गदर्शन देता है। मनुष्य को अपने "अन्तरात्मा" की आवाज को सुनने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि मनुष्य के "अन्तरात्मा" में उस ईश्वर का वास होता है जिस कारण वह व्यक्ति को गलत राह की ओर बढ़ने से पहले ही आगाह करता है कि आप यह ना करें।

निष्कर्श के रुप में यह कहना चाहता हूँ कि आपकी सोच ही आपको सफलता, सम्मान देता है तथा सब कुछ आपकी सोच पर निर्भर करता है। सोचिए और कार्य को पूरी निष्ठापूर्वक करिए और जीवन में आगे बढ़िये।

विनोद कुमार कुर्रे, बी.ए. भाग – 2

राजहरा माइन्स
भौगोलिक भ्रमण 2016–2017

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी के सहायक प्राध्यापक श्री एन. के. साकरे (भूगोल) के मार्गदर्शन में बी.ए. अंतिम वर्ष के समस्त छात्र / छात्रा राजहरा लौह अयस्क माइन्स का अध्ययन यात्रा दिनाँक 10 जनवरी 2017 को महाविद्यालय डौण्डी से प्रातः 10:00 बजे से प्रारम्भ कर दल्लीराजहरा पहुँचकर माइन्स प्रबंधन से अनुमति प्राप्त तथा सुरक्षा जाँच होने के पश्चात् श्री आर. के. साहू माइन्स अधिकारी के मार्गदर्शन में छात्रों को माइन्स क्षेत्र के भ्रमण हेतु ले जाया गया। श्री साहू ने बताया कि दल्लीराजहरा जो भिलाई स्टील प्लांट को लौह अयस्क कच्चा माल की पूर्ति करता है इसके चार क्षेत्र हैं– 1) दल्ली माइन्स 2) राजहरा माइन्स 3) कोकान माइन्स 4) मयूर पानी माइन्स। इसमें दल्ली व राजहरा माइन्स पूर्ण रुप से पंजीकृत है तथा शेष दो मानवीय श्रम पर आधारित है सन् 1956 से भिलाई इस्पात संयत्र की स्थापना के समय से ही इस माइन्स से सतत् रुप से लौह अयस्क की पूर्ति कर रही है एक अनुमान के अनुसार लगभग 08 वर्षो तक उक्त खदानों से भिलाई इस्पात संयत्र की मांग को पूरा करने के लिए भंडार स्थित है।

सभी छात्रों को राजहरा माइन्स का अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हुआ। यहाँ हेमेटाइट प्रकार के अयस्क पाया जाता है जिसमें लौहांश की मात्रा 62 प्रतिशत से 72 प्रतिशत तक होती है। यहाँ पर अयस्क खनन कार्य पूर्ण रुप से पंजीकृत है। ड्रिल मशीन से छिद्र करते हैं तथा बारुद भरने के लिए एक मशीन है यहाँ प्रायः 02:00 बजे के बाद ब्लास्टिंग किया जाता है जो एक सेकण्ड के कुछ पल अन्तराल में यह विस्फोट होता है इससे लौह अयस्क छोटे–बड़े बोल्डर्स के रुप में उखड़ जाता है जिसे जे.सी.बी. मशीन, डम्फर द्वारा क्रेसिंग प्लांट तक पहुँचाया जाता है। खनन क्षेत्र से लगभग 02 कि.मी. की दूरी पर क्रेसिंग प्लान्ट लगाया गया है। यहाँ दो क्रेसिंग प्लान्ट है जहाँ दिन रात लौह अयस्क का क्रेसिंग किया जाता है। प्लान्ट में एक बड़ा सा खड्ढा बनाया गया है जहाँ पर बड़े–बड़े लौह अयस्क को डाला जाता है जो पट्टे के माध्यम से क्रेसिंग मशीन में जाता है जहाँ क्रेसिंग किया जाता है क्रेसिंग मशीन में क्रेश होने के पश्चात् पट्टा द्वारा चलनी में जाता है जो अयस्क को छानकर तीन अलग–अलग आकार छाटकर पट्टे के माध्यम से माल यार्ड तक पहुँचा दिया जाता है।

लौह अयस्क छानने के बाद बारीक, मध्यम एवं बड़े आकार में छट जाता है। हमारे गाइड श्री साहू ने बताया कि बी.एस.पी. में मध्यम आकार के माल की मांग अधिक होती है यहाँ दक्षिण पूर्व मध्य रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है जिसमें प्रतिदिन कच्चा माल की ढुलाई की जाती है। इस प्रकार खनन क्षेत्र का अध्ययन से पहले यह धारणा बनी थी कि खनन कर लौह अयस्क को सीधे इस्पात संयंत्र में भेजा जाता होगा पर यहाँ आने से पता चला कि खनन के पश्चात् क्रेसिंग, छनाई के पश्चात् ही इस्पात बनाने हेतु इस्पात संयंत्र में लौह अयस्क पहुँचता है। इस प्रकार खनन क्षेत्र का अध्ययन यात्रा पूरा हुआ। इसके पश्चात् माइन्स क्षेत्र से बाहर निकलकर दल्लीराजहरा नगर के भ्रमण के लिए प्रस्थान हुए जहाँ दल्ली बाबा मंदिर दल्ली गार्डन गये और कुछ समय बिताये और वहाँ बहुत सी जानकारी तथा लौह अयस्क का नमूना लेकर वापस लौट आये।

अनिल कुमार / सिरिन कुमार / आशीष सोनी / हेमंत साहू – बी.ए. भाग – 3

मानव एवं पर्यावरण

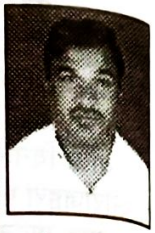

पर्यावरण दो शब्द परि + आवरण से मिलकर बना है परि का अर्थ चारों ओर व आवरण का अर्थ घिरे होना अर्थात चारों ओर से घिरे होना पर्यावरण है। दूसरे शब्दों में पर्यावरण उन सभी भौतिक रसायनिक एवं जैविक कारकों का सम्मिलित इकाई है जो किसी भी जीवधारी को प्रभावित करते हैं तथा उनके रुप, जीवन और जीविका को तय करते हैं। सामान्य अर्थो में यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक–अजैविक तत्वों, तथ्यों प्रक्रियाओं और धारणाओं के समुच्चय से निर्मित इकाई है। हमारे मानव जीवन की प्रत्येक घटना इसी के अंदर सम्पादित होती है तथा मुनष्य अपनी समस्त क्रिआयों से इस पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं। इस प्रकार मानव एवं पर्यावरण के बीच संबंध होता है।

मानव जीवन पर पर्यावरण का गहन प्रभाव होता है जिसे इस प्रकार से समझा जा सकता है कि पृथ्वी के विभिन्न भागों में निवास करने वाले मानव के शारीरिक संरचना में काफी भिन्नताएँ होती है उदाहरण के लिए यूरोप एवं अमरीका के लोगों के त्वचा रंग सफेद, नाक सुडौल, बाल सीधे एवं सुनहरे, कद ऊँचा होता है। इसी तरह अफ्रीका महाद्वीप के लोगों के त्वचा का रंग काला, नाक चपटा, बाल घुंघराले, कद सामान्य होते हैं। इसी भारत में उत्तर व दक्षिण में निवासरत मानव की शारीरिक रचना भेद देखा जा सकता है। भारत के मध्य से कर्क रेखा गुजरती है भारत दो अलग–अलग पर्यावरण में बाँट देता है इसी वजह से भारत की जलवायु शीतोष्ण तथा दक्षिण में उष्ण जलवायु में पाया जाता है। जो यहाँ निवासरत मानव के शारीरिक संरचना में स्पष्ट दिखाई देता है।

मानव आवास – मानव के अपने मकान किस रुप में होगा इसे पर्यावरण निधारित करता है। भूमध्य रेखीय जलवायु में निवास करने बोरो जाति अपने मकान पेडों के टहनियों में बनाते हैं। सघन वर्षा वाले क्षेत्रों के मकान का छत ढालू सामान्य वर्षा के क्षेत्र चौरस छत के मकान बनाते हैं। इसी तरह टुण्ड्रा प्रदेश के लोग बर्फ के टुकड़ों से अपना मकान बनाते हैं। इस तरह भारत के अलग–अलग क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों का मकान अलग–अलग प्रकार के होते हैं।

मानव भोजन एवं पर्यावरण – पृथ्वी के विभिन्न भागों में निवास करने वाले मानव के भोजन में भिन्नता का पाया जाना उस स्थान के पर्यावरण का परिणाम होता है। उदाहरण के लिए – एस्किमों लोगों का भोजन शिकार से प्राप्त कच्चा मांस होता है। खिरगिज एवं मसाई लोगों का भोजन मांस, दूध का अंश ज्यादा होता है दक्षिण पूर्व एशिया के ज्यादातर लोग के भोजन में चावल मुख्य होता है। शीतोष्ण जलवायु अर्थात यूरोप, अमेरिका के निवासियों के भोजन में गेहूं, मक्का, ज्वार का अंश ज्यादा होता है। इस प्रकार भारत उत्तर दक्षिण व पूर्व पश्चिम में निवास करने वाले लोगों के भोजन में अलग–अलग अनाज शामिल होता है।

इसी तरह पर्यावरण मानव के कार्यक्षमता, बुद्धि, व्यवसाय, विचार, भाषा, संस्कृति आदि पर गहन प्रभाव डालता है। वर्तमान में बढती जनसंख्या तथा भौतिक सुख–सुविधा की लालसा में आज का मानव द्वारा पर्यावरण का अतिदोहन किये जाने के परिणाम स्वरुप कई तरह के पर्यावरणीय समस्या पैदा हो गई है। जिसका प्रभाव सीधे जीव जगत पर पड रहा है। अतः पृथ्वी पर सभी जीवजगत के लिए पर्यावरण सन्तुलन को बनाये रखने के लिए हम सबको अपना दायित्व अवश्य निभाना चाहिए।

एन. के. साकरे, सहायक प्राध्यापक भूगोल
शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी

भारतीय अर्थव्यवस्था में विमुद्रीकरण का प्रभाव

जब सरकार पुरानी मुद्रा को कानूनी तौर पर बन्द कर देती है और नई मुद्रा लाने की घोषणा करती है तो इसे विमुद्रीकरण (Demonetization) कहते हैं। "जब किसी भी देश में कालेधन की एक समानान्तर अर्थव्यवस्था खड़ी हो जाती है और अर्थव्यवस्था में जाली मुद्रा हद से अधिक बढ़ जाती है तब नोटबंदी यानी विमुद्रीकरण की जाती है जिसके अन्तर्गत मुद्रा को तुरन्त प्रभाव से बद कर नई मुद्रा जारी की जाती है। इसके बाद पुरानी मुद्रा अथवा नोटों की कोई कीमत नहीं रह जाती है। हालाकि सरकार द्वारा पुराने नोटों को बैंकों से बदलने के लिए लोगों को समय दिया गया है ताकि वे अमान्य हो चुके अपने पुराने नोटों को बदल सकें।

ऐसा ही साहसिक फैसला 08 नवम्बर 2016 को माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ली। जिसके माध्यम से आम जनता अपना नोट बैंक या पोस्ट आफिस में बदल सके। जिससे देश में प्रचलित 500 रुपये और 1,000 रुपये के नोटबंद करने की घोषणा की जिसे अर्थशास्त्र की भाशा में विमुद्रीकरण कहा जाता है। आर. बी. आई गर्वनर उर्जित पटेल ने भी सरकार की इस घोषणा का समर्थन किया। इसके बाद सरकार 500 रुपये और 2,000 रुपये के नए नोट भी बाजार में लाये ।

विमुद्रीकरण क्यों – कालाधन भ्रष्टाचार, नकली नोट और आतंकवादी गतिविधियों पर अकुश लगाने के लिए सरकार विमुद्रीकरण का फैसला लेती है। अवैध गतिविधियों में संलग्न लोग नोटों को अपने पास ही रखते हैं ऐसे में विमुद्रीकरण से सीधे उन पर चोट आती है। कई बार नकद लेन देन को हतोत्साहित करने के लिए भी नोटबंदी की जाती है। केन्द्र की मोदी सरकार को भी उम्मीद है कि नोटबदी से कालेधन, नकली नोट और आतंकवाद पर अंकुश लगेगा। हालांकि नोटबंदी के चलते आम आदमी को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। केन्द्र सरकार अपने इस फैसले से नकद लेन देन को भी हतोत्साहित करने की कोशिश कर रही है। कई देशों में विमुद्रीकरण बेहद आम प्रक्रिया मानी जाती है। प्राचीन काल के आचार्य चाणक्य से लेकर आधुनिक काल के भीमराव आम्बेडकर तक ने नोटबंदी को अर्थव्यवस्था का एक मुख्य चरण बताया है जिससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में नवजीवन की उत्पत्ति होती है ।

भारत में कब–कब हुई नोटबंदी – भारत में पहली बार सन् 1946 मे 500 रुपये, 1,000 रुपये और 10,000 रुपये के नोटों को बंद करने का फैसला लिया गया था । सन् 1970 के दशक मे भी प्रत्यक्ष कर की जॉच से जुडी वांचू कमेटी ने विमुद्रीकरण का सुझाव दिया था। लेकिन सुझाव सार्वजनिक हो गया जिसके चलते नोटबंदी नहीं हो पाई। जनवरी 1978 में मोरारजी देसाई की जनता पार्टी सरकार ने एक कानून बनाकर 1,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये के नोट बंद किए। हालांकि तत्कालीन रिजर्व बैंक आफ इंडिया के गर्वनर आई.जी.पटेल ने इस नोटबंदी का विरोध किया था। कई बार सरकार पुराने नोटों को एकदम बद करने के बजाय धीरे–धीरे बंद कर देती है। 08 नवम्बर 2016 को तीसरी बार यह घोषणा भारत मे की गई है। जिसमें 500 रुपये व 1,000 रुपये के नोटों को बंद कर दिया गया।

अन्य देशों में भी बदले जा चुके है नोट – विमुद्रीकरण का राष्ट्रीय स्तर पर पहला अनुपालन वर्ष 1982 में आफ्रीकी देश घाना में किया गया। कर चोरी को रोकने के लिए 50 सेंडी (घाना की मुद्रा) को मुद्रा को अवैध घोषित किया गया। लोगों को नई मुद्रा प्राप्त करने तथा पुरानी मुद्रा को बैंकों में जमा करने का निर्देश किया गया ।

वर्ष 1984 में नाइजीरिया के सैन्य शासन ने भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए पुराने नोटों का प्रचलन बंद कर नए नोटों का प्रचलन आरम्भ किया। इस प्रक्रिया में मुद्रास्फीति तेजी से बढ़ी और एक विद्रोह में तत्कालीन सैन्य शासक को अपनी सत्ता त्यागनी पड़ी ।

वर्ष 1987 में म्यामांर में विमुद्रीकरण को अपनाया गया । देश के 80 प्रतिशत नोटों को जो प्रचलन में थे, परिचालन से बाहर किया गया। काला बाजारी तथा कालेधन को समाप्त करने के उद्देश्य के आरम्भ इस आर्थिक प्रक्रिया के विरोध में तीव्र प्रदर्शनों का दौर देश में आरम्भ हुआ ।

वर्ष 1990 के दशक में जायरे आर्थिक मंदी विवादों का रहा। वर्ष 1993 में जायरे ने भी विमुद्रीकरण की प्रक्रिया को अपनाया जिसके फलस्वरुप मुद्रास्फीति तथा विनिमय दरों के तेजी से गिरने के कारण देश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई ।

THE RED DUST POISON

Doundi being next to mining area of Dalli Rajhara and Kacche faces a very heavy traffic on its extremely poorly maintained roads. They are open iron ore mines from where iron is supplied to Bhilai steel plant. The environmental responsibility of mining operations is to protect the air, land, and water. Methods of mining and movements of traffic affect air quality. When the soil is removed, during mining process, the vegetation is also removed, which exposes the soil to the weather, causing particulates to become airborne through wind erosion and road traffic. Since this area is a mining place for Bhilai Steel Plant Dust and particulate matter has been a major cause for air pollution in this region.

These are photographs of road from Dallirajhara to Doundi showing air pollution which the people are facing every day. Appears like a cloud of red dust at Doundi and the neighboring areas.

The vicinity level is reduced which can result in a lot of road accidents. There are several health issues of breathing continuously in the dust. The type and size of a dust particle determines how toxic the dust is. However the possible harm the dust may cause to health is mostly determined by the amount of dust present in the air and how long one have been exposed to it. Dust particles small enough to be inhaled may cause: irritation of the eyes, coughing, sneezing, hay fever and asthma attacks. Breathing in high concentrations of dust over many years is thought to reduce lung function in the long term and contribute to disorders like chronic bronchitis and heart and lung disorders.

Effect of dust on vegetation:

These photos show clearly the amount red dust is being deposited on the plants near the roads. Second photo is of forest tree situated at a distance of 150 mts from the road. This deposition of dust is adversely affecting the natural vegetation of the region and their productivity.

Stomata gets physically blocked reducing rate of photosynthesis and respiration. which reduces fresh weight of the plants. It causes leaf spot diseases and fungal infection to the plant. It reduces tissue starch, the vegetative and reproductive growth is reduced. The overall productivity is reduced. In some plants pollen germination is affected.

All these problems can be minimized if there is proper maintenance of roads. This region in particular is a boon to the people of Chhattisgarh as it is providing precious iron ore to BSP. It has helped the state to improve its finances and progress. Thus, the environmental responsibility of mining operations is to protect the air, land, and water of this region.

Dr. Charulata Pillip.

सोवियत संघ (रुस) में मिखाइल गोर्बाच्यो ने जनवरी 1991 में उच्च मूल्य वर्ग के रुबल को प्रचलन से बाहर किया इसका उद्देश्य "कालेधन" पर रोक लगाना था। वर्ष 2010 में उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग इत ने पुरानी मुद्राओं के दो शून्य वाले वर्ग को समाप्त करने की घोषणा की ।

विमुद्रीकरण का उद्देश्य –

1) कालेधन की समस्या से निजात पाना – वर्तमान विमुद्रीकरण से काले धन की समस्या के समाधान में सहायता मिलेगी। पहले की मुद्रा में संचित अघोषित धन या तो बैंक के माध्यम से सरकार के पास पहुँचेगा या स्वतः समाप्त होगा। अतः कालेधन की गलत प्रवृत्ति से सामना करना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।

2) नकली मुद्रा का प्रचलन से बाहर करना – वर्तमान समय में माना जाता है कि लगभग 14 से 16 प्रतिशत नकली मुद्रा प्रचलन मे है । इससे अर्थव्यवस्था में कई समस्याएँ उत्पन्न होती है। ग्रेशम के नियम के अनुसार नकली मुद्रा असली मुद्रा को प्रचलन से बाहर कर देती है।

3) आतंकवाद के वित्तीय स्त्रोत को समाप्त करना – वर्तमान समय में आतंकवाद तथा अलगाववाद भारत के लिए गभीर समस्या बन गई है। इन आतंकवाद का वित्तीय स्त्रोत मुख्यतः कालाधन तथा नकली मुद्रा है। विमुद्रीकरण से आतंकवाद की फण्डिंग करना सरल नहीं होगा। अतः आतंकवाद को रोकना इस योजना का मूल उद्देश्य है।

4) चुनाव में धन के गलत प्रयोग को रोकना – सामान्यतः भारतीय चुनाव में एक गलत प्रवृत्ति देखने को मिलती है, वह है धन का अनुचित प्रयोग । कालेधन का अनुचित प्रयोग कर चुनाव जीते जाते हैं। चुनाव में काले धन के प्रयोग को रोकने में यह योजना सहायक होगी ।

विमुद्रीकरण के प्रभाव – वर्तमान विमुद्रीकरण की प्रक्रिया अब तक के भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा विमुद्रीकरण मानी जा रही है इस योजना के व्यापक प्रभाव सामने आ सकते हैं। इसके कुछ प्रभाव दीर्घकालिक होंगे तो कुछ अल्पकालिक– जैसे 1) वर्तमान विमुद्रीकरण से भारत की लगभग 86 प्रतिशत मुद्रा बदल गई है। इससे कालाधन तो प्रभावित होगा ही, साथ ही बड़े धनकुबेरों की अघोशित आय प्रभावित होगी। 2) वर्तमान में विमुद्रीकरण योजना से सरकार की आय में वृद्धि होगी। इससे सरकार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा सरकार अन्य सामाजिक तथा आर्थिक कार्य करने में ज्यादा सक्षम होगी। 3) इस नीति का सकारात्मक प्रभाव आम जनता तथा कालेधन के संचयकर्ता पर ही होगा, उसे यह विश्वास हो जायेगा कि कोई भी मुद्रा ज्यादा सुरक्षित नहीं है। अतः धन संचय के बजाय निवेश को बढ़ावा मिलेगा। 4) काले धन का उपयोग अधिकतर रियलस्टेट शैडो कम्पनी आदि में होता है। विमुद्रीकरण में कमी आयेगी तथा धन का उपयोग अन्य गतिविधियों में किया जाएगा। अतः अर्थव्यवस्था के चहुमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। 5) विमुद्रीकरण से भ्रष्टाचार में कमी आयेगी ।

विमुद्रीकरण से वर्तमान में चुनौतियाँ – विमुद्रीकरण की प्रक्रिया अपनाने से देश की सरकार को कई चुनौतियाँ का सामना करना पड़ रहा है कुछ तात्कालिक चुनौतियाँ इस प्रकार से हैं –

(1) विमुद्रीकरण की प्रक्रिया अपनाने से देश में तरलता की एकाएक कमी आई है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिविधियाँ धीमी हो गई है।

(2) वर्तमान में विमुद्रीकरण की प्रक्रिया से लगभग 86 प्रतिशत तरलता समाप्त हो चुकी है और 14 प्रतिशत तरलता का बहुत दिनों तक बना रहना अर्थव्यवस्था तथा देश दोनों के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

(3) सरकार द्वारा बिना पूर्व तैयारी के एकाएक तरलता समाप्त करने अर्थात विमुद्रीकरण से आमजनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अंत में निष्कर्ष रुप में कहा जा सकता है कि विमुद्रीकरण की प्रक्रिया कोई भी देश की सरकार तब अपनाती है जब देश में कालेधन की मात्रा बढ़ जाती है जिसके चलते भ्रष्टाचार, आतंकवाद जैसे असामाजिक तत्वों को बढ़ावा मिलता है और इससे देश की अर्थव्यवस्था की विकास गति धीमी पड़ जाती है। वर्तमान में देश में विमुद्रीकरण की जो प्रक्रिया अपनायी गई है उसका भी उद्देश्य कालेधन पर अंकुश लगाना है। ताकि भ्रष्टाचार आतंकवाद को नियंत्रित किया जा सके।

यह आलेख विभिन्न विद्वानो के विचारों एवं इंटरनेट से प्राप्त आलेख से लिया गया है।

विनोद कुमार कोमा, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र

संस्था के छात्र–छात्राओं की उपलब्धियाँ

लक्ष्मण कुमार	बी.ए. भाग – 2	सेना में चयन
धनश्याम कुमार	बी.ए. भाग – 3	डायवर्सन विभाग लिपिक में चयन
तोमन सोम	बी.ए. भाग – 3	मंत्रालय मे लिपिक
ढेमन लाल	बी.ए. भाग – 3	कर्मचारी चयन आयोग में चयन
टेकराम बढ़ई	बी.ए. भाग – 3	व्याख्याता पंचायत
ललित खरासू	बी.ए. भाग – 3	व्याख्याता पंचायत
दिव्या	बी.ए. भाग – 3	स्टेनो टायपिस्ट
अर्चना सलाम	बी.एस–सी. – 3	शिक्षक पंचायत
साधना तारम	बी.एस–सी. – 3	शिक्षक पंचायत
नवीन पसीने	बी.ए. भाग – 3	पटवारी

शिक्षा एंव समाज

शिक्षा और समाज दोनों एक दूसरे के पूरक हैं ,शिक्षा का समान्य अर्थ होता है संस्कारवान बनाना एंव शिक्षित करना। समाज का मतलब समाजिक रीति रिवाजों का पालन करते हुए जीवन यापन करना व अपने समाज व देश को समय के अनुसार आगे बढ़ाना अर्थात शिक्षा व समाज दोनों का उद्देश्य समाजिक वातावरण को उन्नत वातावरण के साथ ढालना है।

शिक्षा व्यक्ति को नवीन धारणाएँ व नवीन विचार प्रदान करती है। समाज उन विचार व धारणा को अपने मे समाहित कर समाज को उन्नति की राह में ले जाते है अर्थात शिक्षा का अर्थ पढ़ना व लिखना ही नहीं है वरन् समाजिक रीति रिवाजों व सामाजिक रूप से दक्ष होना भी है। ताकि आप एक अच्छे व नवीन समाज का निर्माण कर सकें और पूर्ण रूप से शैक्षणिक व्यक्तित्व को प्राप्त कर सके। अतः शिक्षा व समाज दोनों का ही विकास हमारे लिए अति अवश्यक है। आज हमारे देश मे इस प्रकार की स्थिति है कि कही आतंकवाद, कहीं नक्सलवाद और अन्य प्रकार की घटनाएँ घटित हो रही है। अतः देश विकास के लिए शिक्षा व समाज दोनों को ही उन्नत होना अतिआवश्यक है तभी हम अच्छे राष्ट्र की कल्पना कर सकते हैं।

कु. नीता गावड़े, बी.कॉम – 02

सत्र 2017–2018 में
राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की गतिविधियाँ

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी जिला – बालोद (छ.ग.) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 को होने वाले विभिन्न गतिविधियों की जानकारी इस प्रकार है – सत्र 2017–2018 में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत 113 स्वयं सेवक पंजीकृत है जिसमें 44 छात्र एवं 69 छात्राए है जिसमें "बी" प्रमाण पत्र हेतु 23 छात्र–छात्राए एवं 02 छात्र एवं 01 छात्रा "सी" प्रमाण पत्र हेतु पंजीकृत हुए है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्रति शनिवार एवं अवकाश के दिनो में नियमित गतिविधियों का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री व्ही. के. कोमा एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र के दिशा निर्देश में किया जाता है। नियमित गतिविधियों के तहत वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण, महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई, बौद्धिक परिचर्चा, सामाजिक जागरुकता रैली, अतिथि व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाता है ताकि स्वयं सेवकों का व्यक्तित्व विकास हो सके।

योग दिवस – राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय में 21 जून 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के विभिन्न क्रियाओं की जानकारी दी गई जिसमें ग्रीवा चालन, स्कंध चालन, कटि चालन, भडासान के साथ–साथ योगासन के अन्तर्गत ताडासान, वृक्षासन, पाद हस्तासन, भ्रामरी, अनुलोम विलोम एवं कपाल भारती इन क्रियाओं को नियमपूर्वक अभ्यास कराया गया। साथ एक छात्र मिलन कुमार एवं एक छात्रा रुखमणी ने राज्य स्तरीय योग शिविर में भाग लेने के लिए इंदिरा कृषि विश्वविद्यालय रायपुर जाकर महाविद्यालय का नेतृत्व किये।

वृक्षारोपण – महाविद्यालय के रासेयो इकाई द्वारा 15 जुलाई 2017 को महाविद्यालय परिसर में 110 पौधों का रोपण किया गया साथ हरियर छत्तीसगढ़ योजना के अन्तर्गत ग्राम औराटोला में 40 पौधों का रोपण किया गया जिसमें छायादार, फलदार एवं औषधी पौधे थे। इस अवसर पर वृक्षारोपण के महत्व को प्राचार्य द्वारा छात्र–छात्राओं को बताये।

स्वच्छता पखवाडा – शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय में दिनॉक 01 अगस्त से 15 अगस्त 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाना है जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों के द्वारा किया गया जिसमें महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्र–छात्राए भी सम्मिलित हुए –

1) दिनॉक 01 अगस्त 2017 को महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सभी स्टाफ एवं समस्त छात्र–छात्राओं को स्वच्छता अभियान के महत्व को बताये। इसके बाद सभी को स्वच्छता का शपथ दिलाया गया।
2) दिनॉक 05 अगस्त 2017 को स्वच्छता पखवाडा के अन्तर्गत महाविद्यालय में ग्रंथालय, प्रयोगशाला, कार्यालय, शौचालय की साफ–सफाई कर स्वच्छता के प्रति संदेश दिये।
3) दिनॉक 10 अगस्त 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवको ने "स्वच्छ भारत मिशन" की थीम पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 64 स्वयं सेवको ने भाग लिया। एक दिवसीय शिविर में स्वयं सेवकों ने गोद ग्राम खैरवाही के लोगों के साथ मिलकर गॉव के सडको, नालियो, हैण्डपम्पों के आसपास साफ–सफाई कर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरुक किये साथ ही स्वच्छता जागरुकता रैली भी गॉव में निकाला गया।

4) दिनॉक 12 अगस्त 2017 को राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने डौण्डी नगर के सार्वजनिक स्थल– बस स्टैण्ड एवं राम मंदिर के आसपास साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश नगर वासियों को दिया।

5) दिनॉक 14 अगस्त 2017 को महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय से डौण्डी नगर पर स्वच्छता जागरुकता रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किये।

स्वच्छता अभियान – उच्च शिक्षा के दिशा निर्देश पर महाविद्यालय में महीने में 02 दिन (प्रति पखवाड़ा) स्वच्छता जागरुकता अभियान कार्यक्रम चलाया जाना है, जिसके अन्तर्गत प्रति पखवाड़ा महाविद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम रासेयो इकाई एवं महाविद्यालय द्वारा किया जाता है, जिसमें महाविद्यालय परिसर की साफ–सफाई किया जाता है, साथ ही छात्र–छात्राओं के बौद्धिक विकास हेतु व्याख्यान का आयोजन भी किया जाता है।

शिक्षक दिवस – महाविद्यालय में 05 सितम्बर 2017 को राष्ट्रीय स्वयं सेवकों एवं छात्र–छात्राओं ने शिक्षक दिवस मनाया । सर्वप्रथम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलयित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। छात्र–छात्राओं द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया साथ ही गुरु–शिष्य की महिमा पर व्याख्यान भी हुआ।

स्वच्छता ही सेवा है– महाविद्यालय में दिनॉक 15 सितम्बर 2017 से 02 अक्टूबर 2017 तक स्वच्छता ही सेवा है थीम पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिनॉक 15 अगस्त 2017 को स्वच्छता का शपथ दिलाया गया तथा दिनॉक 16 सितम्बर 2017 को छात्र–छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता के प्रति एक होकर कार्य करने का संदेश दिया, साथ ही महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती – महाविद्यालय में 25 सितम्बर 2017 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर उपाध्याय जी के विचारों को छात्र–छात्राओं को बताया गया।

गांधी जयंती – महाविद्यालय में 02 अक्टूबर 2017 को गांधी जंयती एवं शास्त्री जी की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर उनके विचारों को याद किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र के मार्गदर्शन एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी श्री व्ही. के. कोमा नेतृत्व में महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर रासेयो के स्वयं सेवकों, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित हुए।

कैरियर काउंसलिंग – महाविद्यालय में 25 अक्टूबर 2017 को छात्र हित में कैरियर काउसंलिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डी.एम. आई.टी. हैदराबाद की टीम द्वारा छात्र–छात्राओं को पढाई के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास के बारे में जानकारी दी गई।

सात दिवसीय शिविर – शासकीय महाविद्यालय डौण्डी के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम कामता में दिनॉक 27/10/2017 से 02/11/2017 तक हुआ। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी व्ही. के. कोमा के निर्देशन में आयोजित हुआ,जिसमें 50 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। ''स्वच्छता ही सेवा '' के थीम पर आधारित शिविर में मुख्य रुप से स्वच्छता जागरुकता पर विशेष कार्य किया गया। शिविर में परियोजना कार्य के अंतर्गत गांव के सड़कों, नालियों, हैण्डपम्पों के आस–पास साफ–सफाई कर स्वच्छता के प्रति गांव वालों को जागरुक किये। दोपहर में बौद्धिक परिचर्चा में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने विभागों से सम्बधित जानकारी स्वयं सेवकों एवं ग्रामवासियों को दिये साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामवासियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, अंधविश्वास एवं स्वच्छता पर आधारित नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिये। दिनॉक 31/10/2017 को शिविर अवधि में ही सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर बौद्धिक चर्चा के दौरान उन्हें याद करते हुए व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें स्वयं सेवको ने भाग लिये साथ ही राष्ट्रीय एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया।

बाल दिवस – राष्ट्रीय स्वयं सेवको ने 14 नवम्बर को बाल दिवस के अवसर पर गोद ग्राम खैरवाही के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के बच्चों के साथ बाल दिवस मनाये। इस अवसर पर सबसे पहले चाचा नेहरु के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात छात्र–छात्राओं को तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। साथ ही बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक शाला के प्रधान पाठिका श्रीमती रजमत मसियारे एवं समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

मतदाता जागरुकता रैली – राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनॉक 21 नवम्बर 2017 को स्वीप प्लान के अन्तर्गत मतदाता का प्रतिशत बढ़ाने एवं एक–एक वोट का महत्व समझाने के लिए महाविद्यालय से डौण्डी नगर तक मतदाता जागरुकता रैली निकाली गयी। इसके अन्तर्गत स्वयं सेवको ने मतदान का प्रतिशत बढ़ाने लोगों को जागरुक किया गया।

संविधान दिवस – दिनॉक 26 नवम्बर 2017 को महाविद्यालय में रासेयो इकाई द्वारा संविधान दिवस मनाया गया। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के छायाचित्र में माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक श्री योगेश्वर साहू जी द्वारा संविधान की प्रस्तावना पढ़कर सबकों सुनाया गया। साथ ही प्राध्यापको द्वारा संविधान के महत्व को बताया गया।

एड्स दिवस – दिनॉक 01 दिसम्बर 2017 को महाविद्यालय में एड्स दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी के डॉ. आई. चन्द्राकर एवं श्री के. एल. कुरपाल द्वारा एड्स के लक्षण एवं बचाव के उपाय बतायें गये साथ ही छात्र–छात्राओं से अपील किये की एड्स के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरुक करें।

स्वीप प्लान के अन्तर्गत विविध कार्यक्रम – महाविद्यालय में दिनॉक 08 दिसम्बर 2017 को जिला निर्वाचक अधिकारी बालोद के आदेशानुसार स्वीप प्लान के तहत विविध विधाओं का आयोजन महाविद्यालय में किया गया जिसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इन विधाओं में निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, नारा लेखन एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने हेतु तथा छात्र–छात्राओं को वोट का महत्व बताने के लिए डौण्डी तहसील के तहसीलदार श्रीमान सोनित मेरिया जी उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय युवा दिवस – दिनॉक 12 जनवरी 2018 को स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिन को युवा दिवस के रुप में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर प्राध्यापकों एवं स्वयं सेवकों द्वारा स्वामी विवेकानंद के विचारों एवं सिद्धांतो पर प्रकाश डाला गया। साथ ही स्वयं सेवकों के बौद्धिक विकास के लिए रंगोली, निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस – महाविद्यालय में दिनॉक 25 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. यू. के. मिश्र द्वारा भावी मतदाता एवं महाविद्यालय के सभी सदस्यों को निर्भीक एवं शांतिपूर्ण मतदान करने हेतु शपथ दिलाया गया। साथ ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस क्यों मनाया जाता है इस पर भी अपने विचार रखें।

विनोद कुमार कोमा ,कार्यक्रम अधिकारी (रासेयो)

आहार संयम - स्वास्थ्य की कुंजी

संतुलित आहार (Balanced Diet) :-

संतुलित आहार एक ऐसा आहार होता है जो हमारे शरीर को जरुरी पोषक तत्व देने मे मदद करता है।

संतुलित आहार के लाभ (Balanced Diet Benefits) :-

1. शरीर को अच्छे से काम करने के लिये।
2. कोशिका ऊतको एवं अंगो का विकास के लिये।
3. वजन नियंत्रित करने के लिये।
4. शरीर को ऊर्जा प्रदान करने के लिये।
5. अच्छी नींद को बढ़ावा देना।
6. उपापचय के सुधार के लिये।
7. प्रतिरोधक क्षमता बनाये रखने के लिये।

संतुलित आहार चार्ट :-

निम्न लेवल – इसमें अनाज शामिल है जैसे – जौ, बाजरा, चावल।

दूसरा लेवल – इसमें फल और सब्जियॉ शामिल है जो कि विभिन्न विटामिन और खनिजो के बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है।

तीसरा लेवल – यह लेवल मूल रुप से उन खाद्य पदार्थो का है जो प्रोटीन के स्रोत होते है। जैसे – दाल, दुध, दही, राजमा व लोबिया, मेवा सोयाबीन, मूंगफली, अंडा, चिकन मछली आदि शामिल है।

शीर्ष लेवल – चीनी और नमक के साथ इस चरण में वसा और तेल शामिल है। यह लेवल सबसे ऊपर इसलिये है क्योंकि यह दर्शाता है कि इसमें शामिल भोजन आवश्यक है पर इन्हे कम मात्रा में लिया जाना चाहिए।

संतुलित आहार के घटक (Component of Balance Diet) :-

इसमें कार्बोहाइड्रेट और वसा जैसे ऊर्जा देने वाले पोषक तत्व प्रोटीन शरीर निर्माण के लिए तथा विटामिन खनिज–लवण के अतिरिक्त जल महत्वपूर्ण घटक है।

कार्बोहाइड्रेट :-

यह शरीर के लिये मुख्य ऊर्जा स्रोत होता है कार्बोहाइड्रेट सम्पूर्ण अनाजो में शामिल होता है। जैसे – ब्राउन चावल, गेहूँ रागी, ज्वार, बाजरा, दलिया आदि। इसलिये कार्बोहाइड्रेट को नजर अंदाज न करें।

वसा :-

वसा, ऊर्जा और विटामिन प्रदान करता है और हार्मोन को संश्लेशित रखता है। यह कम मात्रा में आवश्यक है। अखरोट, जैतून तेल, मछली तेल, वनस्पति तेल आदि से प्राप्त होता है वनस्पति तेल शरीर के लिये नुकसान दायक है इसके बदले में खाना पकाने के लिये अपरिष्कृत या प्रेस्ड तेल का इस्तेमाल कर सकते है जिसमें पोषक तत्व शामिल होते है।

प्रोटीन :-

इसे Body Building food Material के नाम से जाना जाता है जो शरीर की कोशिकाओं को बनाये रखने और नई कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है। प्रारम्भिक दौर के बच्चो किशोरावस्था और गर्भावस्था के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। रोज आहार में 30 से प्रतिशत प्रोटीन का मिश्रण होना चाहिए।

प्रोटीन – दाल, चना, मटर, सेम, मूंगफल्ली, दूध, अंडे, मछली आदि में पाया जाता है।

विटामिन और खनिज :-

ये सूक्ष्म पोषक पदार्थ चयापचय, तंत्रिका और मांसपेशी हड्डियों के रखरखाव और सेल उत्पादन को बढ़ाने में मदद करते है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियॉ विटामिन और खनिज के प्राथमिक स्रोत है। इसके आलावा विटामिन शरीर के विभिन्न जरुरतो को पूरा करते है। उदाहरण के लिये – विटामिन A ऑखों के लिये, विटामिन C स्वस्थ त्वचा के लिये, विटामिन D हडिडयों और दांतो की मजबूती के लिये, विटामिन K रक्त के थक्का जमने के लिये, विटामिन E Fertility के लिये।

पानी :-

पानी हमारे अस्तित्व के लिये आवश्यक है और इसे पर्याप्त मात्रा में लिया जाना चाहिये। मानव शरीर का 70 प्रतिशत भाग जल है। रोजाना 8 से 10 गिलास पानी पीना चाहिये। पानी शरीर के कार्यो को सुचारु रुप से चलाता है।

रुक्षांश (Rouphage) :-

फाइबर यानी रेशेदार भोज्य पदार्थ। इनसे न केवल शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा मिलती है बल्कि पेट साफ रहता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। ये डाइबिटीज, अस्थमा, हृदय रोग और केंसर को दूर भगाने में भी सहायक है।

संतुलित आहार से जुड़े कुछ प्रश्न (Question's Related to Balance Diet) :-

पहला प्रश्न – आप संतुलित आहार कैसे खाते है ?

संतुलित आहार खाने के लिये निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिये।

1. खाद्य पदार्थो के स्वस्थ विकल्प चुनें।
2. अपने आहार में सभी पोषक तत्व शामिल करें।
3. अपने प्रत्येक भोजन के सेवन पर नजर रखें।
4. अतिरिक्त चीनी और पैक किये गये खाद्य पदार्थो से बचें।
5. अपनी प्लेट में कई तरह के खाद्य पदार्थो को शामिल करें।

दूसरा प्रश्न – आप कैसे खाते है ?

अच्छे से खाना सिर्फ भोजन पर ही नहीं नीचे दी गई बातों पर भी निर्भर करता है।

1. भोजन को कभी न छोड़े।
2. हमेशा एक संतुलित आहार का पालन करें।
3. अधिक सब्जियॉ और फल खाऐं।
4. गैस से भरे पेय पदार्थो से बचें।

तीसरा प्रश्न – आहार में क्या खाना चाहिए ?

खाद्य पदार्थ न केवल उचित आहार बनाये रखने में मदद करते है बल्कि वजन भी कम करते है।

1. पत्तेदार सब्जियॉ
2. ब्रीक्स

भोजन और स्वास्थ्य :-

हमारा भोजन वह आधार है जिससे शरीर का निर्माण होता है। चरक संहिता के अनुसार किसी भी रोग के मुक्ति के लिये उचित आहार लेने का अत्यन्त महत्व है। औषधि के प्रयोग से मिलने वाला लाभ उचित आहार से ही मिल सकता है।

प्रो. राधेश्वरी देशमुख, सहायक प्राध्यापक (जन्तुविज्ञान)

मतदाता जागरुकता - एक अपील

महाविद्यालय में शिक्षा का उद्देश्य उपाधि प्रदान करना और इस उपाधि से रोजगार प्राप्त करना मात्र नहीं है, अपितु किशोर अवस्था से आये विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से एक जिम्मेदार और जागरुक नागरिक के रुप तैयार करना भी है।

एक जिम्मेदार और जागरुक नागरिक मतदान के माध्यम से देश की दशा और दिशा तय करता है। इसलिये मतदान के प्रति सही दृष्टिकोण अपनाना अति आवश्यक है। इस हेतु मतदान की कसौटी की आवश्यकता होती है और मतदान करने की सिर्फ एक ही कसौटी है और वह है, "विकास"।

विकास बहुत ही वृहद शब्द है, पर आप मतदान करने जब जाये तो आप अपने जीवन में झाँककर विकास को समझ सकते है। आप जब सुबह उठते है तो सर्वप्रथम आपकी नजर घर के छत पर जाती है। आपके घर का छप्पर विकास की कसौटी है, सुबह पानी की आवश्यकता होती है, पानी की उपलब्धता है विकास की कसौटी। घर से निकलते ही गली की सडक और नालियाँ है विकास की कसौटी। आपके गाँव में शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा है विकास की कसौटी। आपके घर व खेतों में बिजली सुविधा है विकास की कसौटी। इस प्रकार देखते है कि विकास की परिभाषा है सरकार द्वारा प्राप्त ऐसी मूलभूत सुविधा जो हमें गरिमामय स्वस्थ और स्वच्छ जीवन प्रदान करता है। इस तरह स्वयं आंकलन करें कि कौन सा राजनैतिक दल ऐसी सुविधा मतदान पश्चात् उपलब्ध करा सकता है, उसे ही मतदान करें।

विकास से प्राप्त सुविधायें सबके लिये होती है जैसे – पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि, इसलिये जाति व धर्म के कसौटी पर कभी मतदान न करें। राजनैतिक दल जाति, वर्ग व धर्म के नाम से तुष्टिकरण की राजनीति करते है जिसमें आपके व्यक्तिगत हित की बात करते है। यदि अपने वर्ग विशेष को ध्यान करते हुये मत करेंगें तो देश पीछे के वर्ण व्यवस्था के दोषों से कभी बाहर नहीं आ पायेगा। उस राजनैतिक दल को मत दें, जिसके घोषणा पत्र में सभी कल्याण की बात लिखी हो।

विद्यार्थियों को कभी अपने आप को किसी राजनीतिक दल से नहीं जोड़ना चाहिये। अगर राजनैतिक दल जुड़कर यदि लोक सेवक बनाना चाहते है तभी आप किसी राजनैतिक दल से जुड़े, अन्यथा नहीं। लोक सेवक के रुप को करियर के रुप में चुने बिना राजनैतिक दल से जुडना, मतदान को निरपेक्ष नहीं बनाता है। मतदाता किसी दल से जुडे होने के कारण पूर्वाग्रह से ग्रसित हो जाता है, और अन्य दल के अच्छी बातों को भी विरोध के लिये विरोध करने लगता है जो लोकतंत्र के लिये घातक है।

चुनाव कई प्रकार के होते है पर ज्यादतर नागरिकों का मतदान करने का तरीका एक ही होता है। इसलिये मतदान करते समय चुनाव के प्रकार के अनुसार ही अपना मतदान करें जैसे – स्थानीय पंचायत चुनाव आदि में स्थानीय मुद्दो, आदि का ध्यान रखें। विधानसभा चुनाव में राज्य को ध्यान में रखते हुये मतदान करे, क्योंकि यदि स्थानीय मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करेंगें तो विधानसभा में किसी दल का बहुमत नहीं हो पायेगा, और त्रिशंकु विधानसभा या गठबंधन की सरकार विकास में बाधा उत्पन्न करेगी। इसी प्रकार लोकसभा चुनाव में देश को ध्यान में रखते हुए मतदान करना चाहिये।

अंत में अनिवार्य रुप से मतदान करने की आप सभी को अपील करता हूँ।

प्रो. योगेश्वर कुमार साहू
सहायक प्राध्यापक राजनीति शास्त्र

सत्र 2017–2018 में महाविद्यालय में संचालित प्रमुख गतिविधियाँ

15 अप्रेल 2017 – डॉ. भीमरावअम्बेडकर जयंती पर भाषण प्रतियोगिता एवं भारतीय संविधान संबंधी व्याख्यान।

16 जून 2017 – टेबलेट वितरण।

21 जून 2017 – अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन।

15 जुलाई 2017 – वृक्षारोपण।

01 अगस्त 2017 से 15 अगस्त 2017 – स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन।

14 अगस्त 2017 – प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक स्वच्छता जागरुकता रैली।

08 सितम्बर 2017– नारी सशक्तिकरण के अन्तर्गत महिला रक्षा टीम पुलिस विभाग बालोद के द्वारा महिला पुलिस प्रशिक्षक पद्मा जगत्, थाना प्रभारी श्री खगेन्द्र पठारे, लक्ष्मी पटेल, नागेश्वरी नेताम द्वारा छात्राओं को एक दिवसीय प्रशिक्षण

14 सितम्बर 2017– हिन्दी दिवस पर भाषायी दक्षता हेतु व्याख्यान।

15 सितम्बर 2017 से 02 अक्टूबर 2017– स्वच्छता ही सेवा पर केन्द्रित प्राचार्य द्वारा शपथ ग्रहण, कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद कुमार कोमा एवं स्वच्छादूत ईशू मानकर बी.ए. भाग –। के साथ महाविद्यालयीन प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक स्वच्छता सप्ताह का आयोजन।

19 सितम्बर 2017– अवकाश प्राप्त आई. जी. श्री रवीन्द्र भेड़िया का केरियर सबधी व्याख्यान

24 सितम्बर 2017– राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन।

25 सितम्बर 2017– पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति में व्याख्यान।

03 अक्टूबर 2017– गाँधी–शास्त्री, युगल जंयती पर भाषण प्रतियोगिता एवं व्याख्यान।

27 अक्टूबर 2017 से 02 नवम्बर 2017– राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ग्राम कामता में विशेष सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन।

30 अक्टूबर 2017 से 04/11/2017 – सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन, भ्रष्टाचार मुक्त भारत पर केन्द्रित सत्य निष्ठा की शपथ एवं विविध कार्यक्रम।

01 दिसम्बर 2017– एड्स दिवस का आयोजन।

05 दिसम्बर 2017– क्रांतिवीर कंगला मांझी की जयंती।

09 दिसम्बर 2017– पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में त्वरित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन।

18 दिसम्बर 2017– अल्पसंख्यक अधिकार दिवस में निबंध प्रतियोगिता।

13 दिसम्बर 2017– नगर पंचायत डौण्डी द्वारा आयोजित छोटा भीम कैप्टन क्लीन कम्पेन में निबंध, नारा लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि में महाविद्यालय के छात्र/छात्रा कु. हेमलता, लेखराम साहू, गोरेलाल, दिनेश नागवंशी पुरस्कृत।

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी, जिला–बालोद (छ.ग.)

दुरभाष नं.–07748–299178

Email ID-Kmcollege.doundi@yahoo.in

डौण्डी, दिनांक 08 / 02 / 2018

–: प्रतिवेदन :–

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी जिला बालोद के सहायक प्राध्यापक विनोद कुमार कोमा को स्वीप प्लान के तहत सत्र 2017–2018 में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर घोषणा करने के बाद दिनाँक 07 / 02 / 2018 को जिला निर्वाचन कार्यालय जिला बालोद में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ए. के. घृतलहरे द्वारा 7,000 / – (सात हजार रुपये) एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री एम. आर. पिस्दा निर्वाचक पर्यवेक्षक श्री आर. के. शर्मा, स्वीप प्लान के जिला कोर ग्रूप कमेटी के सदस्य एवं श्री आर. एस. कोस्मा सहायक ग्रेड–02 उपस्थित रहे। स्वीप प्लान के तहत नोडल अधिकारी के रुप में तथा कैम्पस एम्बेसेडर चन्द्रभान के साथ मिलकर महाविद्यालय स्तर एवं ग्रामीण स्तर पर मतदाता जागरुकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन कुशलता पूर्व करने एवं नये मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़वाने का काम किये। साथ ही साथ महाविद्यालय में स्वीप प्लान के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी जिला बालोद के दिशा निर्देश पर मतदाता जागरुकता से संबंधित विभिन्न विद्याओं जैसे – निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, नारा लेखन, वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को मतदान के प्रति जागरुक कर एक–एक वोट का महत्व बताये। साथ ही महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं जिनकी उम्र 01 जनवरी 2018 तक 18 वर्ष पूर्ण हो गये है। उन सभी छात्र–छात्राओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने का कार्य किये। नोडल अधिकारी का पुरस्कार मिलने से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.यू. के. मिश्र, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राओं ने नोडल अधिकारी एवं कैम्पस एम्बेसेडर को हार्दिक शुभकामनाएँ दी है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार हमारे महाविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

स्वीप प्रभारी
विनोद कुमार कोमा
सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र
शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय
डौण्डी, जिला – बालोद (छ.ग.)

06 जनवरी 2018– महाविद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान, पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ. आर.पी. अग्रवाल समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना दुर्ग विश्वविद्यालय दुर्ग का कैरियर निर्माण संबंधी व्याख्यान।

12 जनवरी 2018 – स्वामी विवेकानन्द जयंती समारोह का आयोजन।

18 जनवरी 2018 – छात्र / छात्राओं के सफल होने हेतु जागरुकता लाने के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के अवकाश प्राप्त विभागध्यक्ष प्रो. (डॉ.) चितरंजन कर (साहित्य एवं भाषा अध्ययन काल) का कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में विशेष व्याख्यान।

25 जनवरी 2018– मतदाता जागरुकता दिवस पर महाविद्यालयों में भाषण एवं व्याख्यान स्वीप प्लान के अन्तर्गत जिला कलेक्टर बालोद द्वारा संस्था के सहायक प्राध्यापक एवं एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद कुमार कोमा को जिला स्तर पर मतदाता जागरुकता कार्यक्रम हेतु श्रेष्ठ कार्य करने के लिए प्रमाण पत्र एवं रुपये 7,000 (सात हजार) का पुरस्कार प्राप्त।

19 वीं एवं 20 वीं शताब्दी में सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना (छत्तीसगढ़ के विशेष सन्दर्भ में)

छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत में 19 वीं एवं 20 वीं शताब्दी में सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना को भारतीय इतिहास में परिवर्तन का युग के रूप में जाना जाता है। इन परिवर्तनों के फलस्वरुप ही भारत ने अपनी स्वतंत्रता हासिल की। यह स्वतन्त्रता प्राप्ति भी अनोखी थी, क्योंकि यह स्वतन्त्रता सत्यग्रह और अंहिसा के बल पर प्राप्त किया गया था। इन शताब्दियों में जागृत हुई चेतना का ही परिणाम था कि विश्व शांति तथा लोकतांत्रिक स्वरुप को हमने राजनैतिक आधार बनाया। आगे चलकर भारत व भारत की जनता विश्व बंधुत्व की नीति को अपनाते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर होते गा तथा विश्व पटल पर भारत वर्ष ने अपनी एक अलग छबि बनाई है।

19 वीं एवं 20 वीं शताब्दी काल भारत में पुर्नजागतरण का काल था। भारत में पुर्नजागरण के पिता राजा राम मोहन राय ने सामाजिक सुधार आंदोलन चलाया। सर्वप्रथम भारत में सामाजिक चेतना जागृत हुई। तत्पश्चात् राजनीतिक विकास हुआ। दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, आत्माराम बाहुरंग, महादेव गोविंद रानाडे तथा ईश्वर चंद विद्या सागर जैसे विद्वानों ने लोगों को जागरुक किया।

इस पुनर्जागरण के काल में छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं रहा। छत्तीसगढ़ में भी गुरु घासीदास, पंडित सुन्दरलाल शर्मा, यतियतन लाल, धनी धर्मदास, डॉ. खूबचंद बघेल आदि विद्वानों ने छत्तीसगढ़ में ज्ञान का अलख जगाया। सुन्दरलाल शर्मा को गांधी जी ने अछूतोद्धार के क्षेत्र में अपना गुरु माना। उन्होनें तो गांधी जी के पूर्व ही अछूतोद्धार के क्षेत्र में कार्य करना प्रारम्भ कर दिया था। धनी धर्मदास ने कबीर पंथ को छत्तीसगढ़ के जनमानस से जोड़ा।

प्रो. दीपक कुमार मेश्राम
सहायक प्राध्यापक इतिहास

सत्र 2017–18, 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सुबह 6:00 बजे महाविद्यालय में योग क्लास का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक एवं कर्मचारियों के साथ–साथ छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस प्रकार नये सत्र की शुरूआत समस्त महाविद्यालयीन परिवार द्वारा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ हुआ।

15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में ध्वाजारोहण किया गया तत्पश्चात् गीत, कविता, भाषण इत्यादि छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया, इस देशभक्ति से परिपूर्ण माहोल में मिष्ठान वितरण कर गरिमामय माहोल में राष्ट्रीय पर्व मनाया गया। 6 सितम्बर को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया गया। 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी दिवस मनाया गया एवं छात्र–छात्राओं को हिन्दी की महत्ता बताते हुये हिन्दी बोलने के लिये प्रेरित किया गया।

25 सितम्बर को पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के उपलक्ष्य में समाज में उनके योगदान को याद किया गया तथा महाविद्यालय में इस अवसर पर त्वरित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में तुलसी महिमा को गुणगान किया गया। एवं रामचरित मानस की महत्ता बताते हुए प्राचार्य महोदय ने कहा कि जीवन के हर समस्या का हल इस रामचरित मानस में मिलता है।

नगर पंचायत डौण्डी द्वारा " स्वच्छ सर्वेक्षण 2018 " के अंतर्गत छोटा भीम कैप्टन क्लीन कैम्पेन में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया गया। इस कैम्पेन के अंतर्गत निबंध, लघु कथा, नारा लेखन व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 23.12.2017 को नगर पंचायत डौण्डी द्वारा किया गया, जिसमें महाविद्यालय के निम्न छात्र–छात्राये मेरिट स्थान प्राप्त किये–

1.	कु. हेमलता नेताम	बी.ए.भाग–1	निबंध प्रतियोगिता में प्रथम
2.	लेखराम साहू	बी.ए.भाग–2	निबंध प्रतियोगिता में द्वितीय
3.	गोरेलाल	बी.ए.भाग–2	नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम
4.	कु. कान्ता	बी.ए.भाग–2	लघु कथा प्रतियोगिता में प्रथम
5.	कु. धनेश्वरी	बी.ए.भाग–2	लघु कथा प्रतियोगिता में द्वितीय
6.	दिनेश नागवंशी	बी.ए.भाग–2	पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम
7.	महेन्द्र नायक	बी.ए.भाग–2	पोस्टर प्रतियोगिता में द्वितीय

इसी कम में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा भोपाल द्वारा "वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत का विकास" विशय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बी.ए.भाग 2 के छात्र बलराम राजपूत का निबंध प्रतियोगिता हेतु संबंधित संस्थान भोपाल प्रेषित किया गया है।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस 18 दिसम्बर 2017–18 के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामान्य योजना विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें निम्न छात्रों के नाम अल्पसंख्यक आयोग को प्रेषित किये गये है–

1.	बलराम राजपूत	बी.ए.भाग– 2	प्रथम स्थान
2.	पुलकित यादव	बी.ए.भाग– 1	द्वितीय स्थान
3.	दिनेश नागवंशी	बी.ए.भाग– 2	तृतीय स्थान

महाविद्यालय में दिनांक 9.12.2017 को पं.दीनदयाल उपाध्याय के जीवन के सौ वर्ष होने के उपलक्ष्य में त्वरित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्ण भाग लिया गया। महाविद्यालय में दिनांक 30.10.2017 से 04.11.2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें मेरा लक्ष्य–भ्रष्टाचार मुक्त भारत विषय पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया एवं सत्यनिष्ठा की शपथ ली गयी।

1 दिसम्बर को एड्स दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालयिन छात्र–छात्राओं द्वारा रेड रिबन का प्रतीक चिन्ह बनाया गया एवं बाहर से आये हुए डाक्टरों की टीम महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों द्वारा छात्र–छात्राओं को एड्स के प्रति जागरूकता के संबंध में जानकारी दी गई 05 दिसम्बर को कंगला मांझी जी के जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को उनके शहादत के बारे में जानकारी दी गई और उनकी कर्मभूमि ग्राम बाघमार में हजारों की संख्या में वर्दीधारी सैनिकों के द्वारा रैली निकाल कर उन्हें सम्मान दिया गया। 27 एवं 28 दिसम्बर को महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

12 जनवरी 2018 को युवा दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद जी के देश के प्रति योगदान को याद किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय में रंगोली एवं प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। 4 एवं 5 जनवरी को महाविद्यालय में विभिन्न वार्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें निम्न छात्र–छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया। (लिस्ट संलग्न)

6 जनवरी 2018 को महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जहां छात्र–छात्राओं ने विभिन्न लोक नृत्य, हास्य प्रसंग के माध्यम से अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त किया एवं इस अवसर पर प्रतिभावान छात्रों को मेडल एवं प्रमाण–पत्र देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया।

मोर एन.एस.एस. हे महान

मोर एन.एस.एस. हे महान, कैसे करों गुणगान,
स्वामी जी के राह मा चलिस, दुनियाँ ला बदलबो जी, दुनियाँ ला बदलबो ।
स्वयं सेवक बनके एमन, अपन काम ला खुद करीन, अपन काम ला खुद करीन ।
घर–घर मा जाके एमन, स्वच्छता के संदेश देईस, स्वच्छता के संदेश देईस।
गाँव–गाँव मा जाके एमन, गली–गली ला साफ करिन, गली–गली ला साफ।
गली–गली मा जाके एमन, जागरुकता के नारा लगाइन, जागरुकता के नारा लगाइन ।
निकले हे आशा लेके, होही गाँव हा सुन्दर एक दिन, होही गाँव हा सुन्दर।
गाँव हा सुन्दर होही एक दिन, एन.एस.एस. के परयास मा जी, एन.एस.एस. के परयास मा।

राहुल कुमार, बी.ए. भाग – 3

मेरा सपना-बनना है मुझे प्रधानमंत्री

मेरा एक सपना है, प्रधानमंत्री मुझे बनना है ।

आज ये मैंने ठाना है,
भारतवासियों की सेवा करते जाना है ।
कहीं मेरा पक्का ठौर ठिकाना है,
नदियों सा जीवन अपना, समाज सेवा करते जाना है।
मेरा एक सपना है, प्रधानमंत्री मुझे बनना है ।

आप सबको यह बात आज बताना है, कुछ आशाएँ है मन में मेरे,
कहीं पड़ी शांत इस चेतना को जगाना है ।
कहीं रुकना नहीं बस, प्रधानमंत्री बनने के लिए,
मुझे लोगों की सच्ची सेवा करते जाना है ।
मेरा एक सपना है, प्रधानमंत्री मुझे बनना है ।

भारत के सभी लोगों का परिवार अपना है,
मेरा यह सपना है, प्रधानमंत्री मुझे बनना है।
लोगों में जागरुकता लाना है,
साकार करके यह सपना मुझे दिखाना है ।
मेरा एक सपना है, प्रधानमंत्री मुझे बनना है ।

बलराम राजपूत, बी.ए. भाग – 1

महाविद्यालय परिवार का अभिनंदन

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी में अध्यक्ष सहकारी समिति मर्यादित बैंक डौण्डी के रूप में छात्रहित में वाटर कूलर प्रदान कराने एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहयोग करने का सौभाग्य मुझे मिला है । पत्रिका प्रकाशन पर मैं महाविद्यालय परिवार का अभिनंदन करता हूँ ।

रेवाराम रावटे

THOUGHT

"Good nature will always supply
the absence of beauty,
but beauty can not log supply
the absence of good nature."

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी, जिला– बालोद (छ.ग.)

खेल प्रतियोगिता में विजयी छात्रों का विवरण

वर्ष 2016–2017

खुली दौड़ (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	मिलन	बी.एस–सी.2
2	द्वितीय	एकानन्द	बी.ए.1

खुली दौड़ (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. ज्योति	बी.एस–सी.1
2	द्वितीय	कु. हेमा	बी.ए.1

शतरंज (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	चन्द्रशेखर	बी.ए.1
2	द्वितीय	पीयुष	बी.ए.1

शतरंज (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. वन्दना	बी.ए.2
2	द्वितीय	कु. ज्योति	बी.एस–सी.1

गोला फेक (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	पीयुष	बी.ए.1
2	द्वितीय	शाहूल	बी.ए.2

गोला फेक (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. रुपेश्वरी	बी.ए.2
2	द्वितीय	कु. रीना	बी.एस–सी.2

भाला फेक (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	वमन	बी.ए.2
2	द्वितीय	जयपाल	बी.ए.2

भाला फेक (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. रीतू रावटे	बी.ए.2
2	द्वितीय	कु. जमुना	बी.एस–सी.3

100 मीटर दौड़ (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	रवि कुमार	बी.ए.1
2	द्वितीय	वमन	बी.ए.2

100 मीटर दौड़ (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. विनीता	बी.ए.1
2	द्वितीय	कु. रीना	बी.एस–सी.3

200 मीटर दौड़ (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	रवि कुमार	बी.ए.1
2	द्वितीय	चन्द्रभान	बी.ए.2

200 मीटर दौड़ (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. जयश्री शोरी	बी.ए.2
2	द्वितीय	कु. जितेश्वरी	बी.ए.1

स्लो सायकिल (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	एकानन्द	बी.ए. 1
2	द्वितीय	राजेन्द्र प्रसाद	बी.ए. 3

स्लो सायकिल (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. हेमा	बी.ए.1
2	द्वितीय	कु. जितेश्वरी	बी.ए.2

बैडमिंटन (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	चन्द्रशेखर	बी.ए. 1
2		अजीत कुमार	बी.एस–सी.2

बैडमिंटन (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. रीना	बी.एस–सी.3
2		कु. ललीता	बी.एस–सी.3

बैडमिंटन (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	चन्द्रशेखर	बी.एस–सी.1
2		हरिनारायण	बी.एस–सी.1

बैडमिंटन (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	कु. नन्दनी	बी.एस–सी.3
2		कु. तुकेश्वरी	बी.एस–सी.3

कबड्डी (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	गुरुमेन्द्र	बी.ए. 2
2		थ्यमल	बी.ए. 2
3		नेहर	बी.ए. 2
4		चन्द्रभान	बी.ए. 2
5		चन्द्रहास	बी.ए. 2
6		ओमप्रकाश	बी.ए. 2

कबड्डी (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. नन्दनी	बी.एस–सी.3
2		कु. रीना	बी.एस–सी.3
3		कु. ललीता	बी.एस–सी.3
4		कु. रीतू रावटे	बी.ए. 3
5		कु. रुखमणी	बी.ए. 2
6		कु. तीजन	बी.ए. 1

7		मुकेश	बी.एस.सी.1

कबड्डी (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	पीयूष	बी.ए. 1
2		अजय	बी.ए. 1
3		एकानन्द	बी.ए. 1
4		चन्द्रशेखर	बी.ए. 1
5		किलेन्द्र कुमार	बी.ए. 1
6		भूपेश्वर	बी.ए. 1
7		डामन	

व्हालीबॉल (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	सुभाष यादव	बी.एस-सी.2
2		अजित कुमार	बी.एस-सी.2
3		डोमन सिंह	बी.एस-सी.2
4		लेख राम	बी.ए.1
5		रवि कुमार	बी.ए.1
6		चन्द्रहास	बी.ए.2
7		छेमराज	बी.ए.1

व्हालीबॉल (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	चन्द्रभान	बी.ए.2
2		दिनेश कुमार	बी.ए.2
3		कंसुराम	बी.ए.2
4		ध्नतिन	बी.ए.1
5		मिथलेश	बी.ए.2
6		धनेश	बी.ए.2
7		छेमराज	बी.ए.1

खो–खो (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	ध्यमल	बी.ए. 2
2		मुकेश कुमार	बी.एस–सी.1
3		श्रेमन	बी.एस–सी.1
4		जितेन्द्र	बी.एस–सी.1
5		जितेन्द्र सिंह	बी.एस–सी.1
6		हरिनारायण	बी.एस–सी.1
7		भूषणलाल	बी.एस–सी.1
8		म्नोज	बी.एस–सी.1
9		कैलाश कुमार	बी.एस–सी.1

खो–खो (छात्र)

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	चन्द्रभान	बी.ए. 2
2		वमन	बी.ए. 2
3		श्रीमनलाल	बी.एस–सी.1
4		गेपीलाल	बी.ए. 2
5		जयपाल	बी.ए. 2
6		हेमन्त	बी.एस–सी.3

7		कु. दामिनी	बी.ए. 1

कबड्डी (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	कु. सुषमा	बी.ए. 2
2		कु. जितेश्वरी	बी.ए. 2
3		कु. रुपेश्वरी	बी.ए. 2
4		कु. मिथलेस तारम	बी.ए. 2
5		कु. सीमा नुरेटी	बी.एस–सी.1
6		कु. चन्द्रकांता	बी.एस–सी.2
7		कु. जयत्री	बी.ए. 2

व्हालीवाल (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1		कु. तुकेश्वरी	बी.एस–सी.3
2		कु. नन्दनी	बी.एस–सी.3
3		कु. रीना	बी.एस–सी.3
4		कु. पूनम	बी.एस–सी.3
5		कु. ललीता	बी.एस–सी.3
6		कु. तीजन	बी.ए.1
7		कु. दामिनी	बी.ए.1

व्हालीवाल (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	कु. चन्द्रकांता	बी.एस–सी.2
2		कु. रीतू रावटे	बी.ए. 2
3		कु. जितेश्वरी	बी.ए. 2
4		कु. सुषमा	बी.ए. 2
5		कु. जयत्री	बी.ए. 2
6		कु. मिथलेस	बी.ए. 2
7		कु. चमेली	बी.ए. 2

खो–खो (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. बंसता	बी.ए. 3
2		कु. सुलोचना	बी.ए. 3
3		कु. ज्योति	बी.ए. 3
4		कु. छबीरानी	बी.ए. 3
5		कु. डिकी	बी.ए. 3
6		कु. जितेश्वरी	बी.ए. 3
7		कु. हिरामती	बी.ए. 3
8		कु. टेमिन	बी.ए. 1
9		कु. कंचन	बी.ए. 1

खो–खो (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	कु. ललीता	बी.एस–सी.3
2		कु. पूनम	बी.एस–सी.3
3		कु. जमुना	बी.एस–सी.3
4		कु. तुकेश्वरी	बी.एस–सी.3
5		कु. विद्यादेवी	बी.ए. 1
6		कु. परमेश्वरी	बी.ए. 1

7		चन्द्रशेखर	बी.ए. 1
8		हकुमचन्द	बी.ए. 2
9		राहुल	बी.ए. 2

रंगोली

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1	प्रथम	चन्द्रशेखर	बी.एस–सी.1
2	द्वितीय	अंकित	बी.एस–सी.1
		मिलन कुमार	बी.एस–सी.2
3	तृतीय	मिथलेश	बी.ए. 2

कक्षा सजावट

क्र0	स्थान	कक्षा
1	प्रथम	बी.ए. भाग – 03
2	द्वितीय	बी.एस–सी. – 01
3	तृतीय	बी.एस–सी. – 03

स्वीप प्लान

क्र0	स्थान	छात्र–छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	बलराम	बी.ए. 1
2	प्रथम	विनोद कुमार	बी.ए. 2
3	प्रथम	आकाश दास	बी.ए. 1
4	प्रथम	नाहिद खातुन अंसारी	बी.एस–सी.1

पुष्पसज्जा

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. डिकेश्वरी कोर्राम	बी.ए. 2

सलाद

क्र0	स्थान	छात्र–छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	चन्द्रशेखर	बी.एस–सी.1
2	द्वितीय	अंकित कुमार	बी.एस–सी.1
3	तृतीय	कु. तुकेश्वरी	बी.एस–सी.3

7		कु. अमृता	बी.ए. 1
8		कु. रविना	बी.ए. 1
9		कु. रागिनी	बी.एस–सी.1

कैरम (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. राखी	बी.ए. 1
2		कु. प्रीति	बी.ए. 1

कैरम (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	द्वितीय	कु. ललीता	बी.एस–सी.3
2		कु. खिलेश्वरी	बी.एस–सी.1

तवा फेंक (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. ललीता	बी.एस–सी.3
2	द्वितीय	कु. बबीता	बी.ए.2

सुई धागा (छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. डिकी	बी.ए. 3
2	द्वितीय	कु. कविता	बी.ए. 3

जलेबी दौड़(छात्रा)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. पूनम	बी.एस–सी.3
2	द्वितीय	कु. बसंता	बी.ए. 3

मेहन्दी

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	प्रथम	कु. नीलिमा साहू	बी.एस–सी.1
2	द्वितीय	कु. आरती चौरका	बी.एस–सी.2
3	तृतीय	कु. श्वेता	बी.एस–सी.3

सेक्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विजयी छात्रों का विवरण

एथलेटिक्स (400 मीटर दौड़)

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1	तृतीय	कु. सीमा नुरेटी	बी.एस–सी.1

एथलेटिक्स

क्र0	स्थान	छात्र–छात्रा का नाम	कक्षा
1		कु. कंचन	बी.ए. 1
2		कु. दामिनी	बी.ए. 1
3		कु. तीजन	बी.ए. 1
4		कु. राजेश्वरी	बी.ए. 1
5		कु. जैत्री	बी.ए. 2
6		कु. सीमा नुरेटी	बी.एस–सी.1
7		चन्द्रभान	बी.ए. 2
8		नोहरलाल यादव	बी.ए. 2
9		इनम कुमार	बी.ए. 2
10		अजय कुमार	बी.ए. 1
11		भूपेश्वर	बी.ए. 1
12		देवेन्द्र कुमार	बी.ए. 1

कबड्डी

क्र0	स्थान	छात्र का नाम	कक्षा
1		चन्द्रभान	बी.ए. 2
2		नोहर लाल यादव	बी.ए. 2
3		केवल सिंग	बी.एस–सी.1
4		योगेश कुमार	बी.एस.–सी.1
5		अजय कुमार	बी.ए. 1
6		वेदराम	बी.ए. 1
7		भागीरथी	बी.ए. 1
8		पियूष कुमार	बी.ए. 1
9		दिनेश कुमार	बी.ए. 1

खो – खो

क्र0	स्थान	छात्रा का नाम	कक्षा
1		कु. बसंता	बी.ए. 3
2		कु. जितेश्वरी	बी.ए. 3
3		कु. ज्योति	बी.ए. 3
4		कु. सुलोचना	बी.ए. 3

13		प्रवीण कुमार	बी.ए. 1
14		महेन्द्र कुमार	बी.ए. 1
15		चन्द्रहास	बी.ए. 2
16		सुभाष कुमार	बी.एस–सी.2

5		कु. जैत्री	बी.ए. 2
6		कु. चम्पा	बी.ए. 2
7		कु. कंचन	बी.ए. 1
8		कु. अनुराधा	बी.ए. 1
9		कु. दामिनी	बी.ए. 1
10		कु. तीजन	बी.ए. 1

सन् 2017–2018 में महाविद्यालय में खेल गतिविधि

इस महाविद्यालय में अध्ययन अध्यापन के अतिरिक्त खेल गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है इस सत्र में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा कई खेल में भाग लिये जो इस प्रकार से है –

सेक्टर स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता –

1. कबड्डी (महिला)
2. एथलेटिक्स (महिला एवं पुरुष)
3. पावर लिफ्टिंग (महिला)
4. खो–खो (पुरुष)

सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स में विजेता छात्राएँ –

1) चक्र फेक प्रतियोगिता	कु. थानेश्वरी	बी.ए. भाग – 1	प्रथम
2) गोला फेक प्रतियोगिता	कु. थानेश्वरी	बी.ए. भाग – 1	द्वितीय
3) 800 मीटर दौड	कु. जैत्री सोरी	बी.ए. भाग – 3	द्वितीय
4) पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता	कु. दुर्गा	बी.ए. भाग – 1	तृतीय

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता –

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए इस महाविद्यालय के बी.ए भाग –1 की छात्रा कु. थानेश्वरी का चयन हुआ था।

सन् 2016–2017 में
महाविद्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी

1.	प्रो. (डॉ.) उमाकान्त मिश्र	प्राध्यापक (हिन्दी) एवं प्रभारी प्राचार्य जिला संगठक रासेयो बालोद (छ.ग.)
2.	डॉ. श्रीमती गिरिजा पटैला	सहायक प्राध्यापक (रसायन शास्त्र)
3.	श्री एन. के. साकरे	सहायक प्राध्यापक (भूगोल)
4.	श्री व्ही. के. कोमा	सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)
5.	श्रीमती राधेश्वरी देशमुख	सहायक प्राध्यापक (प्राणीशास्त्र)
6.	श्री संजय जोशी	सहायक ग्रेड–01 (पदोन्नति एवं पदाकंन रायपुर में)
7.	श्री विनोद कुमार भण्डारी	सहायक ग्रेड – 02
8.	श्री अश्वनी प्रधान	सहायक ग्रेड़ – 03
9.	श्री अशोक रवि	प्रयोगशाला तकनीशियन
10.	श्री खोमेश्वर साहू	प्रयोगशाला तकनीशियन
11.	श्री राहुल देव कुमार देवाँगन	प्रयोगशाला परिचारक
12.	श्री भूपेन्द्र कुमार गायकवाड	प्रयोगशाला परिचारक
13.	श्रीमती पूर्णिमा रावटे	प्रयोगशाला परिचारक
14.	श्री बसन्त कुमार	भृत्य
15.	श्री जितेन्द्र ध्रुव	भृत्य

अतिथि व्याख्याता

➢ डॉ. श्रीमती चारुलता फिलिप	वनस्पति शास्त्र (फरवरी 2017 तक)
➢ श्री एम. के. डहरवाल	राजनीति विज्ञान (फरवरी 2017तक)
➢ श्री उमाकान्त चन्द्राकर	अंग्रेजी (फरवरी 2017 तक)
➢ कु. तुलेश्वरी साहू	प्राणी शास्त्र (फरवरी 2017 तक)
➢ कु. भूमिका साहू	सूक्ष्मजीव विज्ञान (फरवरी 2017तक)
➢ कु. पूजा जैन	वाणिज्य (फरवरी 2017 तक)

सन् 2017–2018 में महाविद्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी

1.	प्रो. (डॉ.) उमाकान्त मिश्र	प्राध्यापक (हिन्दी) एवं प्रभारी प्राचार्य जिला संगठक रासेयो बालोद (छ.ग.)
2.	डॉ. श्रीमती गिरिजा पटैला	सहायक प्राध्यापक (रसायन शास्त्र)
3.	श्री एन. के. साकरे	सहायक प्राध्यापक (भूगोल)
4.	श्री आर. पी. निषाद	सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी)
5.	श्री व्ही. के. कोमा	सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)
6.	श्रीमती राधेश्वरी देशमुख	सहायक प्राध्यापक (जन्तु विज्ञान)
7.	श्री योगेश्वर साहू	सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)
8.	श्री दीपक मेश्राम	सहायक प्राध्यापक (इतिहास)
9.	श्री विनोद कुमार भण्डारी	सहायक ग्रेड – 02
10.	श्री अश्वनी प्रधान	सहायक ग्रेड़ – 03
11.	श्री अशोक कुमार रवि	प्रयोगशाला तकनीशियन
12.	श्री मैथ्यू जैकब	प्रयोगशाला तकनीशियन
13.	श्री खोमेश्वर साहू	प्रयोगशाला तकनीशियन
14.	श्री राहुल देव कुमार देवाँगन	प्रयोगशाला परिचारक
15.	श्री भूपेन्द्र कुमार गायकवाड़	प्रयोगशाला परिचारक
16.	श्रीमती पूर्णिमा रावटे	प्रयोगशाला परिचारक
17.	श्री बसन्त कुमार	भृत्य
18.	श्री जितेन्द्र ध्रुव	भृत्य

अतिथि व्याख्याता

➤	डॉ. श्रीमती चारुलता फिलिप	वनस्पति शास्त्र (फरवरी 2018 तक)
➤	कु. भूमिका साहू	सूक्ष्मजीवविज्ञान (फरवरी 2018 तक)
➤	कु. गीता देवांगन	भौतिक शास्त्र (फरवरी 2018 तक)
➤	कु. पदमावती साहू	गणित (फरवरी 2018 तक)
➤	कु. श्वेता देवांगन	वाणिज्य (फरवरी 2018 तक)

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी में पदस्थ प्राचार्यों की सूची

एम. के. सोनछत्रा	प्रभारी प्राचार्य	18 / 07 / 2006 से 27 / 07 / 2008 तक
डॉ.पी. के. सिंह	प्रभारी प्राचार्य	28 / 07 / 2008 से 15 / 10 / 2008 तक
पी. एस. चुरेन्द्र	प्रभारी प्राचार्य	16 / 10 / 2008 से 15 / 07 / 2014 तक
डॉ. आर.के.ठाकुर	प्रभारी प्राचार्य	16 / 07 / 2014 से 28 / 07 / 2016 तक
डॉ. यू. के. मिश्र	प्राध्यापक एवं प्रभारी प्राचार्य	01 / 09 / 2016 से अभी तक

जनभागीदारी समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सूची

1. श्री प्रकाश आर्य "अध्यक्ष" जनभागीदारी स्थानीय प्रबंधन समिति
   शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी
2. प्रो. (डॉ.) यू. के. मिश्र "प्रभारी प्राचार्य / सचिव" शास. कंगला मांझी महावि. डौण्डी
3. अनुविभागीय अधिकारी (रा.) "उपाध्यक्ष" जनभागीदारी स्थानीय प्रबंधन समिति
4. श्री पीयुष सोनी "विधायक प्रतिनिधि" डौण्डी
5. श्री शंकर पीपरे "महाविद्यालय विधायक प्रतिनिधि" डौण्डी
6. श्री जागेश्वर तारम "सदस्य सांसद प्रतिनिधि" डौण्डी
7. प्राचार्य "सदस्य पोषक शाला" शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डौण्डी
8. प्राचार्य "सदस्य पोषक शाला" शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डौण्डी
9. प्राचार्य "सदस्य पोषक शाला" शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डौण्डी
10. कु. नंदिनी धनकर "छात्रसंघ अध्यक्ष" शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी
11. चुरेन्द्र कुमार "छात्रसंघ सचिव" शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौण्डी

छात्र संघ पदाधिकारियों की सूची

वर्ष	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	सहसचिव
2014–15	सौरभ यादव बी.एस–सी. III	योगेश्वर बी.एस–सी. II	सुषमा सिन्हा बी.ए. III	खेमराज बी.ए. II
2015–16	योगेश्वर बी.एस–सी. III	राजेन्द्र प्रसाद बी.ए. II	खेमराज बी.ए. III	भारती कोरेटी बी.ए. III
2016–17	नंदिनी धनकर बी.एस–सी. III	चन्द्रभान बी.ए. II	चुरेन्द्र कुमार बी.एस–सी. III	अनिल कुमार बी.ए. III
2017–18	चन्द्रकांता गौर बी.एस–सी. III	नाहिद खातुन अंसारी बी.एस–सी. II	जयपाल बी.ए.. III	हेमलता बी.ए. I

10/01/2017

कॉलेज स्टूडेंट्स ने यातायात नियमों से संबंधित सवाल पूछे

स्वामी ने युवाओं को आगे बढ़ने किया प्रेरित

स्पर्धा के विजेता हुए पुरस्कृत

मोबाइल एप से कर सकते हैं कैशलेस ट्रांजेक्शन

डिजिटल इंडिया के तहत शासकीय कंगला मांझी कॉलेज में विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

पहले लक्ष्य तय करें फिर आगे बढ़ें: चारुलता

कॉलेज छात्राओं ने किया सुवा व पंथी नृत्य

गांव में पुस्तकालय सोने की अंगूठी में हीरे के नग के समान होते हैं: डॉ उमाकांत मिश्र

कॉलेज में स्टूडेंट्स को कानून के संबंध में दी गई जानकारी

भर्रीटोला में सात दिन सफाई के बाद ली शपथ

शिविर में 50 विद्यार्थी हुए शामिल

शिविर में महिला कमांडो को बांटे टोपी और साड़ी

दैनिक भास्कर

ग्रामीणों को कैंसर और एड्स के लक्षण व बचाव की दी जानकारी

शिक्षकों की क्षमता विकास के लिए प्लानिंग की जाए: प्रसाद

04-06-2016

रक्तदान करने से शरीर में कमी नहीं बल्कि बढ़ोतरी होती है: सांकरे

छात्रों ने शिविर को बताया शिक्षाप्रद व उपयोगी

समापन

राजकीय कॉलेज में मना अधिवास दिवस

कंगला मांझी कॉलेज में छात्रसंघ के नए पदाधिकारियों ने ली शपथ

बिना किसी भेदभाव के छात्रहित में काम करने का संकल्प

सामंजस्य बनाकर दूर करें समस्या

स्वीप में उत्कृष्ट कार्य के लिए विनोद हुए सम्मानित

प्रार्थना के बाद योग की हुई शुरुआत

कंगला माझी युवाओं के रोल मॉडल: सांकरे

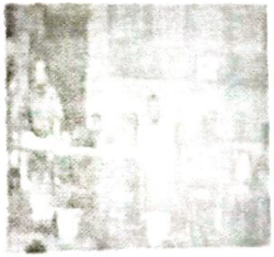

सफाई कर दिया जागरूकता का संदेश

कामता में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर शुरू

स्वच्छता को लेकर स्वयंसेवकों ने गोद ग्राम खैरवाही में निकाली रैली

गलियों, नालियों व हैंडपंप के आसपास सफाई अभियान भी चलाया

कॉलेज परिसर में कटहल, नीम, बेल, बादम के 150 पौधे रोपे

स्वयं सेवकों ने गोद ग्राम खैरवाही के स्कूली बच्चों का किया सम्मान

विद्यार्थी अपने कर्तव्य को समझें और अच्छे नागरिक बनें: गिरिजा

बातों से नहीं काम से करें जागरूक: मिश्र

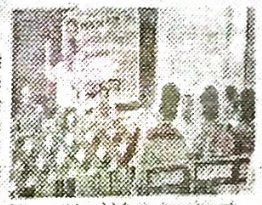

कॉलेज में स्टूडेंट्स के साथ प्राध्यापकों ने भी की सफाई

शासकीय केंगला मांझी कॉलेज में चला अभियान

फेसबुक पर करें अपलोड

आर्थिक साधन ही सब कुछ नहीं है, आपके मन में जज्बा हो तो आगे बढ़ सकते हैं: डॉ. अग्रवाल

डौंडी में शासकीय कंवला मांझी कालेज के छात्र–छात्राओं ने लोक गीत व नृत्य की दी प्रस्तुति

निबंध में राहुल व रंगोली में दिव्या प्रथम

विवेकानंद के आदर्श युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक - डॉ मिश्र

गांव को बेहतर बनाने का बच्चों ने बाल कैबिनेट में लिया संकल्प

रैली निकालकर मतदाताओं को किया जागरूक

डौण्डी। शासकीय कंवला मांझी महाविद्यालय डौण्डी के छात्र–छात्राओं द्वारा शासन के निर्देशानुसार स्विप प्लान के अंतर्गत मतदाता का प्रतिशत बढ़ाने एवं एक वोट का महत्व बताने मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन प्राचार्य [illegible] मिश्र के मार्गदर्शन में स्विप प्रभारी डी.के. कोमा के नेतृत्व में आयोजित हुआ। प्राचार्य के द्वारा रैली को हरी झण्डी दिखाने से पहले स्विप प्लान की महत्ता को विस्तार पूर्वक दिया। स्विप प्रभारी एक वोट का महत्व बताते हुये कहा कि हर एक मत बहुमूल्य है क्योंकि जीत एवं हार एक वोट से ही तय होती है। इसके बाद रैली महाविद्यालय से शुरू होकर [illegible] बस स्टैण्ड, बजार चौक से होते हुये डौण्डी की गलियों में मतदाता जागरूकता से संबंधित नारे लगाते हुये भ्रमण कर पुनः महाविद्यालय पहुंचे। रैली में [illegible] आदि थे।

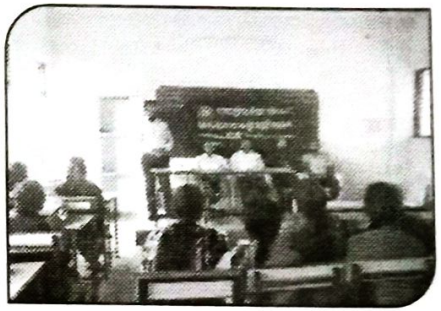

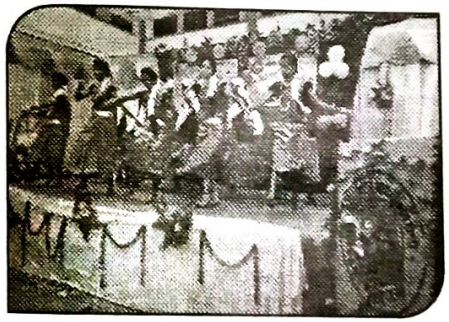

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
हार्दिक स्वागत

Kanchhi, Durg 9893222370